खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 11 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-99

26/11 मुंबई आतंकी हमले का आरोपी तहव्वुर राणा दिल्ली लाया गया

दिल्ली पहुंचने पर राणा को एनआईए ने कब्जे में लिया

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां) । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड तहव्वुर हुसैन राणा को वर्षों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार गुरुवार को यहां पहुंचने पर हिरासत में लिया और अब उसे न्यायालय में पेश किया जायेगा।

राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर गुरुवार शाम विशेष विमान से यहां लाया गया। एनआईए ने गुरुवार शाम को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि उसने लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार राणा को सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित करने में सफलता हासिल कर ली है।

भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत शुरू की गई कार्यवाही के चलते राणा को अमेरिका में न्यायिक हिरासत में रखा गया था। राणा द्वारा प्रत्यर्पण को रोकने के लिए सभी कानूनी रास्ते आजमाने के बाद आ-खिरकार उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी हो गयी। वक्तव्य में कहा गया है कि कैलिफोर्निया के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने 16 मई 2023 को उसके प्रत्यर्पण का आदेश दिया था। इसके बाद राणा ने नौवीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील में कई मुकदमे दायर किए, जिनमें से सभी को खारिज कर दिया गया। इसके बाद उसने एक रिट , दो बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक आपातकालीन आवेदन दायर किया लेकिन उसे भी खारिज कर दिया गया। भारत द्वारा अंततः

तहव्वुर राणा की पहली तस्वीर

अमेरिकी सरकार से वांछित आतंकवादी के लिए आत्मसमर्पण वारंट प्राप्त करने के बाद दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण कार्यवाही शुरू की गई। एनआईए ने स्काई मार्शल, यूएसडीओजे की सक्रिय सहायता से पूरी प्रत्यर्पण प्रक्रिया के दौरान अन्य भारतीय खुफिया एजेंसियों, एनएसजी के साथ मिलकर काम किया, जिसमें भारत के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने मामले को सफल निष्कर्ष तक ले जाने के लिए अमेरिका में अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय किया।

राणा पर डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाउद गिलानी और नामित आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हरकत-उल-जिहादी इस्लामी (एचयूजेआई) के गुर्गों के साथ-साथ पाकिस्तान स्थित अन्य सह-षड्यंत्रकारियों के साथ मिलकर 2008 में मुंबई में हुए विनाशकारी आतंकवादी हमलों की साजिश रचने का आरोप है। इन हमलों में कुल 166 लोग मारे गए और 238 से अधिक घायल हुए थे।

▶10पर

तहव्वुर राणा को प्रत्यर्पण कर भारत लाया जाना मोदी सरकार की रणनीतिक उपलब्धि : भाजपा

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 26/11 के आतंकी तहव्वुर राणा को प्रत्यर्पण कर भारत लाया जाना मोदी सरकार की बड़ी रणनीतिक एवं ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया है और कहा है कि कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान वोटबैंक तुष्टिकरण के लिए आतंकियों पर कार्रवाई नहीं की जिसकी सजा आतंकवाद झेलने वाले निर्दोष लोगों को झेलनी पड़ी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आज यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और 26/11 के आतंकी तहव्वुर राणा को प्रत्यर्पण कर भारत लाया जाना मोदी सरकार की बड़ी रणनीतिक एवं ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। श्री पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले संप्रग के शासन के दौरान वोटबैंक तुष्टीकरण के लिए आतंकियों पर कार्रवाई नहीं करती थी जिसकी सजा आतंकवाद झेलने वाले निर्दोष लोगों को मिलती थी।

▶10पर

यूक्रेन-रूस संघर्ष में ड्रोन हैं सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाले हथियार : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां) । यूक्रेन-रूस संघर्ष में ड्रोन एक नए सैन्य हथियार के रूप में उभरे हैं। सैनिकों और उपकरणों की अधिकांश हानि पारंपरिक तोपखाने या बख्तरबंद वाहनों के कारण नहीं, बल्कि ड्रोन के कारण हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को यह बात कही। वह वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेस स्टॉफ कॉलेज (डीएसएससी) में भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बल अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती हुई तकनीकें प्रतिरोध और युद्ध में क्रांति ला रही हैं। युद्ध के मैदानों में तकनीकी नवाचार की शक्ति विस्मयकारी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए स्वदेशी रक्षा इकोसिस्टम का निर्माण एक रणनीतिक आवश्यकता है। इसी तरह 'लो अर्थ ऑर्बिट' में अंतरिक्ष क्षमताएं सैन्य इंटेलिजेंस को नए स्तर पर ले जा रही हैं। यह निरंतर निगरानी, स्थिति निर्धारण, लक्ष्य निर्धारण और संचार को बदल रही हैं, इस प्रकार युद्ध को एक नए उच्च स्तर पर ले जा रही हैं।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि दुनिया ग्रे जोन और हाइब्रिड युद्ध के युग में है। जहां साइबर हमले, दुष्प्रचार अभियान और आर्थिक युद्ध ऐसे साधन बन गए हैं, जिनसे एक भी गोली चलाए बिना राजनीतिक-सैन्य लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी सीमाओं पर लगातार खतरों का सामना करना पड़ रहा है। पड़ोसी देशों से उत्पन्न छद्म युद्ध और आतंकवाद की चुनौती से ये और भी जटिल हो गए हैं।

राजनाथ सिंह ने प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन जैसे गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों के अलावा पश्चिम एशिया में संघर्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनावों के समग्र सुरक्षा परिदृश्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी बात की। उन्होंने भविष्य के युद्धों के लिए सक्षम और प्रासंगिक बने रहने के लिए सशस्त्र बलों के परिवर्तन को सख्ती से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण दो आधारभूत स्तंभों - सुरक्षित भारत और सशक्त भारत पर मजबूती से टिका हुआ है। रक्षा मंत्री ने

आत्मनिर्भरता के माध्यम से सशस्त्र बलों के विकास और आधुनिकीकरण पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, चल रहे संघर्षों के सबक हमें सिखाते हैं कि एक सुदृढ़, स्वदेशी और भविष्य के लिए तैयार रक्षा प्रौद्योगिकी और विनिर्माण इकोसिस्टम का निर्माण एक विकल्प नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक आवश्यकता है। कम लागत वाले उच्च तकनीक समाधान विकसित करने और सशस्त्र बलों की युद्ध क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारी सेनाओं को न केवल तकनीकी परिवर्तनों के साथ समन्वय रखना चाहिए, बल्कि इसका नेतृत्व भी करना चाहिए।

उन्होंने कहा, देशों और लोगों के बीच बढ़ती संपर्कता और निर्भरता का अर्थ है कि चुनौतियों का सामना व्यक्तिगत रूप से करने की तुलना में एक साथ मिलकर करना बेहतर है। पारस्परिक हित और तालमेल हमें उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और यहां तक कि वैश्विक स्तर पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेंगे।

देश विदेश के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से राजनाथ सिंह ने कहा, युद्ध सेनानियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के रक्षकों के रूप में, आपको पर्यावरण और इसके प्रभावों के बारे में जागरूक रहने की आवश्यकता है। आपको भविष्य के लीडर्स होने के लिए आवश्यक क्षमता और कौशल हासिल करना चाहिए। आपको प्रमुख गुणों के रूप में अनुकूलनशीलता और दक्षता को अपनाना चाहिए। कल के युद्ध के मैदान में ऐसे लीडर्स की आवश्यकता होगी जो अप्रत्याशित परिस्थितियों के अनुकूल हो सकें,

▶10पर

वक्फ कानून की आड़ में देश को दंगों की आग में झोंकने से बाज आए सेक्युलर-जिहादी गठजोड़ : विहिप

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां) । विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद लगातार चौथे दिन दंगों की आग में झुलस रहा है। आज देशभर में दंगे भड़काने की धमकियां दी जा रही हैं। जिस वक्फ कानून का वे विरोध करना चाहते हैं, उन्हें पता है कि उस कानून के पास होने से किसी की मस्जिद और दरगाह नहीं छिनेगी। वक्फ बोर्ड के नाम पर सक्रिय भू-माफिया ने जो कई सालों से अरबों की संपत्ति को अपने कब्जे में लिया था, वह छिनेगी। उनकी लूट बंद हो सकती है।

उन्होंने कहा कि यह कानून वही है जिसे बनाने से पहले लगभग एक करोड़ भारतीयों ने अपनी राय दी थी और संसद के दोनों सदनों में 25 घंटे से अधिक की ऐतिहासिक चर्चा हुई थी। इसके बावजूद देश का सेक्युलर जिहादी गठजोड़ देश को दंगों की आग में झोंकने का कुत्सित प्रयास कर रहा है जिससे उसे बाज आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत का सेक्युलर माफिया जो खुद को मुस्लिम वोट बैंक पर एकाधिकार मानता था, उसे डर है कि कहीं उसका एकाधिकार खत्म न हो जाए। सुप्रीम कोर्ट में 18 से ज्यादा याचिकाएं लंबित हैं। फैसले का इंतजार करना चाहिए। ये बार-बार कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट से ऊपर क्या है? लेकिन ऐसा लगता है उन्हें न तो संविधान की परवाह है और न ही न्यायपालिका के प्रति कोई सम्मान है।

डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि भू-माफिया और सेक्युलर माफिया का अपवित्र गठजोड़ 2013 में गुरुग्राम में दिखाई दिया था, जब पालम विहार के बाहर बने एक बड़े पार्क पर वक्फ बोर्ड ने दावा पेश किया था। वहां नमाज के नाम पर लोग इकट्ठा होने शुरू हो गए थे।

▶10पर

अमेरिकी टैरिफ पर चीन का रिएक्शन

'हम चुपचाप नहीं बैठेंगे, धमकियों से नहीं डरेंगे'

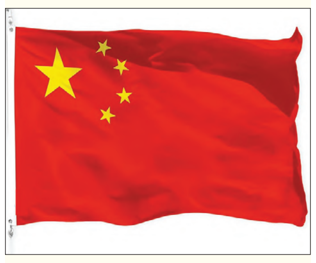

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां) । अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार चल रहा है। दोनों देश पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। अभी तक अमेरिका ने चीन पर 125 फीसदी टैरिफ लगाया है, तो वहीं चीन ने अमेरिका पर 84 फीसदी टैरिफ लगाया है। इस बीच चीन ने कहा कि वह संघर्ष नहीं चाहता है, लेकिन अमेरिका द्वारा लगाए गए नए शुल्कों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए वह अमेरिका द्वारा टैरिफ की लगातार धमकियों से नहीं डरेगा।

▶10पर

भाजपा में उठी नीतीश कुमार को डिप्टी पीएम बनाने की मांग

जेडीयू ने याद दिलाया अमित शाह का बयान

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने बड़ी मांग कर दी है। उन्होंने गुरुवार को अपनी व्यक्तिगत राय व्यक्त की कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उप प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए। केंद्र में आने से पहले नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल रहें अश्विनी चौबे ने कहा कि वह जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार को दिवंगत जगजीवन राम के बाद बिहार से दूसरे उपप्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। अश्विनी कुमार चौबे ने कहा, एनडीए में नीतीश कुमार का उल्लेखनीय योगदान है। वह गठबंधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत कर रहे हैं। मेरी व्यक्तिगत इच्छा है कि उन्हें उपप्रधानमंत्री बनाया जाए। यदि यह इच्छा पूरी हुई तो बिहार बाबू जगजीवन राम के बाद अपनी धरती के दूसरे बेटे को इस पद पर आसीन होते देखेगा। बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। मीडिया के वर्ग में अटकलें हैं कि भाजपा द्वारा 74 वर्षीय नीतीश कुमार को 'सम्मानजनक विदाई' की पेशकश की जा सकती है। दिवंगत सुशील कुमार मोदी जैसे भाजपा नेताओं ने तो यहां तक दावा किया था कि नीतीश कुमार उपराष्ट्रपति बनना चाहते थे और इस पद के लिए उनके नाम पर विचार न किए जाने के विरोध में उन्होंने 2022 में एनडीए छोड़ दिया था।हालांकि अश्विनी चौबे की टिप्पणी को जेडीयू के साथ-साथ विपक्षी दल आरजेडी ने भी ज्यादा तवज्जो नहीं दी। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक समाचार चैनल को दिए गए इंटरव्यू का हवाला देते हुए इस बात परजोर दिया कि एनडीए के सभी सहयोगी मुख्यमंत्री नीतीश को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन के नेता के रूप में स्वीकार करते हैं।

लाल किला और जामा मस्जिद को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां) । लाल किला और जामा मस्जिद को निशाना बनाकर बम रखे जाने की झूठी धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियों को गुरुवार सुबह मौके पर पहुंचकर गहन जांच करनी पड़ी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने बताया कि लाल किला और जामा मस्जिद को बम से उड़ाने की धमकी वाली कॉल आई। दिल्ली पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और कॉल को फर्जी बताया गया। अधिकारी ने बताया कि स्मारकों के परिसर में बम होने की

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

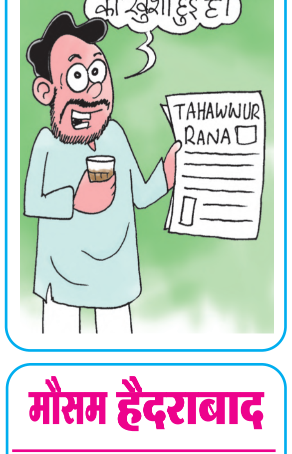

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37^0
न्यूनतम : 25^0

एसबीआई ने बदले नियम, अब आप सिर्फ इतनी बार ही मुफ्त में निकाल सकेंगे नगदी

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।

अगर आपका स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में खाता है तो यह खबर आपके लिए है। एटीएम का अधिक उपयोग करने वाले एसबीआई ग्राहकों को झटका लग सकता है। 1 फरवरी 2025 से एसबीआई ने एटीएम से पैसे निकालने और बैलेंस चेक करने के नियमों में बदलाव किया है। अब सभी ग्राहकों के लिए मुफ्त ट्रांजेक्शन की संख्या एक समान हो गई है। अब ग्रामीण इलाकों में रहने वाले और शहरों में रहने वाले ग्राहकों के लिए ट्रैंजेक्शन लिमिट एक समान हो गई है। यह पिछली नीति से अलग है, जिसमें ग्राहक के स्थान के आधार पर मुफ़्त लेनदेन की संख्या अलग-अलग होती थी। नए नियमों के मुताबिक अब एसबीआई ग्राहक एसबीआई एटीएम से हर महीने 5 बार और अन्य बैंकों के एटीएम से 10 बार मुफ्त लेनदेन की सुविधा मिलेगी। यानी आप हर महीने कुल 15 ट्रांजेक्शन बिना किसी चार्ज के कर सकते हैं। अगर आपके खाते में औसतन 1 लाख रुपये या इससे अधिक बैलेंस है तो आपको अनलिमिटेड मुफ्त लेनदेन की सुविधा मिलेगी। बैंक ने इन सीमाओं से अधिक भुगतान पर लगने वाले शुल्क में भी संशोधन किया है।

अगर आप फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट से ज्यादा बार पैसे निकालते हैं तो आपको एसबीआई एटीएम पर 15 रुपए + जीएसटी और दूसरे बैंकों के एटीएम पर 21 रुपए + जीएसटी देना होगा।

▶10पर

युवाओं, उद्योगपतियों और उद्योगों की मदद के लिए तंत्र बनाये गुजरात चैम्बर : अमित शाह

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां) ।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि यदि गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री को प्रासंगिक रहना है तो उद्योगों, औद्योगिक क्षेत्र में कदम रखने वाले साहसी युवाओं और उद्योगपतियों - तीनों की मदद के लिए एक स्थायी तंत्र बनाना चाहिए।

श्री शाह ने गुरूवार को यहां चैम्बर के वार्षिक व्यापार कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि चैम्बर ने गुजरात के विकास में बेहद अहम योगदान दिया है। चैम्बर ने युवाओं में उद्यम, साहस और दुनिया के किसी भी कोने में जाकर व्यापार करने का उत्साह भरने का काम किया है। उन्होंने कहा कि लगातार 75 वर्ष तक

चैम्बर ने परंपरा को संभाला, सरकार के साथ संवाद बनाए रखा, जनता के हित की चिंता की और प्राकृतिक आपदाओं के समय जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि चैम्बर को 75 वर्ष से 100 वर्ष का रोडमैप तैयार करना चाहिए और गुजरात के विकास के साथ जोड़कर उसे आगे भी बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुजरात के युवाओं की औद्योगिक साहसिकता को प्रोत्साहित करने के लिए चैम्बर को योजना बनानी चाहिए।

▶10पर

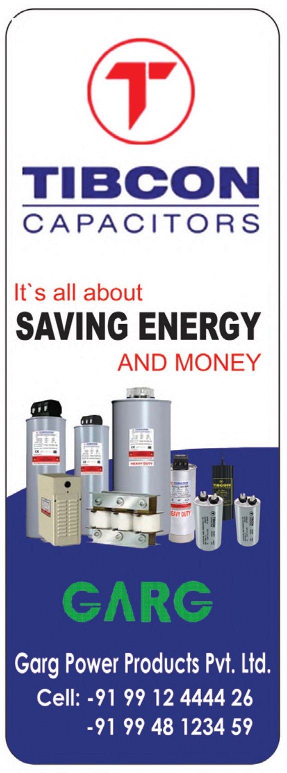

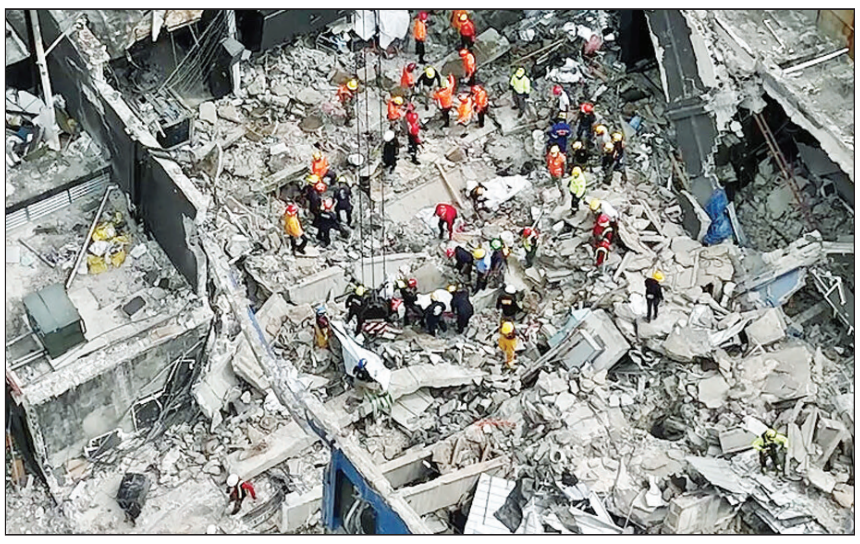

डोमिनिकन क्लब की छत ढहने से मरने वालों की संख्या हुई 184, शवों की नहीं हो रही पहचान

सैंटो डोमिंगो,10 अप्रैल (एजेंसियां) । डोमिनिकन गणराज्य में एक क्लब की छत ढहने के मामले में मृतकों की संख्या बढ़कर 184 हो गई है। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मलबे से निकाले गए शवों को पहचान पाना भी मुश्किल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, एक प्रतिष्ठित डोमेनिकन नाइट क्लब में छत ढहने के हादसे में जान गंवाने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ने की आंशका है। बुधवार देर रात 184 शव बरामद हुए थे। अभी बचाव अभियान चलाया जा रहा है। दर्जनों लोग अभी भी डोमिनिकन गणराज्य के फोरेंसिक संस्थान के बाहर अपने प्रियजनों की खबर के लिए इंतजार कर रहे हैं।

आपातकालीन संचालन केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने कहा कि घटनास्थल पर मौजूद कर्मचारी अभी भी पीड़ितों और संभावित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, मंगलवार दोपहर से कोई भी जीवित नहीं मिला है। उन्होंने कहा, हम किसी को भी नहीं छोड़ेंगे। हमारा काम जारी रहेगा। इससे पहले दिन में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फोरेंसिक पैथोलॉजी के अधिकारियों ने 54 पीड़ितों के नाम पढ़े, जिनकी उन्होंने अब तक पहचान की है। बाकियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।नाइट क्लब की छत गिरने के कारणों का तुरंत पता नहीं चल पाया है। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि जेट सेट बिल्डिंग का आखिरी बार कब निरीक्षण किया गया था। इस बीच क्लब ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि वह अधिकारियों का सहयोग कर रहे हैं। क्लब की ओर से बताया गया कि जब हादसा हुआ, उस समय क्लब के मालिक एंटोनियो एस्पैलेट देश में नहीं थे। हादसे का पता लगने के बाद वह मंगलवार देर रात वापस लौट आए हैं। उन्होंने कहा, इस घटना से जो दुख पहुंचा है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में लीजियोनेयर्स का बढ़ा प्रकोप स्वास्थ्य विभाग ने किया अलर्ट

सिडनी,10 अप्रैल (एजेंसियां) । ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने मध्य सिडनी में लीजियोनेयर्स रोग को लेकर पब्लिक हेल्थ अलर्ट जारी किया है। एनएसडब्ल्यू स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि लीजियोनेयर्स रोग के कंफर्म मामलों वाले पांच लोग अपने एक्सपोजर पीरियड (संपर्क अवधि) के दौरान सिडनी के सीडीबी में गए थे।सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट ने जारी अलर्ट के हवाले से कहा है कि 30 मार्च से 4 अप्रैल के बीच ये पांचों मध्य सिडनी में थे और इसी दौरान इसी दौरान इनमें रोग से जुड़े लक्षण देखे गए।इसमें कहा गया है कि संक्रमण के किसी एक स्रोत की पहचान नहीं की गई है, और यह संभव है कि मामले असंबंधित हों, लेकिन संभावित स्रोत क्षेत्र की जांच चल रही है।लीजियोनेयर्स रोग निमोनिया का एक रूप है जो लीजियोनेला बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण होता है। यह मीठे पानी में स्वाभाविक रूप से पाया जाता है। लक्षण आमतौर पर 2-10 दिनों के बीच विकसित होते हैं और शुरुआत में सिरदर्द, बुखार और हल्की खांसी शामिल हो सकती है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, बीमारी से मृत्यु दर आमतौर पर 5-10 प्रतिशत की सीमा के भीतर होती है, लेकिन अनुपचारित प्रतिरक्षा-दबाव वाले रोगियों (जिन मरीजों की इम्युनिटी कम है और जिनका इलाज नहीं हुआ है) के लिए यह 80 प्रतिशत तक हो सकती है।

अमेरिका ने ईरान को धमकाया कहा- हमले की नौबत आई तो इजरायल करेगा

वॉशिंगटन। परमाणु हथियार के बहाने अमेरिका ने एक बार फिर ईरान को धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर हमला करने की नौबत आती है, तो इसकी अगुवाई इजरायल करेगा। इसे लेकर इजरायल की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। हालांकि, इजरायल पहले भी हमले की बात कह चुका है। खास बात है कि यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका और ईरान के अधिकारी बैठक करने जा रहे हैं। अमेरिका और इजराइल दोनों ने ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर सैन्य हमले की धमकी दी है, वहीं तेहरान के अधिकारी चेतावनी दे रहे हैं कि वे परमाणु बम से हमला कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्रमुख रूप से ट्रंप द्वारा 2018 में हुए तेहरान के परमाणु समझौते से एकपक्षीय तरीके से अमेरिका को हटाने से इस पर असर पड़ा। ईरान के खिलाफ सेना के इस्तेमाल को लेकर ट्रंप ने कहा, अगर सेना की जरूरत पड़ती है, तो हम सेना को उतारेंगे। उन्होंने कहा, इजरायल निश्चित रूप से शामिल होगा। इजरायल इसकी अगुवाई करेगा। ओवल ऑफिस में बातचीत के दौरान उन्होंने यह टिप्पणी की। हालांकि, वह कुछ देर बाद ही रुख बदलते नजर आए और कहा, कोई हमारी अगुवाई नहीं कर सकता। हम वही करते हैं, जो हम करना चाहते हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि वह पहली वार्ता के लिए ओमान में अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात करेंगे।

बच्चों को बार-बार छूने या दवाएं देने से बचना चाहिए

सिडनी। जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों तक नवजात बच्चों को केवल मां का दूध दिया जाए और

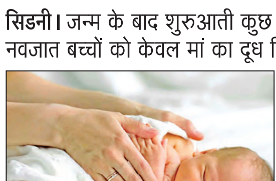

उनका विशेष ध्यान रखा जाए। इस समय बच्चों को बार-बार छूने या दवाएं देने से बचना चाहिए, क्योंकि उनका शरीर बेहद संवेदनशील होता है। इस तरह की सलाह अक्सर दी जाती है, लेकिन कई बार जब बच्चों को सर्दी, खांसी या अन्य संक्रमण होता है, तो परिजन बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाएं देना शुरू कर देते हैं। यह दवाएं तात्कालिक रूप से राहत तो देती हैं, लेकिन एक नई रिसर्च के अनुसार, इनका प्रभाव बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया की फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में पाया कि जीवन के शुरुआती हफ्तों में दी गई एंटीबायोटिक दवाएं नवजात शिशुओं में महत्वपूर्ण टीकों की प्रभावशीलता को कम कर सकती हैं।

अमेरिका की ओपनएआई ने एक्सएआई के मालिक मस्क के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया

वाशिंगटन,10 अप्रैल (एजेंसियां) । दुनिया की प्रमुख अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई ने बुधवार को अरबपति एलन मस्क के खिलाफ संघीय जिला न्यायालय में मुकदमा दायर किया। ओपनएआई ने दावा किया कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क ने कंपनी को नुकसान पहुंचाने के लिए हर संभव तरीका आजमाया है। मस्क की कंपनी एक्सएआई इस कंपनी की प्रतिद्वंदी है। मस्क टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ और सोशल मीडिया साइट एक्स के मालिक हैं।

ओपनएआई ने न्यायालय से दंडात्मक हर्जाना और एक्सएआई के संचालन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। मस्क एक्सएआई का संचालन 2023 से कर रहे हैं। ओपनएआई ने संघीय जिला न्यायालय में दाखिल दस्तावेजों में दावा किया कि मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर 200 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। इन सभी को ओपनएआई के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण सूचना दी गई। प्रेस के माध्यम से ओपनएआई पर हमले किए गए।

इसमें यह खुलासा किया गया है कि ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के साथ मस्क ने 2015 में ओपनएआई को एक शोध प्रयोगशाला के रूप में बनाने में मदद की। बाद में वह इस परियोजना से सार्वजनिक रूप से अलग हो गए। फरवरी में मस्क के नेतृत्व वाले एक समूह ने ओपनएआई का नियंत्रण 97.4 बिलियन डालर में खरीदने की पेशकश की। उनके इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। पिछले महीने निवेशकों ने ओपनएआई का समर्थन किया। इस दौरान कंपनी के स्टार्टअप का मूल्य 300 बिलियन डालर आंका गया।

मस्क के वकील मार्क टोबेरॉफ ने ई-मेल के जरिए दिए गए जवाब में कहा, अगर ओपनएआई के बोर्ड ने वास्तव में प्रस्ताव पर विचार किया होता (जैसा कि उन्हें करना चाहिए था) तो उन्हें पता होता कि यह कितनी गंभीर बात है। 2022 के अंत में ओपनएआई ने चैटजीपीटी को लॉन्च किया। इसके कुछ महीने बाद मस्क ने एक्सएआई की स्थापना की। ओपनएआई ने पिछले माह कहा था कि हर सप्ताह 500 मिलियन लोग इसके चैटजीपीटी सहायक का उपयोग करते हैं और कंपनी 2025 में लगभग 13 बिलियन डॉलर के राजस्व की ओर अग्रसर है।

ओपनएआई ने अदालत में जमा कराए दस्तावेजों में कहा, मस्क उस उद्यम की ऐसी सफलता को बर्दाश्त नहीं कर सकते, जिसे उन्होंने छोड़ दिया था ।मस्क ने मार्च में कहा था कि एक्स ने स्टॉक स्वैप के रूप में एक्सएआई का अधिग्रहण किया था। ओपनएआई ने अदालत से अनुरोध किया कि वह मस्क को कंपनी पर अपने सार्वजनिक हमलों को रोकने के लिए मजबूर करे।

पाकिस्तान में आतंकवादियों ने पुलिस वैन को बनाया निशाना, हमले में तीन की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में आज आतंकवादियों ने एक पुलिस मोबाइल वैन पर घातक हमला कर तीन पुलिसकर्मियों को मौत के घाट उतार दिया। इस वैन में न्यू सरियाब पुलिस स्टेशन के कर्मी सवार थे। इस हमले में एक अन्य घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। शहीद कर्मियों में एक सब-इंस्पेक्टर और दो कांस्टेबल शामिल हैं। खबर के अनुसार, बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इस कायराना हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों का सफाया करने के लिए सरकार कृतसंकल्प है। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के केच जिले में एक खुफिया-आधारित ऑपरेशन के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया था। बलूचिस्तान सरकार का कहना है कि 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से मुल्क आतंकवादी हमलों से जूझ रहा है। आतंकवादी खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के सीमावर्ती प्रांतों में खूनखराबा कर रहे हैं।

बांग्लादेश में चुनाव दिसंबर या अगले साल जून तक संभव : मोहम्मद यूनुस

ढाका,10 अप्रैल (एजेंसियां) । बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख और मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस ने कल यहां ब्रिटेन की व्यापार दूत बैरोनेस रोजी विंटरटन के साथ स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में चर्चा की।

यूनुस ने इस दौरान कहा कि देश में अगले संसदीय चुनाव इस वर्ष दिसंबर या अगले साल जून में कराए जा सकते हैं।

खबर के अनुसार, प्रो. मोहम्मद यूनुस ने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अंतरिम सरकार किस हद तक सुधार लागू करेगी। यदि राजनीतिक दल छोटी सुधार प्रक्रिया पर सहमत होते हैं तो चुनाव दिसंबर में हो सकते हैं।

यदि अधिक व्यापक सुधार का रास्ता चुना जाता है तो चुनाव अगले साल जून तक हो सकते हैं। यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि उन्होंने पहले कहा था कि चुनाव दिसंबर या अगले साल मार्च तक कराए जा सकते हैं।

प्रो. यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश अपने इतिहास में परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है। यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण समय है।

अंतरिम सरकार संस्थानों के पुनर्निर्माण और प्राथमिकताओं को नया आकार देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस बैठक में दोनों नेताओं ने शिक्षा, कपड़ा उद्योग, रक्षा और विमानन सहित रणनीतिक सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर भी चर्चा की।

अंतरिम सरकार प्रमुख यूनुस ने इसके बाद संवैधानिक सुधार पहल के प्रमुख अली रियाज के साथ भी बैठक की। यूनुस इन दिनों देश में प्रमुख संस्थानों के पुनर्निर्माण और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नया स्वरूप देने के उद्देश्य से व्यापक सुधार एजेंडे का नेतृत्व कर रहे हैं।

छह प्रमुख सुधार आयोग सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप चुके हैं। इस पर राष्ट्रीय सहमति के लिए राजनीतिक दलों के साथ चर्चा की जा रही है।

नेपाल में राजशाही के लिए सड़कों पर क्यों हो रहे उग्र प्रदर्शन

नेपाल की राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने फिर प्रदर्शन किया। आरपीपी राजशाही की बहाली और पुलिस हिरासत में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही है। इससे पहले काठमांडू के तिनकुने इलाके में 28 मार्च को राजशाही समर्थक प्रदर्शन उग्र हो गया था। सुरक्षाकर्मियों और राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पों में दो लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना के सिलसिले में कई नेताओं और राजशाही समर्थकों को गिरफ्तार किया है। नेपाल में राजशाही को फिर से स्थापित करने के मिशन के साथ गठित संयुक्त जन आंदोलन के समन्वयक नबराज सुबेदी को घर में नजरबंद कर दिया गया है।

हजारों लोगों की मौत के बाद अब गाजा के बड़े इलाकों को अपने कब्जे में ले रहा इजराइल

येरूशलम,10 अप्रैल (एजेंसियां) । इस्राइल ने गाजा में शिजाय्याह इलाके में एक रिहायशी ब्लॉक पर जोरदार हमला किया। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि मारे गए लोगों में आठ महिलाएं और आठ बच्चे भी शामिल है। हमले को लेकर इस्राइली सेना ने कहा कि यह हमला हमास के बड़े नेता को निशाना बनाते हुए किया गया, जो शिजाय्याह से हमले कर रहा था। गाजा की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि अभी भी लोग मलबे में फंसे हुए हैं। हमास ने इस्राइली हमलों की निंदा की है ।इसमें 23 लोगों की मौत हो गई। वहीं इस्राइली रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने कहा कि हमारे सैनिक गाजा के बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर रहे हैं।

राफा और खान यूनिस के बीच मोराग कॉरिडोर के दौरे के दौरान काट्ज ने कहा कि बड़े क्षेत्रों पर कब्जा किया जा रहा है और उन्हें इस्राइल के सुरक्षा क्षेत्रों में जोड़ा जा रहा है, जिससे गाजा छोटा और अधिक अलग-थलग हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक बंधकों को मुक्त नहीं कर दिया जाता, तब तक इस्राइल गाजा पर दबाव बढ़ाता रहेगा। हम हमास को पराजित करके ही मानेंगे। उन्होंने कहा कि इस्राइल स्वैच्छिक प्रवासन की योजना को प्रोत्साहित कर रहा है। हम इस पर काम कर रहे हैं।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस्राइल की तरफ से हुए हमलों ने 50 हजार से अधिक फलस्तीनियों की जान ले ली, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि इनमें कितने आम नागरिक और लड़ाके शामिल हैं। इस्राइल ने बिना किसी सबूत के बताया कि उसने हमास के करीब 20 हजार लड़ाकों का खात्मा किया है।

इस्राइल पिछले महीने हुए शांति समझौते को तोड़ दिया है। वह बचे हुए 24 बंधकों की रिहाई की मांग कर रहा है साथ ही हमास को हथियार डालने के लिए सैन्य दबाव बना रहा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि मांग पूरी होने के बाद वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव को लागू करेंगे, जिसमें गाजा की अधिकतर आबादी को दूसरे देशों में बसाया जाएगा।

ट्रंप प्रशासन ने एफबीआई निदेशक काश पटेल की एटीएफ से छुट्टी की

वाशिंगटन,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एफबीआई निदेशक काश पटेल को अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो (एटीएफ) के कार्यवाहक निदेशक के पद से हटा दिया है। उनकी जगह सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल को नियुक्त किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि पटेल को एटीएफ के कार्यवाहक प्रमुख के पद से कब हटाया गया। बुधवार तक, पटेल की तस्वीर और पद को एटीएफ की वेबसाइट से नहीं हटाया गया।

अमेरिका की प्रमुख न्यूज वेबसाइट द हिल की खबर में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई। एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि ड्रिस्कॉलको एटीएफ का नया कार्यवाहक निदेशक नियुक्त किया गया है। वह सेना के सचिव बने रहेंगे। उल्लेखनीय है कि फरवरी के अंत में पटेल को न्याय विभाग (डीओजे) के भीतर एक घरेलू कानून प्रवर्तन एजेंसी एटीएफ के कार्यवाहक निदेशक के रूप में नामित किया गया था। एफबीआई की कमान संभालने के तुरंत बाद उन्हें शपथ दिलाई गई थी। इस बदलाव पर एफबीआई ने किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

एटीएफ विस्फोटक, आग्नेयास्त्रों और आगजनी के साथ-साथ तंबाकू और शराब की अवैध तस्करी से जुड़े संघीय अपराधों की जांच करता है और उन्हें रोकने का प्रयास करता है। पिछले महीने, 14 डेमोक्रेट्स के एक समूह ने चार मार्च को लिखे एक पत्र में ट्रंप से पटेल को एटीएफ के कार्यवाहक निदेशक के पद से हटाने का आह्वान किया था। सांसदों, हाउस गन वायलेंस प्रिवेंशन टास्क फोर्स के सदस्यों ने कहा कि यह अविश्वसनीय है कि अपराध से लड़ने, सामूहिक गोलीबारी का जवाब देने या घरेलू आतंकवाद का सामना करने का अनुभव न रखने वाले किसी व्यक्ति को एटीएफ के कार्यवाहक निदेशक के रूप में नामित किया गया है। एटीएफ के पिछले निदेशक स्टीव डेटलबैक ने जनवरी में इस्तीफा दिया था। डेटलबैक 2015 के बाद से एजेंसी के पहले स्थायी प्रमुख थे। ड्रिस्कॉल को पिछले साल दिसंबर में ट्रंप ने सेना का नेतृत्व करने के लिए चुना था। फरवरी के अंत में उनकी सेना सचिव के रूप में पुष्टि की गई थी। ड्रिस्कॉल ने साढ़े तीन साल तक सेना में सेवा की। 2009 में उन्हें इराक में तैनात किया गया था। ड्रिस्कॉल ने येल लॉ स्कूल में पढ़ाई की। यहीं उनकी मुलाकात उपराष्ट्रपति वेंस से हुई थे। महत्वपूर्ण यह है कि पिछले तीन माह में ट्रंप नौ से ज्यादा सैन्य अधिकारियों की छुट्टी कर चुके हैं। काश पटेल को पद से ऐसे समय में हटाया गया है. जब अमेरिकी न्याय विभाग ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन और अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो संभावित विलय पर विचार कर रहा है। दोनों का विलय खर्चा कम करने के लिए किया जा सकता है। ऐसे में पटेल की छुट्टी कई तरह के सवाल खड़े कर रही है। काश पटेल का पूरा नाम कश्यप प्रमोद पटेल है। काश पटेल का परिवार मूल रूप से वडोदरा का रहने वाला है। काश के माता-पिता युगांडा में रहते थे। 1970 के दशक में वो अमेरिका आए। काश का जन्म गार्डन सिटी, न्यूयॉर्क में हुआ है। उनके पास पेस यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री है। नौ साल तक वकील के रूप में प्रैक्टिस करने के बाद वे अमेरिकी न्याय विभाग में शामिल हुए। साल 2017 में उन्हें इंटेलिजेंस पर हाउस पार्लियामेंट्री सेलेक्ट कमेटी का सदस्य बनाया गया। काश पटेल रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े रहे हैं और उन्हें ट्रंप का करीबी माना जाता है।

उधमपुर में आतंकियों से फिर शुरू हुई मुठभेड़

स्थानीय व्यक्ति के घर में घुस कर खाना खाया

जम्मू, 10 अप्रैल (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी फिर से शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले के जोफ्फर इलाके में आज सुबह सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच फिर से गोलीबारी शुरू हो गई। मुठभेड़ बुधवार को शुरू हुई थी।

संयुक्त बलों ने रात के दौरान मुठभेड़ स्थल के चारों ओर घेराबंदी मजबूत कर दी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी अंधेरे की आड़ में भागने में सफल न हो सकें। रिपोर्टों में कहा गया है कि एक स्थानीय व्यक्ति ने सुरक्षा बलों को पुष्टि की कि बुधवार रात करीब 8 बजे काले कपड़े पहने तीन आतंकवादी उसके घर में घुसे और रात करीब 11.30 बजे चले गए जब सुरक्षा बलों ने उनके खिलाफ अभियान शुरू किया। बाद में संयुक्त बलों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई और जोफ्फर में आतंकवादी रामनगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। अधिकारियों ने कहा कि जैसे ही

पुलिस और सुरक्षा बलों की टीमें आगे बढ़ीं, आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जो अभी भी जारी है।

इससे पहले जैश के आतंकवादी बुधवार रात को एक स्थानीय निवासी के घर में घुस गए और करीब साढ़े तीन घंटे तक रहे, उस समय जब सुरक्षा बलों द्वारा रामनगर के नजदीकी इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा था, जहां कल शाम मुठभेड़ हुई थी। घर के मालिक, बसंतगढ़ के स्थानीय निवासी रशपाल ने कहा कि वे रात 8 बजे हमारे घर आए और रात 11.30 बजे चले गए। घर पर हम चार लोग थे। आतंकवादी तीन की संख्या में थे, काले कपड़े पहने हुए थे और हथियारों से लैस थे। एक के पास एक साधारण हथियार था, जबकि दूसरे के पास एक अत्याधुनिक बंदूक थी, जिसमें एक टेलीस्कोप लगा था।

प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, आतंकवादी युवा थे और उनकी उम्र 20 के मध्य में थी। वे उर्दू बोलते थे और स्थानीय डोगरी भाषा को धाराप्रवाह समझते थे। रशपाल के अनुसार, उन्होंने उसके फोन का उपयोग करके एक व्हाट्सएप आडियो काल किया, जिसमें एक अज्ञात भाषा में बातचीत हुई। कॉल के बाद, उन्होंने डिवाइस जब्त कर लिया लेकिन सिम कार्ड वापस कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कुछ खाना खाया और बाकी को अपने साथ ले गए। उन्होंने हमसे सभी दिशाओं में अलग-अलग रास्तों के बारे में पूछा, मेरी पतलून, बैग और छाता ले लिया और हमें किसी को न बताने के लिए कहा। पहले तो मुझे लगा कि वे सेना के जवान हैं, लेकिन उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे आतंकवादी हैं। यह घर हाल में ही हुई मुठभेड़ की जगह से 15-20 किलोमीटर की पैदल दूरी पर स्थित है। यह स्पष्ट नहीं है कि यह समूह रामनगर के समूह जैसा ही था या कोई और। सुरक्षा बलों ने तब से बसंतगढ़ और उसके आसपास गहन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

जम्मू कश्मीर में जल विद्युत उत्पादन में 44 प्रतिशत की वृद्धि पर बावजूद इसके कटौती जारी

जम्मू, 10 अप्रैल (ब्यूरो)। लगातार बारिश और मौसम में सुधार के साथ, जम्मू और कश्मीर में जल विद्युत उत्पादन में एक महीने में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे पहले, जम्मू और कश्मीर विद्युत विकास विभाग को जल स्तर कम होने के कारण बिजली उत्पादन में 84.17 प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ रहा था और केवल 16 प्रतिशत ऊर्जा का उत्पादन हो रहा था। इसके बावजूद बिजली विभाग बढ़ती गर्मी में भी जबरदस्त बिजली कटौती कर लोगों को रुला रहा है।

जम्मू और कश्मीर विद्युत विकास निगम (जेकेएसपीडीसी) ने स्थानीय संयंत्रों से 721 मेगावाट (मेगावाट) का पीक जल विद्युत उत्पादन दर्ज किया। अधिकारी कहते हैं कि कश्मीर क्षेत्र के बिजली संयंत्रों से, विभाग वर्तमान में 110 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने में सक्षम है और जम्मू में बिजली संयंत्रों के मामले में, पीक उत्पादन 611 मेगावाट है। जल स्तर और मौसम में सुधार को ध्यान में रखते हुए विभाग आने वाले हफ्तों में अधिक बिजली उत्पादन करने की संभावना है।

बिजली विभाग के अधिकारी कहते हैं, फिलहाल हम 1197.4 मेगावाट की कुल उत्पादन क्षमता के मुकाबले 60 प्रतिशत से अधिक बिजली का उत्पादन करने में सक्षम हैं।

गौरतलब है कि फरवरी के तीसरे सप्ताह तक अधिकारी कहते थे कि जम्मू-कश्मीर पनबिजली उत्पादन में भारी कमी के बीच 85 प्रतिशत से अधिक कोयले और सौर ऊर्जा पर निर्भर है। पीडीडी विभाग के अधिकारियों ने दावा किया था कि स्थानीय बिजली संयंत्रों से स्थानीय पनबिजली उत्पादन में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है। फिलहाल जम्मू-कश्मीर 85-90 प्रतिशत कोयले और सौर ऊर्जा पर निर्भर है, जिसे अन्य राज्यों से खरीदा जा रहा है, क्योंकि अभी हमारे पास स्थानीय बिजली उत्पादन नहीं है। सर्दियों में जम्मू-कश्मीर के बिजली संयंत्रों का स्थानीय पनबिजली उत्पादन लगभग 90 प्रतिशत कम हो गया है और अपेक्षित बिजली की मांग को पूरा करने के लिए बाहरी राज्यों से खरीदी जाने वाली बिजली की आधार उपलब्धता की आवश्यकता है। ऊर्जा कोयला आधारित ऊर्जा है। इसके बावजूद प्रदेश में बिजली कटोती जारी है। जम्मू विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेपीडीसीएल) ने रखरखाव और सिस्टम अपग्रेडेशन कार्यों के कारण जम्मू संभाग के कई क्षेत्रों में अनुसूचित विद्युत कटौती की घोषणा की है।

ट्यूलिप गार्डन ने 15 दिन में तोड़ा पिछला रिकॉर्ड

जम्मू, 10 अप्रैल (ब्यूरो)। श्रीनगर में इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन ने पर्यटन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए मात्र 15 दिनों में 4.46 लाख पर्यटकों का आंकड़ा पार करके पिछले सभी रिकार्ड तोड़ दिए हैं।

फ्लोरीकल्चर, गार्डन और पार्क विभाग ने एक बयान में कहा कि इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन, श्रीनगर ने चल रहे ट्यूलिप शो 2025 के मात्र 15 दिनों के भीतर पिछले साल के 4,46,154 टूरिस्टों के रिकार्ड को पार कर लिया है।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि एशिया

के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन के लिए एक और नई उपलब्धि है, जिसमें वर्तमान में 74 जीवंत किस्मों के 1.7 मिलियन ट्यूलिप बल्ब हैं। शो के कई दिन शेष रहने के साथ, गार्डन अभूतपूर्व पर्यटक उपस्थिति हासिल करने की राह पर है। पर्यटकों की संख्या में यह वृद्धि उद्यान के बढ़ते वैश्विक आकर्षण तथा पर्यटन को बढ़ावा देने और जम्मू एवं कश्मीर के प्राकृतिक वैभव को प्रदर्शित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है।

एलओसी पर तनाव कम करने का प्रयास

पुंछ में हुई ब्रिगेड स्तर की फ्लैग मीटिंग

जम्मू, 10 अप्रैल (ब्यूरो)। नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर हाल के तनाव को कम करने के लिए, भारतीय और पाकिस्तानी सेना के बीच आज जम्मू संभाग के पुंछ सेक्टर के चक्कां दा बाग इलाके में ब्रिगेड कमांडर लेवल की फ्लैग मीटिंग हुई जिसमें भारतीय पक्ष ने हाल की सीजफायर उल्लंघन की घटनाओं पर जबरदस्त विरोध प्रकट किया।

यह बैठक पाकिस्तान के बार-बार अनुरोध के बाद हुई। इसमें सीमा संबंधी चिंताओं और हाल ही में संघर्ष विराम उल्लंघन पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक का मुख्य एजेंडा हाल ही में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा घुसपैठ

के प्रयासों के इर्द-गिर्द था। रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि गुरुवार की बैठक नियंत्रण रेखा पर नियमित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी। भारतीय सेना के अधिकारियों ने पाकिस्तानी समकक्षों के सामने घुसपैठ के प्रयासों, संघर्ष विराम उल्लंघन और आईईडी विस्फोटों का मुद्दा भी उठाया और अपना विरोध दर्ज कराया।

2 अप्रैल को चक्कां-दा-बाग क्रॉसिंग पॉइंट क्षेत्र में 75 मिनट तक चलने वाली ब्रिगेड कमांडर-स्तरीय फ्लैग मीटिंग हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों ने सीमाओं पर शांति बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला था।

1 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर एक बारूदी सुरंग में विस्फोट होने के बाद पाकिस्तानी सैनिकों ने बिना उकसावे के गोलीबारी करके संघर्ष विराम का उल्लंघन किया।

फिर 13 फरवरी को पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर भारतीय चौकियों पर बिना उकसावे के गोलीबारी करके संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। कृष्णा घाटी सेक्टर में पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम का उल्लंघन ऐसे समय में किया गया, जब एक दिन पहले 11 फरवरी को जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के निकट संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा किए गए एक आईईडी विस्फोट में एक कैप्टन सहित दो भारतीय सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे।

इन घटनाओं में भारतीय क्षेत्र में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाने और निगरानी कैमरे लगाने के प्रयास शामिल हैं - ये ऐसे प्रयास हैं जिन्हें भारत के सतर्क घुसपैठ विरोधी ग्रिड द्वारा प्रभावी रूप से विफल कर दिया गया। भारतीय सेना ने इन कार्रवाइयों पर कड़ी आपत्ति जताई।

किसानों से खरीदे गए गेहूं को गोदामों में रखने का निर्देश

27388 किसानों से 1.43709 लाख मीट्रिक टन गेहूं की हुई खरीद

लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। अचानक बदले मौसम के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से खरीदे जा रहे गेहूं को गोदामों में रखने का सख्त निर्देश जारी किया है।

आंकड़े बताते हैं कि 10 अप्रैल तक गेहूं खरीद के लिए 3,67,875 किसानों ने पंजीकरण करा लिया थी। 5784 क्रय केंद्रों के माध्यम से गेहूं खरीद हो रही है। 27388 किसानों से 1.43709 लाख मीट्रिक टन गेहूं की सरकारी खरीद भी हो चुकी है। आलम यह है कि दो दिन में लगभग 11 हजार से अधिक

किसानों ने सरकारी बिक्री के लिए पंजीकरण कराया। 8 अप्रैल तक जहां 20,409 किसानों से गेहूं क्रय किया गया था, वहीं 10 अप्रैल तक बिक्री करने वालों किसानों की संख्या बढ़कर 27388 से अधिक हो गई है। यानी दो दिन में लगभग सात हजार से अधिक किसानों ने सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं की बिक्री की। 8 अप्रैल तक 3.56 लाख किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण कराया था, जो 10 अप्रैल तक बढ़कर 3.67 लाख हो गई है।

गेहूं की अच्छी खरीद हो, इसके लिए कटाई के पहले से ही गांव गांव जाकर किसानों से संपर्क साधा गया और उन्हें सरकारी क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए प्रेरित किया गया। खाद्य व रसद विभाग पहली बार मोबाइल क्रय केंद्रों के माध्यम से किसान के खेत तक पहुँचा। एक तरफ कटाई चल रही है तो वहीं दूसरी तरफ मौके पर ही गेहूं तौला जा रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर अवकाश के दिनों में भी क्रय केंद्र खुल रहे हैं, जिससे गेहूं बेचना अन्नदाता किसानों के लिए काफी आसान हो गया है। गुरुवार को महावीर जयंती के अवकाश पर भी खाद्य व रसद विभाग के अधिकारी गांव-गांव पहुंचे और किसानों से संपर्क स्थापित किया।

गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 2425 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है, जिसका भुगतान 48 घंटे के अंदर किसानों को किया जा रहा है। यही नहीं, गेहूं की उतराई, छनाई व सफाई के मद में 20 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भी किसानों को प्रतिपूर्ति की जा रही है। योगी सरकार ने व्यवस्था की कि पंजीकृत किसान बिना सत्यापन 100 क्विंटल तक गेहूं बेच सकते हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर क्रय केंद्रों पर बैठने, शुद्ध पेयजल आदि की भी समुचित व्यवस्था की गई है। वहीं किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान भी कराया जा रहा है। योगी सरकार के 8 वर्ष में किसानों को सीधे एमएसपी का लाभ दिया गया, जबकि सपा शासन में बिचौलियों का राज स्थापित रहा। योगी शासन के 8 वर्ष में लगभग 50 लाख किसानों को गेहूं बिक्री के लिए 43424.44 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया, जबकि सपा शासन के पांच वर्ष में महज 19,02,098 किसानों को 12808.67 करोड़ रुपए ही भुगतान किया गया।

24.98 करोड़ से होगा ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण

प्रदेश सरकार ने 10 प्रमुख परियोजनाओं को दी मंजूरी

लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोने और संरक्षित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए 10 महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण एवं वृहद अनुरक्षण कार्यों की पहल की है। ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए हाल ही में संस्कृति विभाग ने 24.98 करोड़ रुपए (2498.79 लाख रुपए) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों के लिए उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को कार्यदायी संस्था के रूप में नामित किया गया है।

प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा स्वीकृत इन परियोजनाओं से ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण तो होगा ही साथ ही इन स्थलों के विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। इससे प्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं का विस्तार होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि झांसी जनपद में ठकुरपुरा की गढ़ी के वृहद अनुरक्षण हेतु 498.96 लाख और डिमरौनी की गढ़ी के लिए 353.69 लाख रुपए मंजूर हुए हैं। इसी तरह ललितपुर जनपद में लक्ष्मणगढ़ मंदिर, पिपराई के लिए 56.54 लाख रुपए, रणछोर मंदिर, धोजारी के लिए 29.14 लाख रुपए, मर्दन सिंह की बैठक हेतु 145.57 लाख रुपए और स्थलीय संग्रहालय ललितपुर के नवीनीकरण के लिए 496.74 लाख रुपए मंजूर हुए हैं। महोबा जनपद में स्थलीय संग्रहालय के पुनरुद्धार के लिए 496.74 लाख रुपए मंजूर हुए हैं। लखनऊ जनपद में बड़ा शिवाला (श्री सिद्धनाथ मंदिर) के अनुरक्षण के लिए 90.70 लाख रुपए, शामली जनपद में प्राचीन गुम्बद, बन्तीखेड़ा के संरक्षण के लिए 170.02 लाख रुपए और फिरोजाबाद जनपद में चंद्रवाड़ का किला के वृहद अनुरक्षण कार्य के लिए 160.69 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है।

शातिर चोर निकला एमटेक-एमबीए पास इंजीनियर

मथुरा, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। एमटेक मैकेनिकल और एमबीए करने के बाद कोविड के दौरान नौकरी छूट गई तो इंजीनियरल युवक ने अपराध का रास्ता चुन लिया। ट्रेन की जनरल टिकट लेकर सफर करता। पूरी ट्रेन की रेकी करता और अकेले सफर करने वाले यात्री को अपना शिकार बनाता। जिस कोच में यात्री अकेला मिल जाता, उसी कोच में तैनात टीटीई को जुर्माना देकर सीट बुक करा लेता। रात में सोते समय यात्री का सामान चोरी कर अगले स्टेशन पर उतर जाता था।

राजकीय रेलवे पुलिस एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के जिला दुर्ग थाना कोतवाली का मूल निवासी फरहान तासीर खान पुत्र अंजुम तासीर को जीआरपी ने ओड़ीशा से गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को संबंधित कोर्ट में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर उसे नौ अप्रैल को मथुरा लाया

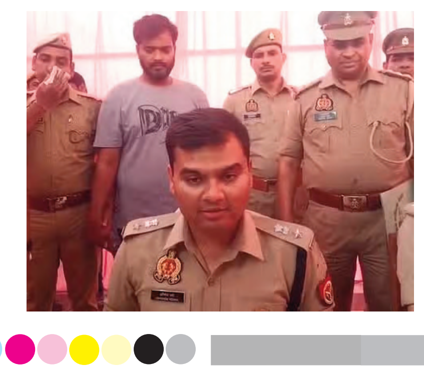

गया। उसके पास से चोरी के 50 हजार रुपए बरामद हुए हैं। शेष चोरी की रकम उसने अपने दोस्त मुरादाबाद जेल में साथ निरुद्ध रहे आशू को दे दी।

एसपी ने बताया कि 9 फरवरी को फरहान नई दिल्ली से आगरा के लिए पंजाब मेल के जनरल टिकट पर ट्रेन में सवार हुआ। टीटीई को 500 रुपए देकर उसने बिना रिजर्वेशन के एसी कोच में सीट ले ली। ट्रेन के एसी कोच में दिल्ली के डॉ. राजकुमार सोते दिखे। मौका पाकर फरहान ने उनका आईफोन मोबाइल, घड़ी और पर्स चुरा लिया। पर्स में उसे एटीएम कार्ड, विजिटिंग कार्ड मिला, जिस पर ईमेल आईडी लिखी थी। इससे उसने एटीएम कार्ड का पिन हासिल कर लिया। उसने एटीएम से 10-10 हजार कर एक लाख रुपए निकाल लिए। डॉक्टर के खाते में 25 लाख रुपए थे, लेकिन डॉक्टर के खाते से एक दिन में एक लाख रुपए ट्रांसफर होने की लिमिट थी। इस लिए चोर एक लाख ही निकाल सका। एसपी ने बताया कि मुरादाबाद जीआरपी में वर्ष 2023 में फरहान खान एवं उसके दोस्त आशू के खिलाफ इसी तरह का मामला दर्ज है। इस मामले में दोनों मुरादाबाद जेल में 13 महीने निरुद्ध रहे थे। जेल से छूटने के दो दिन बाद ही फरहान ने इस वारदात को अंजाम दिया था। शेष रकम की बरामदगी के लिए पुलिस टीम उसके साथी आशू की तलाश में जुटी है।

फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहद प्रतिभाशाली लोगों को नहीं मिलते समान अवसर : ईशा मालवीय

टीवी एक्ट्रेस ईशा मालवीय ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई है कि कई बेहद प्रतिभाशाली लोगों को बराबर के अवसर नहीं मिलते। साल 2021 में रिलीज हुए टेलीविजन शो उड़ारियां से एक्टिंग की शुरुआत करने वालीं ईशा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, एक चीज जो मुझे हमेशा हैरान करती है और अब भी करती है, वह यह है कि कितने प्रतिभाशाली लोगों को बराबर के अवसर नहीं मिलते। मैं यह नहीं कह रही कि भाई-भतीजावाद पूरी तरह से गलत है, लेकिन मुझे लगता है कि बाहरी लोगों को कम से कम अपनी काबिलियत साबित करने के लिए एक निष्पक्ष मौका तो मिलना चाहिए।

अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि इंडस्ट्री को असली प्रतिभा पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, उन्हें स्टार किड्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने दें और दर्शकों को फैसला करने दें कि कौन वास्तव में चमकने का हकदार है। इंडस्ट्री को किसी की पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना असली प्रतिभा पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए और बॉलीवुड का भविष्य योग्यता से तय होना चाहिए।

उड़ारियां में जैस्मिन का किरदार निभाने के बाद ईशा ने साल 2023 में विवादित रियलिटी शो बिग बॉस के 17वें संस्करण में हिस्सा लिया था। वह पांव की जूती जैसे म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं। इसके अलावा, उन्होंने गौहर खान के साथ शो लवली लोला में भी काम किया।

क्या उन्हें अपने से पूरी तरह अलग किरदार निभाना ज्यादा मुश्किल लगता है या ऐसा किरदार जो उनके व्यक्तित्व से मिलता-जुलता हो? इसके जवाब में ईशा ने कहा, यह मुझे एक अलग तरह की खुशी देता है और मेरे आत्मविश्वास को बहुत बढ़ाता है। इससे मुझे गर्व महसूस होता है कि मैं एक बहुमुखी अभिनेत्री हूं, जो किसी भी तरह का किरदार निभा सकती हूं। ईमानदारी से कहूं तो किसी भी किरदार को निभाते समय मुझे कभी कोई हिचकिचाहट नहीं हुई, यह मेरे दिमाग में कभी नहीं आया।

एक्ट्रेस ने अपनी कमजोरी के बारे में बात की और कहा, मेरी कमजोरी निश्चित रूप से ढेर सारी मिठाइयां खाना है। हालांकि, मुझे शायद ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि मुझे अपनी फिटनेस का ध्यान रखना पड़ता है, लेकिन कभी-कभार ऐसा करना ठीक है। जब उनसे पूछा गया कि अगर उनकी जिंदगी पर फिल्म बने, तो उसका नाम क्या होगा। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरी जिंदगी पर कोई फिल्म बनी, तो उसका नाम जरूर 'ये लड़की पागल है' होगा।

सैफ अली खान ने ज्वेल थीफ द हाइस्ट बिगिन्स के नए गाने जादू में मचाया धमाल

मार्फ्लिक्स पिक्चर्स और निर्माता सिद्धार्थ और ममता आनंद अपनी नेटफ्लिक्स रिलीज़ 'ज्वेल थीफ - द हाइस्ट बिगिन्स' के साथ डिजिटल स्पेस में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं! जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, यह निर्माता जोड़ी की पहली हाइस्ट जॉनर फिल्म है, जिससे यह एक बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट बनाती है। फरवरी 2025 में रिलीज़ होने वाले इस फ़िल्म के ट्रेलर में सैफ़ अली खान और जयदीप अहलावत 'रेड सन' हीरे के लिए भागते हुए नज़र आ रहे हैं। इस पूरी डकैती की कहानी में इन दोनों सितारों के साथ निकिता दत्ता और कुणाल के कपूर भी शामिल होंगे। निर्माताओं ने हाल ही में सैफ़ अली खान का एक पोस्टर रिलीज़ किया है, जिसमें उनके तेज़ चेहरे को उस 'रेड सन' गहने की छाया से फ्रेम किया गया था, जिसे उनका किरदार चुराता है। प्रोजेक्ट की रिलीज़ की तारीख़ नज़दीक आने के साथ, निर्माताओं ने फ़िल्म का पहला गाना रिलीज़ कर दिया। 'जादू' नाम के इस गाने में सैफ़ अली खान, निकिता दत्ता, जयदीप अहलावत और कुणाल के कपूर की पूरी कास्ट नज़र आ रही है, जो डकैती की इस थ्रिलर को गति प्रदान करती है। किरदारों को एक-एक करके पेश किया जाता है, जैसे वे एक आकर्षक धुन पर थिरकते हुए दिखते हैं, जो आपको वीडियो देखने के बाद गुनगुनाने और सीटी बजाने पर मजबूर कर देगा!

'ज्वेल थीफ' के इर्द-गिर्द की दिलचस्पी तब से बढ़ गई है जब से फिल्म का ऐलान किया गया था। मुंबई, बुडापेस्ट और इस्तांबुल में फिल्मांकन हुआ है, जहां टीम और अभिनेता ने विस्तृत हाई-ऑक्टेन सीक्वेंसेज़ के लिए शूट किया है, और सिद्धार्थ और उनकी पत्नी ममता आनंद के संयुक्त उद्यम से इस फिल्म से उम्मीदें पहले ही बहुत अधिक हैं! एक और वजह से जिससे 'ज्वेल थीफ' एक बहुप्रतीक्षित फिल्म है, वह यह है कि यह दर्शकों को 'एक थिएटर जैसी अनुभव' देने का वादा करती है, लेकिन जढढ प्लेटफॉर्म पर, एक ऐसा कदम जो शायद ही कभी प्रोजेक्ट्स ने दिया हो। सिद्धार्थ और ममता आनंद के प्रोडक्शन हाउस मारफ्लिक्स पिक्चर्स द्वारा निर्मित और कूकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित, 'ज्वेल थीफ' 25 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी। अपने हाइस्ट फिल्म की रिलीज़ के बाद, सिद्धार्थ जल्द ही अपने अगले प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करेंगे, जिसका नाम है - 'द किंग' जिसमें शाहरुख खान, सुहाना खान और अभिषेक बच्चन होंगे।

भोजपुरी अदाकारा नेहा मलिक ने ब्लैक साड़ी में ढाया कहर

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस और सोशल मीडिया सेंसेशन नेहा मलिक अपनी स्टाइलिश तस्वीरों से हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ब्लैक साड़ी में कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में नेहा मलिक अपनी दिलकश अदाओं और परफेक्ट पोज़ के साथ फैंस के दिलों पर छा गई हैं।ब्लैक साड़ी के साथ उन्होंने गोल्डन ज्वेलरी पहनी है, जो उनके लुक को और भी एलिगेंट बना रही है। नेहा ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, मेरी काली साड़ी शब्दों से ज़्यादा बोलती है । नेहा की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। किसी ने उनकी अदाओं की तारीफ की, तो किसी ने उनकी खूबसूरती को कहर बताया। एक यूजर ने कमेंट किया, सौंदर्य सौंदर्य सौंदर्य , तो वहीं दूसरे फैन ने लिखा, मुझे यह पोशाक बहुत पसंद है, बहुत सुंदर है!।नेहा मलिक अपने बोल्ड और स्टाइलिश लुक के लिए जानी जाती हैं। उनकी तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं और फैंस उन्हें खूब पसंद करते हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है, और हर पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आते हैं।

22 साल बाद अभिनय की दुनिया में लौट रहीं राखी गुलजार

बंगाली फिल्म अमर बॉस में आएंगी नजर

दिग्गज अभिनेत्री राखी गुलजार इन दिनों खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों ना, वह लगभग 22 साल बाद अभिनय की दुनिया में जो लौट रही हैं।वह जल्द ही बंगाली फिल्म अमर बॉस में नजर आएंगी। फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। हमेशा की तरह राखी की अदाकारी की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है।अमर बॉस को 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। राखी इस फिल्म में शिबोप्रसाद मुखर्जी, श्राबंती चटर्जी, सौरसेनी मैत्र, गौरव चटर्जी और शाबित्री चटर्जी जैसे अन्य कलाकार के साथ नजर आएंगी।बता दें कि राखी ने 1967 में बंगाली फिल्म बदहू बरण के जरिए अपने अभिनय करियर की शुरुआत की।

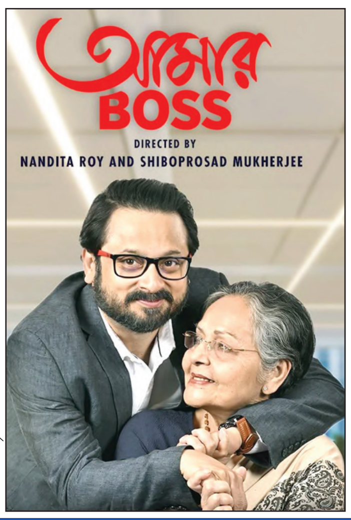

श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर अभिनीत हॉरर कॉमेडी कपकपी 23 मई को सिनेमाघरों में!

दिवंगत फिल्म निर्माता संगीथ सिवन द्वारा निर्देशित कपकपी में सोनिया राठी, सिद्धि इदनानी, जय ठक्कर, वरुण पांडे, धीरेंद्र तिवारी, दिनकर शर्मा और अभिषेक कुमार भी हैं। फिल्म का निर्माण जयेश पटेल और उमेश कुमार बंसल ने ब्रावो एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है और इसे ज़ी स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है। पटकथा सौरभ आनंद और कुमार प्रियदर्शी द्वारा लिखी गई है। निर्माता जयेश पटेल ने कहा, संगीथ जी ने हमें फिल्म का पहला कट पहले ही दे दिया था, इसलिए आप स्क्रीन पर जो देखेंगे वह पूरी तरह से उनका विजन है। और मुझे लगता है कि वह हमेशा हमारे साथ हैं, हमारा समर्थन और मार्गदर्शन करते हैं। उनके असामयिक निधन के बाद, यह सिर्फ़ एक फिल्म नहीं रह गई बल्कि यह उनके द्वारा शुरू की गई फिल्म को पूरा करने का सामूहिक वादा बन गई। कपकपी आम हॉरर-कॉमेडी नहीं है, यह जंगली, अनफ़िल्टर्ड और ऐसे किरदारों से बनी है, जो बेहद परिचित लगते हैं। यह डर के साथ उसी तरह खेलती है जैसे कोई शरारती व्यक्ति अंधेरे में टॉर्च के साथ खेलता है - कभी भी पूर्वानुमानित नहीं, हमेशा थोड़ा दुष्ट।

फिल्म के बारे में बात करते हुए अभिनेता श्रेयस तलपड़े ने कहा, जैसा कि नाम से पता चलता है, कपकपी रोंगटे खड़े करने वाली फिल्म है। वह रोंगटे खड़े करने वाली फिल्म, जो डर के पूरी तरह से हावी होने से ठीक पहले होती है। यह संगीथ सिवन सर की सबसे बेहतरीन हॉरर कॉमेडी में से एक है। मुझे उनकी बहुत याद आती है। उन्हें आज हमारे साथ होना चाहिए था ताकि वे उस फिल्म की रिलीज देख सकें, जिसके लिए वे इतने भावुक थे। वे मेरे लिए पिता समान थे, जिनमें फिल्म निर्माण की अद्भुत समझ थी।

तुषार कपूर ने भी अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, कपकपी की सेटिंग बहुत यथार्थवादी है और किरदार बेहद भरोसेमंद हैं। हॉरर तत्व एक ओ-इजा बोर्ड के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसे हिंदी सिनेमा में बहुत ज़्यादा नहीं दिखाया गया है। संगीथ जी ने अपने अभिनेताओं को स्क्रिप्ट के ढांचे के भीतर सुधार करने की आज़ादी दी, जिससे हमारे प्रदर्शन में गहराई और प्रामाणिकता आई। मेरे लिए, यह क्या कूल हैं हम के लगभग 20 साल बाद एक नॉस्टैल्जिक रीयूनियन था - एक सच्ची घर वापसी।

जाट में भयावह सोमुलु के रूप में विनीत कुमार सिंह ने नया बोल्ड लुक दिखाया!

2025 के सिर्फ चार महीने ही हुए हैं और विनीत कुमार सिंह ने फिर से धमाल मचाने आ रहे है! बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक विनीत, इस साल की अपनी तीसरी फिल्म के साथ एक और हिट लेकर आ रहे हैं - सनी देओल - रणदीप हुड्डा की एक्शन थ्रिलर 'जाट'। यह एक बड़ी फिल्म बताई जा रही इस फिल्म में विनीत गैंगस्टर रणतुंगा (रणदीप हुड्डा) के दाहिने हाथ सोमुलु के रूप में दिखाई देंगे। और जो हमने ट्रेलर में देखा है, उससे साफ है कि विनीत अब तक के सबसे खतरनाक और आकर्षक खलनायक के रूप में दर्शकों को चौंकाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनका सोमुलु का रूप दर्शकों के लिए एकदम नया और अब तक के अनदेखे अवतार में है। अब वह दिन चले गए जब विनीत अपने गंभीर और शांत भूमिकाओं के लिए जाने जाते थे। जाट में, वह एक साहसी और बड़े अवतार को अपनाते हैं - जो उतना ही आकर्षक है जितना कि खतरनाक। गंजी (वेस्ट) पहने और चमकीली शर्ट्स और मोटे चेन के साथ, सोमुलु हर कदम पर शक्ति और डर का अहसास कराते है। वास्तव में, विनीत के किरदार को निर्माताओं ने इसी तरह से पेश किया था। उन्हें एक खून से सना हुआ स्टंप लेकर एक चश्मे पर कदम रखते हुए कमरे में चलते हुए दिखाया गया था। उनके किरदार में हमला करने से पहले कोयल (कु... - व्यंग्य) की एक विशिष्ट आवाज़ भी है, जो सोमुलु को और भी भयानक बनाता है। सोमुलु में विनीत का रूपांतरण ध्यान आकर्षित करता है - उसकी कोयल की आवाज़ से लेकर उसके तीखे, कठोर रवैये तक, जो उसे एक गैंगस्टर बनाता है।

जाट की हाई-ऑक्टेन दुनिया में, विनीत का सोमुलु एक जटिल किरदार है, जो एक ही समय में ख़तरनाक और आकर्षक दोनों ही तरह की परतों में लिपटा हुआ है। जैसे-जैसे फ़िल्म आगे बढ़ती है, हम उसे सनी देओल के जाट से भिड़ते हुए देखते हैं, एक ऐसी कहानी में जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखने के लिए बाध्य करती है। चाहे वह उसकी दृढ़ आँखें हों या उसका बेबाक गैंगस्टर व्यक्तित्व, विनीत ने इस प्रदर्शन के साथ वास्तव में खुद को पीछे छोड़ दिया है।

10 अप्रैल को आने में कुछ घंटे बाकी है, उल्टी गिनती समाप्त हो गई है, और प्रशंसकों को आखिरकार विनीत के करियर में इस नाटकीय बदलाव को देखने का मौका मिलेगा, जब वह 'जाट' की दुनिया में कदम रखेंगे, जहाँ एक्शन बहुत ज़्यादा है और दांव बहुत ज़्यादा हैं। एक बात तो तय है: सोमुलु के रूप में विनीत कुमार सिंह का चित्रण अविस्मरणीय होगा, जिससे दर्शक स्क्रीन पर उनके अगले बड़ी फिल्म का बेसब्री से इंतजार करेंगे।

कल से वैशाख माह प्रारम्भ

इन चीजों के दान से धन लाभ के बनेंगे योग

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा का त्योहार 12 अप्रैल को मनाया जाएगा। इसके अगले दिन से वैशाख माह की शुरुआत होगी। इस माह में भगवान विष्णु की विशेष पूजा करने के विधान है। साथ ही दान करने का अधिक महत्व है। मान्यता के अनुसार, इस माह में पवित्र नदी में स्नान और गरीब लोगों या मंदिर में दान करने से साधक को जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं। साथ ही कारोबार में वृद्धि होती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 12 अप्रैल को सुबह 05 बजकर 52 मिनट से होगी। वहीं, 14 अप्रैल को सुबह 08 बजकर 25 मिनट पर तिथि खत्म होगी। ऐसे में 13 अप्रैल से वैशाख माह की शुरुआत होगी।

करें इन चीजों का दान

वैशाख माह में भगवान विष्णु की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करें। इसके बाद श्रद्धा अनुसार अन्न, धन, वस्त्र और जल का दान करें। मान्यता के अनुसार, वैशाख के महीने में इन चीजों का दान करने से व्यक्ति को जीवन में किसी भी चीज की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है और धन लाभ के योग बनते हैं। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

ऐसे करें महादेव को प्रसन्न

वैशाख माह के महीने में भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना जाता है। इस माह में सोमवार के दिन स्नान करने के बाद महादेव का विधिपूर्वक रुद्राभिषेक करें। खीर और फल समेत आदि का भोग लगाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से साधक को महादेव की कृपा प्राप्त होती है और सभी ग्रहों से छुटकारा मिलता है।

वैशाख माह में भूलकर भी न करें ये काम

वैशाख माह भूलकर भी तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए।

किसी के बारे में गलत न सोचे और न किसी से वाद-विवाद करें।

पूजा के दौरान काले रंग के कपड़े न पहनें।

घर में गंदगी न करें, क्योंकि देवी-देवताओं का वास साफ-सफाई वाली जगह पर ही होता है।

पूजा के दौरान करें इस मंत्र का जप

शान्ताकारम् भुजगशयनम् पद्मनाभम् सुरेशम्
विश्वाधारम् गगनसदृशम् मेघवर्णम् शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तम् कमलनयनम्
योगिभिर्ध्यानगम्यम्
वन्दे विष्णुम् भवभयहरम्
सर्वलोकैकनाथम्।।

चैत्र पूर्णिमा पर लक्ष्मी नारायण जी की पूजा का है महत्व

सनातन धर्म में चैत्र महीने का खास महत्व है। इस महीने का समापन चैत्र पूर्णिमा के दिन होता है। इसके अगले दिन से वैशाख महीने की शुरुआत होगी। चैत्र पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने का विधान है। साथ ही पूर्णिमा तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा समेत पवित्र नदियों में आस्था की डुबकी लगाते हैं। साथ ही लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करते हैं। पूर्णिमा तिथि पर श्रीसत्यनारायण जी की पूजा की जाती है। साथ ही दान-पुण्य किया जाता है। इस दिन पूजा के समय लक्ष्मी नारायण जी को श्रीफल और चावल की खीर अवश्य ही अर्पित करें।

शुभ मुहूर्त – वैदिक पंचांग के अनुसार, 12 अप्रैल को देर रात 03 बजकर 21 मिनट पर चैत्र पूर्णिमा की शुरुआत होगी। वहीं, 13 अप्रैल को सुबह 05 बजकर 51 मिनट पर चैत्र पूर्णिमा समाप्त होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। अत: 12 अप्रैल के दिन चैत्र पूर्णिमा मनाई जाएगी।

चैत्र पूर्णिमा शुभ योग – ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र पूर्णिमा के शुभ अवसर पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इनमें दुर्लभ भद्रावास योग का संयोग शाम 04 बजकर 35 मिनट तक है। इसदौरान भद्रा पाताल लोक में रहेंगी। भद्रा के पाताल में रहने के दौरान पूजा-पाठ करने से सुखों में वृद्धि होती है। इसके साथ ही हस्त और चित्रा नक्षत्र का संयोग है।

पंचांग –सूर्योदय – सुबह 05 बजकर 59 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 45 मिनट पर

चन्द्रोदय– शाम 06 बजकर 18 मिनट पर

चन्द्रास्त– सुबह 05 बजकर 53 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 29 मिनट से 05 बजकर 14 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 21 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 बजकर 44 मिनट से 07 बजकर 06 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 11 बजकर 59 मिनट से 12 बजकर 44 मिनट तक

शनि की ढैय्या से मुक्ति के लिए करें ये उपाय, जीवन में होंगे चमत्कारी बदलाव

ज्योतिष शास्त्र में शनि ग्रह का विशेष महत्व है। वे न्याय और कर्मफल के देवता माने जाते हैं। शनि की दशा, चाहे वो साढ़ेसाती हो या ढैय्या, व्यक्ति के जीवन में बड़े बदलाव लेकर आती है। इस साल कुछ राशियों पर शनि की ढैय्या का प्रभाव रहेगा, जिससे उनके जीवन में कुछ परेशानियां आ सकती हैं। हालांकि ज्योतिष में इन प्रभावों को कम करने और शनि देव की कृपा प्राप्त करने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। इन उपायों को श्रद्धापूर्वक करने से जीवन में चमत्कारी बदलाव देखे जा सकते हैं।

शनि ढैय्या के प्रभाव

शनि की ढैय्या ढाई साल की अवधि होती है, जिसके दौरान शनि किसी राशि से गोचर करते हुए चौथी या आठवीं राशि पर स्थित होते हैं। इस दौरान व्यक्ति को मानसिक तनाव, आर्थिक परेशानियां, स्वास्थ्य समस्याएं और करियर में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, यह भी माना जाता है कि यदि व्यक्ति के कर्म अच्छे हों तो शनि की ढैय्या सकारात्मक परिणाम भी दे सकती है ।

शनि की ढैय्या से मुक्ति के अचूक उपाय

पूजा-पाठ – शनि देव की नियमित रूप से पूजा-अर्चना करें। शनिवार के दिन विशेष रूप से शनि मंदिर जाएं और उन्हें नीले फूल, काले तिल, तेल और काले वस्त्र अर्पित करें।

हनुमान चालीसा का पाठ – भगवान हनुमान शनि देव के प्रकोप से रक्षा करते हैं। नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करने से शनि की ढैय्या के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और साहस व शक्ति मिलती है।

पीपल वृक्ष की पूजा – शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष की जड़ में जल चढ़ाएं और सात बार परिक्रमा करें। ऐसा करने से शनि देव प्रसन्न होते हैं।

दान-पुण्य करें – जरूरतमंदों को दान करके शनि देव को आसानी से प्रसन्न किया जा सकता है। ऐसे में काले तिल, उड़द की दाल, लोहा, तेल और काले वस्त्रों आदि का दान विशेष फलदायी माना जाता है।

अच्छे कर्म करें – शनि देव कर्मफल दाता हैं। इसलिए अपने कर्मों को शुद्ध रखें। किसी को भी धोखा न दें, ईमानदारी से काम करें और दूसरों की मदद करें।

शनि मंत्र का जाप – ॐ शं शनैश्चराय नमः या ॐ नीलांजनाय विद्महे रविपुत्राय धीमहि तन्नो सौरिः प्रचोदयात आदि मंत्रों का नियमित रूप से जाप करें।

शनिवार का व्रत – शनिवार का व्रत रखने की कोशिश करें। इस दिन नमक का सेवन न करें और सात्विक भोजन ग्रहण करें।

गुस्सा करने से बचें – शनि देव को गुस्सा और घमंड पसंद नहीं हैं। इसलिए अपने स्वभाव में विनम्रता लाएं और क्रोध से बचें।

पशु-पक्षियों की सेवा – पशु-पक्षियों की सेवा करें। इससे शनि देव प्रसन्न होते हैं। खासकर काले कुत्ते को रोटी खिलाना शुभ माना जाता है।

विकट संकष्टी चतुर्थी 16 को

हर साल वैशाख माह में विकट संकष्टी चतुर्थी मनाई जाती है। यह पर्व वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान गणेश की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। साथ ही चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। ज्योतिष करियर और कारोबार में तरक्की और उन्नति पाने के लिए भगवान गणेश की पूजा करने की सलाह देते हैं। भगवान गणेश की पूजा करने से व्यापार के दाता बुध देव प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती रहती है। इसके लिए साधक श्रद्धा भाव से भगवान गणेश की पूजा करते हैं।

विकट संकष्टी चतुर्थी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 16 अप्रैल को दोपहर 01 बजकर 16 मिनट से वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चत्रुथी तिथि शुरू होगी। वहीं, 17 अप्रैल को दोपहर 03 बजकर 23 मिनट पर वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि समाप्त होगी। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 16 अप्रैल को विकट संकष्टी चतुर्थी मनाई जाएगी। साधक 16 अप्रैल के दिन विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत रख सकते हैं।

विकट संकष्टी चतुर्थी शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो विकट संकष्टी चतुर्थी पर सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का संयोग बन रहा है। अमृत सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग दिन भर है। इसके साथ ही भद्रावास योग का भी संयोग है। इस शुभ अवसर पर शिववास योग का भी संयोग है। इस दिन देवों के देव महादेव कैलाश पर विराजमान रहेंगे। इन योग में भगवान गणेश की पूजा करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। साथ ही आर्थिक तंगी दूर होगी।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 : 55 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 06 : 48 मिनट पर

चंद्रोदय– रात 10 बजे से

चंद्रास्त– सुबह 07 : 31 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 : 26 मिनट से 05 : 10 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 : 30 मिनट से 03 : 21 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 : 46 मिनट से 07 : 09 मिनट तक

निशिता मुहूर्त– रात 11 : 58 मिनट से 12 : 43 मिनट तक

अक्षय तृतीया 30 को, जानें शुभ मुहूर्त एवं योग

अक्षय तृतीया का सनातन धर्म में खास महत्व है। यह पर्व हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा एवं उपासना की जाती है। इसके साथ ही अक्षय तृतीया तिथि पर सोने की खरीदारी भी की जाती है। अक्षय तृतीया के दिन सोने या सोने से निर्मित आभूषण की खरीदारी करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

अक्षय तृतीया शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 29 अप्रैल को शाम 05 बजकर 31 मिनट पर शुरू होगी और 30 अप्रैल को दोपहर 02 बजकर 12 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। इसके लिए 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया मनाया जाएगा। इस दिन पूजा का समय सुबह 05 बजकर 41 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक है।

सोना खरीदने का समय

सोना खरीदने के लिए शुभ समय 29 अप्रैल की शाम से लेकर 30 अप्रैल को दोपहर तक है। वहीं, 30 अप्रैल को सोना खरीदारी का समय सुबह 05 बजकर 41 मिनट से लेकर दोपहर 02 बजकर 12 मिनट तक है। इस समय में मां लक्ष्मी और कुबेर देव की पूजा कर सकते हैं। मां लक्ष्मी की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

अक्षय तृतीया शुभ योग

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर शोभन योग का संयोग बन रहा है। शोभन योग दोपहर 12 बजकर 02 मिनट तक है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से धन और संपत्ति में वृद्धि होगी। साथ ही साधक पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसेगी।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 बजकर 41मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 56 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 14 मिनट से 04 बजकर 58 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 31 मिनट से 03 बजकर 24 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 बजकर 55 मिनट से 07 बजकर 16 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 40 मिनट तक

11 जुलाई से शुरू होगा सावन माह

सनातन धर्म में सावन के महीने का विशेष महत्व है। इस महीने में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही सोमवार और मंगला गौरी व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इन शुभ कामों को करने से विवाहित स्त्रियों को सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही कुंवारी लड़कियों के विवाह में आ रही बाधा दूर होती है और मनचाहा वर मिलता है। आइए जानते हैं कि कब से सावन का महीना शुरू हो रहा है और सावन सोमवारी व्रत की डेट के बारे में।

सावन 2025

पंचांग के अनुसार, इस बार सावन के महीने की शुरुआत 11 जुलाई से होगी और वहीं, इस माह का समापन अगले महीने यानी 09 अगस्त को होगा। इस बार सावन में 5 सोमवार व्रत पड़ेंगे।

सावन सोमवार व्रत 2025 डेट

11 जुलाई को सावन का पहला सोमवार व्रत

14 जुलाई को सावन का दूसरा सोमवार व्रत

21 जुलाई को सावन का तीसरा सोमवार व्रत

28 जुलाई को सावन का चौथा सोमवार व्रत

इस बार सावन में पांच सोमवार व्रत

मंगला गौरी व्रत 2025 डेट

15 जुलाई को सावन का पहला मंगला गौरी व्रत

22 जुलाई को सावन का दूसरा मंगला गौरी व्रत

29 जुलाई को सावन का तीसरा मंगला गौरी व्रत

05 अगस्त सावन का तीसरा मंगला गौरी व्रत

सावन में क्या करें

सावन माह में रोजाना शिव जी की पूजा करनी चाहिए। विशेष चीजों का दान करना चाहिए। पूजा के दौरान महादेव के मंत्रों का जप करना शुभ माना जाता है। सावन में ब्रह्मचर्य के नियम का पालन करें। इसके अलावा गरीबों को भोजन कराएं। शिवलिंग का विशेष चीजों से अभिषेक करना चाहिए।

सावन माह में करें इन मंत्रों का जप

*सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्रीशैले मल्लिकार्जुनम्।
उज्जयिन्यां महाकालं ओम्कारम् अमलेश्वरम्।।
परल्यां वैद्यनाथं च डाकिन्यां भीमशङ्करम्।
सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने।।
वाराणस्यां तु विश्वेशं त्र्यम्बकं गौतमीतटे।
हिमालये तु केदारं घुश्मेशं च शिवालये।।
एतानि ज्योतिर्लिङ्गानि सायं प्रातः पठेन्नरः।।
* ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।
* नमामिशमीशान निर्वाण रूपं विभुं व्यापकं ब्रह्म वेद स्वरूपं।।

शिव नमस्कार मंत्र

शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च।।

ईशानः सर्वविध्यानामीश्वरः सर्वभूतानां ब्रम्हाधिपतिमहिर्बम्हणोधपतिर्बम्हा शिवो मे अस्तु सदाशिवोम।।

महामृत्युंजय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

मई महीने में इतने दिन बजेगी शहनाइयां!

मई का महीना कई राशि के जातकों के लिए बेहद खास रहने वाला है। इस महीने में देवताओं के गुरु बृहस्पति देव राशि परिवर्तन करेंगे। देवगुरु बृहस्पति वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में गोचर करेंगे। वहीं, मायावी ग्रह राहु एवं केतु भी अपनी चाल बदलेंगे। राहु मीन राशि से निकलकर कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं, केतु कन्या राशि से निकलकर सिंह राशि में गोचर करेंगे।

मई माह विवाह मुहूर्त

1 मई को वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर विवाह मुहूर्त है। इस दिन मृगशिरा नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग है।

5 मई को वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि है। इस दिन मघा नक्षत्र और वृद्धि योग का संयोग है।

6 मई को वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि है। इस दिन मघा नक्षत्र और ध्रुव योग का संयोग है।

8 मई को वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि है। इस दिन उत्तराफाल्गुनी और हस्त नक्षत्र और हर्षण योग का संयोग है।

10 मई को वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि है। इस दिन स्वाति, चित्रा नक्षत्र और सिद्धि योग का संयोग है।

14 मई को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि है। इस दिन अनुराधा नक्षत्र और शिव योग का संयोग है।

15 मई को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि है। इस दिन मूल नक्षत्र और सिद्ध योग का संयोग है।

16 मई को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि है। इस दिन मूल नक्षत्र और साध्य योग का संयोग है।

17 मई को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की पंचमा तिथि है। इस दिन उत्तराषाढ़ा नक्षत्र और साध्य योग का संयोग है।

18 मई को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि है। इस दिन उत्तर भाद्रपद, रेवती नक्षत्र और शुक्ल योग का संयोग है।

23 मई को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि है। इस दिन उत्तराषाढ़ा नक्षत्र और प्रीति योग का संयोग है।

24 मई को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि है। इस दिन रेवती नक्षत्र और सौभाग्य योग का संयोग है।

27 मई को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि है। इस दिन रेवती नक्षत्र और सुकर्मा योग का संयोग है।

28 मई को ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि है। इस दिन मृगशिरा नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग है।

संपादकीय

हिंसा कैसी 'संवैधानिक'?

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सर्वोच्च अदालत 15-16 अप्रैल को सुनवाई करेगी। ऐसी 15 याचिकाएं हैं। चूंकि संसद के दोनों सदनों से वक्फ बिल पारित हो चुका है, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी हस्ताक्षर कर दिए हैं, लिहाजा अधिसूचना जारी होने के बाद वक्फ का नया कानून प्रभावी हो चुका है। संसद में आधी रात तक बहस चलती रही, सत्ता और विपक्ष के सांसदों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं और मत-विभाजन के बाद बिल पारित किया गया। इससे अधिक और कारगर लोकतांत्रिक और संवैधानिक प्रक्रिया और क्या हो सकती है? यही संसदीय प्रक्रिया सात दशकों से जारी रही है और बड़े-बड़े फैसले लिए गए हैं। बिल पारित किए जाते रहे हैं। अब विपक्ष के एक तबके ने कानून को 'असंवैधानिक' करार देते हुए उसे सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी है, तो यह हास्यास्पद और पूर्वाग्रही लगता है। अलबत्ता अदालत में जाना भी विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है। अब सर्वोच्च अदालत नए वक्फ कानून की समीक्षा करेगी और अपना फैसला सुनाएगी। इसके बावजूद देश के कुछ हिस्सों में हिंसा, मारपीट, नफरत और आगजनी के दृश्य क्यों दिख रहे हैं? जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ संशोधन कानून की प्रतियां फाड़ दी गईं, विधायकों ने जमकर हाथापाई की, सदन में हुड़दंग मचाया। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में भी वामदलों और कांग्रेस के छात्र-नेताओं ने वक्फ बिल की प्रतियां फाड़ कर चिंदी-चिंदी बिखेर दीं। उन्हें जला भी दिया। उप्र के संभल, मुजफ्फरनगर, कानपुर आदि इलाकों में जिन्होंने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया था अथवा जो 'शुक्रिया भाईजान मोदी' के नारे लगा रहे थे, बैनर लहरा रहे थे, उन्हें बुरी तरह पीटा गया। मुजफ्फरनगर में एक बूढ़े शख्स को भी नहीं बख्शा गया। मणिपुर में बिल के समर्थक का घर तक जला दिया गया। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ बिल के विरोधी पुलिस से ही भिड़ गए। खूब हिंसा हुई और पुलिस वाहन फूंक दिए गए। घटनास्थल पर बड़े-बड़े पत्थर देखे गए, जाहिर है कि पथराव भी किया गया होगा! आखिर यह कैसा लोकतंत्र और कैसी संवैधानिकता है! यदि वक्फ के नए कानून के तहत मुसलमानों का कुछ छिन सकता है, मौलिक अधिकार खंडित हो सकते हैं, तो इंसाफ की गुहार के लिए सर्वोच्च अदालत है। ऐसे चेहरे शीर्ष अदालत में कानून को चुनौती दे चुके हैं। अदालत को अपना काम करने दें और फैसले का इंतजार करें। संसद में नागरिकता संशोधन बिल भी पारित किया गया था। उस पर करीब 250 याचिकाएं अदालत में दाखिल की गईं। मामला अब भी लंबित है। 'तीन तलाक' को जब आपराधिक कानून बनाया गया, तो उसके खिलाफ भी 15 याचिकाएं दाखिल की गईं। अयोध्या के 'राम मंदिर' पर संविधान पीठ का फैसला आने के बाद भी पुनर्विचार याचिकाएं दी गईं। हालांकि उन्हें खारिज कर दिया गया। अनुच्छेद 370 पर तो कांग्रेस आज भी दावा कर रही है कि वह अब भी संविधान का हिस्सा है। सर्वोच्च अदालत उसे सर्वसम्मति से 'वैध' करार दे चुकी है, जो फैसला बहुमत से संसद ने पारित किया था। दरअसल एक विशेष तबके की फितरत ही ऐसी है कि उसे मोदी सरकार के संसदीय फैसलों का विरोध करना ही है। कमोबेश विपक्ष के कुछ चिह्नित चेहरों को संसद की गरिमा और फैसले को बरकरार रखना चाहिए था, क्योंकि ओवैसी, ए. राजा, मुहम्मद जावेद आदि लोकसभा के सदस्य हैं। वे बहुमत के फैसले के हिस्सेदार रहे हैं। फिर अदालती चुनौती महज सियासत के अलावा कुछ और नहीं है। वक्फ पर बहुत कुछ सामने आ चुका है। वक्फ बोर्ड के अधीन 9.4 लाख एकड़ जमीन में करीब 8.72 लाख संपत्तियां हैं। उप्र में ही सबसे ज्यादा 27 फीसदी संपत्तियों पर अवैध कब्जे बेनकाब हुए हैं। ऐसे ही कब्जे बंगाल-पंजाब में 9-9 फीसदी, तमिलनाडु में 8 फीसदी, कर्नाटक में 7 फीसदी, केरल में 6 फीसदी और तेलंगाना-गुजरात में 5-5 फीसदी हैं।

संसद में आधी रात तक बहस चलती रही, सत्ता और विपक्ष के सांसदों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं और मत-विभाजन के बाद बिल पारित किया गया। इससे अधिक और कारगर लोकतांत्रिक और संवैधानिक प्रक्रिया और क्या हो सकती है? यही संसदीय प्रक्रिया सात दशकों से जारी रही है और बड़े-बड़े फैसले लिए गए हैं। बिल पारित किए जाते रहे हैं। अब विपक्ष के एक तबके ने कानून को 'असंवैधानिक' करार देते हुए उसे सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी है, तो यह हास्यास्पद और पूर्वाग्रही लगता है। अलबत्ता अदालत में जाना भी विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है। अब सर्वोच्च अदालत नए वक्फ कानून की समीक्षा करेगी और अपना फैसला सुनाएगी। उसके बावजूद देश के कुछ हिस्सों में हिंसा, मारपीट, नफरत और आगजनी के दृश्य क्यों दिख रहे हैं? जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ संशोधन कानून की प्रतियां फाड़ दी गईं, विधायकों ने जमकर हाथापाई की, सदन में हुड़दंग मचाया। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में भी वामदलों और कांग्रेस के छात्र-नेताओं ने वक्फ बिल की प्रतियां फाड़ कर चिंदी-चिंदी बिखेर दीं। उन्हें जला भी दिया।

उपशाखाओं तथा समुदायों में विभक्त कर समस्त भाषाओं की गणना एक कुल में की जाती रही है

हिन्दी की गिनतियों को सरल बनाने, सुधार आवश्यक !

आत्माराम यादव पीव

मनुष्यों के कुल गौत्र की भांति अगर भाषाओं को विभक्त करे तो हिन्दी, अँग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं के कुल, उपकुल, शाखाओं, उपशाखाओं तथा समुदायों में विभक्त कर समस्त भाषाओं की गणना एक कुल में की जाती रही है। ये कुल-उपकूल की शाखाओं में जैसे ईरानी, फारसी, ओर भारतीय आर्य भाषा है। ये सभी भाषाए कालचक्र की यात्राएं करते आ रही है इसलिए इन्हे प्राचीनकाल, मध्यकाल ओर आधुनिक काल में रखकर प्राचीनकाल में वेद उपनिषद आदि तथा मध्यकाल में पाली अशोक की धर्मलिपि की भाषा, साहित्यिक प्राकृत तथा अपभ्रंश आदि की बाद आज जो जातिगत सिंधी, उर्दू, बंगाली कन्नड, मलयाली, गुजराती, बिहारी, उड़िया, आसामी, ब्रज, बुन्देली आदि सभी भाषाए आधुनिक काल में हिन्दी अँग्रेजी के साथ प्रचलित है।

संसार की प्रचलित भाषाओं का वर्गीकरण करें तो देवभाषा संस्कृत सभी की जननी है जिसके वंशानुगत अन्य सभी भाषाएँ सहित देवनागरी लिपि हिन्दी भी है। मनुष्यों के कुल गौत्र की भांति अगर भाषाओं को विभक्त करे तो हिन्दी, अँग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं के कुल, उपकुल, शाखाओं, उपशाखाओं तथा समुदायों में विभक्त कर समस्त भाषाओं की गणना एक कुल में की जाती रही है। ये कुल-उपकूल की शाखाओं में जैसे ईरानी, फारसी, ओर भारतीय आर्य भाषा है। ये सभी भाषाए कालचक्र की यात्राएं करते आ रही है इसलिए इन्हे प्राचीनकाल , मध्यकाल ओर आधुनिक काल में रखकर प्राचीनकाल में वेद उपनिषद आदि तथा मध्यकाल में पाली अशोक की धर्मलिपि की भाषा, साहित्यिक प्राकृत तथा अपभ्रंश आदि की बाद आज जो जातिगत सिंधी, उर्दू, बंगाली कन्नड, मलयाली, गुजराती, बिहारी, उड़िया, आसामी, ब्रज, बुन्देली आदि सभी भाषाए आधुनिक काल में हिन्दी अँग्रेजी के साथ प्रचलित है। इन सभी भाषाओं का सिरमोर हिन्दी है ओर अँग्रेजी राष्ट्र पर थोपी भाषा है। उसी प्रकार गिनती है जिसकी त्रुटियों में सुधार की आवश्यकता है, चुकीं गिनती की व्यापकता सार्वभोम है जिसका प्रयोग देश की सरकारों से लेकर वित्तीय संस्थानों के अलावा सभी जगह विशिष्ट व्यक्ति से लेकर जंगलों में रहने वाले वर्ग ओर समाज तक अपने-अपने ढंग से कामकाज चलाने के लिए उपयोग करते है, जो उनके लिए प्राथमिकता बनकर रह गयी है , जबकि सभी जानते है की हमारे पूर्वज गिनती ओर पहाड़े के सीमित दायरे में जीते हुये अपने अनुभवों से सभी को नाकों चने चववा देते थे। देखा जाए तो आजादी के बाद भारत सरकार ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा के स्थान पर राजभाषा घोषित कर संसद में 15 वर्षों में अंगेजी के स्थान पर हिन्दी का स्थान लिए जाने की बात कर विधान की धारा 351 के अनुसार सभी सरकारों पर हिन्दी ओर देवनागरी लिपि को विशेष प्रकार से उन्नयन करने का दायित्व लेने के बाद आज तक हिन्दी को उपेक्षित रखा है। जबकि तत्समय हिन्दी की गिनतियों में अनेक प्रकार की जटिलताओं को दूर कर गिनती को सरल ओर सहज बनाने के लिए परिवर्तन, संशोधन ओर परिवर्द्धनो के सुझाव भी हिन्दी सम्मेलनों के द्वारा रखे गए थे जिसमें अंग्रेजी ओर संस्कृत भाषा की गिनतियाँ को आधार मानकर हिन्दी वर्णमाला की

गिनतियों को समक्ष रखकर हिन्दी के धुरंधर एवं सुधारवादी विद्वानों के उस दिशा में सतत प्रयत्नशील सुझावों को स्थान देना था। 16 जुलाई 1951 आषाढ़ की प्रतिपदा को प्रयाग में देश के मूर्धन्य साहित्यकारों- लेखकों ओर हिन्दी के मर्म विशेषज्ञों को लेकर हिन्दी सम्मेलन में तत्समय के डॉ॰एपी चतुर्वेदी,एमडी एमएसएच साहित्यरत्न के द्वारा हिन्दी गिनती को सरल बनाने के लिए प्रस्तुत सुझावों को सभी ने स्वीकारा था जो सुधार हेतु भारत सरकार के पास भेजा गया किन्तु तत्समय के विषय को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने वाले जिम्मेदारों ओर राष्ट्र के शिक्षा मंत्री के संज्ञान में लिए बिना इसे विस्मरण कर दिया गया ओर तब से अब तक हिन्दी की गिनती जो हम सभी के लिए सहज ओर सरल होनी थी, उसका लाभ से वंचित होने से यह गिनती अब तक जटिल बनी रही, जिसे सुधारा जाकर सरल बनाने से आने बाली पीढ़ियों को इसकी उपयोग लाभप्रद होगा जिससे इन्हे वंचित नही किया जाना चाहिए। आजादी के बाद हिन्दी की इन गिनतियों को बीते 8 दसक से जो शिशु-वर्ग के विद्याथियों के सम्मुख सुधार के बाद सहज ओर सरल रूप से पढ़ाया जा सकता था किन्तु दुर्भाग्य ही कहिए कि इसके लाभ से दो-तीन पीढ़िया वंचित रह चुकी है, परिणाम स्वरूप तब से अब यह हिन्दी गिनती सभी के लिए जटिल समस्या बन कर शिशुओं-बच्चो के कोमल मस्तिष्क के लिए एक भारी बोझ बनी, जिसे उन्होने स्वीकारा ओर सीखा। अगर देश की हिन्दी अकादमी जैसे अनेक संस्थाए जो हिन्दी को पोषित ओर संरक्षित करने पर अब तक करोड़ों रुपए खर्च कर चुकी है वे हिन्दी के शोध को महत्व देकर इन त्रुटियों की ओर गंभीरता से ध्यान देती तो हिन्दी की गिनतियो को सुधारा जाकर इन गिनतियों को सहज बोधगम्य बनाया जाकर इसका ज्ञान विस्तारित किया जा सकता था, जिसके अभाव में अब तक जो अध्यापक मार-मार कर गिनती पहाड़े रटाते रहे, उससे राहत मिल सकती थी , जो नहीं मिली है, अगर यह हमारे समक्ष उजागर हुई ही तो क्यों न हम इसमें सुधार कर इसे सार्वजनिक मान्यता देकर स्वीकार कर हिन्दी का मान सम्मान को प्राथमिकता से अंगीकार करे। आप हो या हम सभी ने अपने छात्र जीवन में कक्षा आठवी ओर उसके आगे की कक्षाओं में तथा उसके बाद आज भी हिन्दी की गिनती के इन अंकों 69 (उनहत्तर), 59 (उनसठ) ,89 (नवासी) ओर 79(उन्यासी) आदि गिनती का अन्तर नही समझ पाते और अधिकांश चूक कर बैठते है ओर 59 (उनसठ) को 69 (उनहत्तर) कहने की गलती करते है ठीक उसी प्रकार 79 (उन्यासी) को 89 (नवासी) या 69 (उनहत्तर) को 59 (उनसठ) ओर 89 (नवासी) को 79 (उन्यासी) कहने की गलतिया दोहराई जाती है। जबकि संस्कृत ओर अंग्रेजी भाषा की गिनतियों की ज्यादा दिमाग पच्चीसी किए बिना कम समय में ओर रुचि लेकर इसे सभी लोग आसानी से सीख लेते है। आपको मेरी बातें भले मूर्खतापूर्ण लगे किन्तु यह आपको चिंतन करना ही है की इन दो भाषाओं को छोड़ हिन्दी की गिनतिया क्या इन दोनों भाषाओं की तुलना में कठिनाईपूर्ण ओर जटिल नहीं है ओर क्या इसमें भ्रम की स्थिति निर्मित होने से उसे समझने में समय लगने के साथ मन की लिए उलझाव जैसे स्थिति निर्मित नहीं होती है। आइए इनका विवेचन हेतु सूक्ष्मता को समझे ओर इसकी जटिलता ओर सरलता के भेद को जाने। पहले हम आंग्लभाषा/अंग्रेजी ओर देवनागरी हिन्दी की तुलना कर अध्ययन करें तो एक से लेकर दस तक अर्थात दहाई के अंक तक की गिनती पर ध्यान दे तो ये दोनों भाषाओ की गिनती समान रूप में चलती है, जिसमें गिनती पढ़ने वालों के समक्ष केवल नामकरण मात्र का अन्तर दिखाई देता है। जब दहाई के साथ इकाइयाँ मिलती है, तब उनके नाम-करण में परिवर्तित होता दिखाई देता है मात्र 10 के बाद की दो गिनतिया 11 ओर 12 हिन्दी में नियमानुसार पायी जाती है। ग्यारह (एकादश) दस और एक के योग (10+1= 11) से बनता है, इसके नामकरण का वही नियम है जो कि आगे की गिनतियो का परिणाम होगा।

दृष्टि कोण

प्रदेश में शराब की बिक्री और नशामुक्ति

दुनिया में मद्यपान अर्थात शराब पीने-पिलाने का प्रचलन सदियों पुराना है। शराब को कई अन्य नामों से भी जाना जाता है, जैसे मदिरा, मद्य, नशा, सुरा, हाला, आसव, वारुणी, मधु और इरा आदि। ऐसा अनुमान है कि विश्व में शराब को सबसे पहले 7 हजार साल पहले चीन के लोगों ने बनाया था, जहां उत्तरी पीली नदी के किनारे बाजरे को सड़ाकर शराब बनाई गई होगी। यह पहले की तुलना में बेहतरीन शराब साबित हुई। हालांकि हमारे शास्त्रों में देवताओं के लिए सोमरस नामक पेय पदार्थ का उल्लेख भी आता है। साधारणतः शराब और अन्य मादक पदार्थों का सेवन लोग आनंद के लिए करते हैं। इनके सेवन से थोड़े समय के लिए आनंद की अनुभूति होती है, आत्मविश्वास बढ़ा हुआ महसूस होता है तथा शरीर ऊर्जा से लबरेज लगता है। शराब तनाव और चिंता को कम करते हुए उत्साह बढ़ाती है और थकावट को दूर करती है तो वहीं इसके सेवन से होने वाले शारीरिक दुष्प्रभावों से भी सभी भली-भांति परिचित ही हैं। भारत में बिहार, गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में शराब का सेवन प्रतिबंधित है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे एनएफएचएस-4, 2014-15 की रिपोर्ट के अनुसार भारत के 15 से 49 आयु वर्ग के 29.2 फीसदी पुरुष अल्कोहल/शराब का सेवन कर रहे थे। जहां तक भारत के राज्यों का सवाल है तो अरुणाचल प्रदेश की 59 प्रतिशत पुरुष आबादी शराब का सेवन कर रही थी तो दूसरे नंबर पर त्रिपुरा की 58 प्रतिशत, तेलंगाना की 54 फीसदी, छत्तीसगढ़ की 53, मणिपुर की 53 और हिमाचल प्रदेश की 40 फीसदी पुरुष जनसंख्या शराब पी रही थी। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 2019-21 के अनुसार, लक्षद्वीप में केवल 0.4 फीसदी पुरुष और 0.2 फीसदी महिलाएं शराब का सेवन कर रही थीं। यह भी कड़वी सच्चाई है कि शराब के सेवन से दुनिया भर में हर साल 30 लाख लोगों की मृत्यु होती है। हिमाचल की आर्थिकी का मजबूत स्तंभ माने जानी वाली शराब नीति के तहत इस बार हिमाचल प्रदेश में 18 मार्च से 2100 शराब ठेकों की नीलामी शुरू हुई थी। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग ने नीलामी के लिए जिलावार शेड्यूल जारी कर दिया था और आगामी वित्त वर्ष के लिए शराब ठेकों की नीलामी से 2850 करोड़ राजस्व जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। नीलामी प्रक्रिया के तहत एल टू, एल 14 और एल-20 बी का आवंटन किया जाना था। लेकिन ऐसा देखने में आया है कि कई जिलों में बेस प्राइस बहुत अधिक होने के चलते शराब कारोबारियों ने नीलामी प्रक्रिया में भाग ही नहीं लिया। अभी तक हिमाचल में 400 शराब ठेकों के लिए खरीददार नहीं मिले हैं। लिहाजा प्रदेश में सरकार अब उन शराब ठेकों को अकेले-अकेले बेचेगी, जिनके लिए अभी तक किसी ने टेंडर प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लिया है। अब कोई भी व्यक्ति इसके लिए अपनी निविदा डाल सकता है और केवल 50 हजार की अर्नेस्ट मनी के साथ इसके लिए आवेदन किया जा सकता है। आज भारतीय मादक शराब पेय उद्योग दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा राजस्व एकत्रित करने वाला उपक्रम है और भारत की कोई भी सरकार अपने आर्थिक हितों के लिए इससे समझौता करने के पक्ष में नहीं दिखती है। हालांकि हिमाचल सरकार ने लोगों की सेहत और स्वास्थ्य से कोई खिलवाड़ न हो, इसके दृष्टिगत हिमाचल प्रदेश आबकारी संशोधन विधेयक को सदन में ध्वनिमत से पारित भी करवाया है। इस कानून के प्रावधानों के तहत हिमाचल प्रदेश में अब अवैध, गुणवत्ताहीन और जहरीली शराब पकड़े जाने पर संपत्ति जब्त होगी। पांच साल तक की कैद और पांच लाख रुपए तक के जुर्माने का भी प्रावधान किया गया है। विधेयक पारित होते ही हिमाचल अवैध, गुणवत्ताहीन और जहरीली शराब पकड़े जाने पर एक्साइज एक्ट के तहत संपत्ति जब्त करने वाला अब देश का पहला राज्य बन गया है। अन्य राज्यों में पुलिस एक्ट के तहत यह कार्रवाई होती है, वहीं हिमाचल सरकार ने अब मामले को संज्ञेय अपराध भी बना दिया है। आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) में संज्ञेय अपराध की परिभाषा ऐसे अपराध के रूप में की गई है जिसमें गिरफ्तारी के लिए किसी वारंट की जरूरत नहीं होती है। इस प्रकार के मामलों को गैर जमानती भी बना दिया गया है। चूंकि हिमाचल सरकार पहले से ही आर्थिक संकट के दौर गुजर रही है, लिहाजा ऐसे कानूनों द्वारा प्रदेश में अवैध गैर कानूनी शराब की तस्करी और बेचने पर लगाम लगेगी, अपितु कानूनी रूप से शराब ठेकों की नीलामी से सरकार को पर्याप्त राजस्व की प्राप्ति भी होगी। एक लेखक एवं जिम्मेदार नागरिक होने के नाते आम लोगों को मैं जरूर आगाह करना चाहूंगा कि शराब का अत्यधिक सेवन करने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

कुछ अलग

नई सदी में नए मुखौटे

अपने देश में जो काम होता है, पूरी निष्ठा के साथ होता है। इसीलिए तो इस देश को निष्ठावान देश कहा जाता है। आज से नहीं सदियों से कहा जाता है। यह मामूली बात है कि वक्त गुजरने के साथ-साथ यहां लोगों की निष्ठा के पैमाने बदल गए हैं। मुखौटे तशरीफ ले आए हैं। वे दिन गए, जब अध्ययन के दिनों में पूरी निष्ठा से पढ़ाई और अध्यापन के दिनों में पूरी निष्ठा के साथ अध्यापन होता था। इस देश के लोगों के प्रतिबद्ध संस्कारों की कसम पूरी दुनिया में खाई जाती रही। अब वक्त बदल गया। संस्कार तो वही हैं। निष्ठा भी वही है और प्रतिबद्धता भी वैसी ही है। लोगों की स्थिति को देखने, सपनों की उड़ान भरने के दृष्टिकोण बदल गए हैं। पहले तप-तपस्या और मेहनती लोगों की भूमि था यह देश। बरसों तप करते और तब लोग अपना अभीष्ट सिद्ध करने का साहस करते। अब तो प्यारे, दुनिया अजब हड़बड़ी में नजर आती है। आज भी यहां संस्कृति और संस्कार की बातें होती हैं, लेकिन ये बातें शार्टकट संस्कृति की हैं, हथेली पर सरसों जमाने के संस्कारों की हैं। अब यहां हर हवेली में चोर दरवाजे रखने आवश्यक हो गए हैं, और उम्र भर भरपूर मेहनत के साथ सीधी सपाट राह पर चलते हुए सफलता प्राप्त करने की इच्छा को बौड़म माना जाता है। कभी पढने लिखने को तप-तपस्या से जोड़ा जाता था, लेकिन अब तपस्या ऐसी हो जो महाग्रंथों को पढने के स्थान पर उनकी सरल गाइड बनाए और अध्यापक ऐसा जो आपको नकल के मोरपंख लगा कर उडना सिखाए। न भी उड़ सको तो क्या? सफलता की खबर आजकल सफल होने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। प्रचार खबरों में जियो बंधु! सच्ची नहीं तो अपने लिए झूठी खबरों का तूमार खड़ा कर लो। खलनायक से नायक बनने में देर ही कितनी लगती है? सिर्फ मीडिया को गोद में लेने की बात है। तभी तो आजकल इसे दुलार कर गोदी मीडिया कहा जाता है। इसे पटा लो, तुम्हारी सात समुद्र पार तक अपनी विजय पताका लहराते देर नहीं लगेगी। नई सदी की नई हवा बही है, 'पढ़ाई नहीं नकल में महारत हासिल करके ठेले पर हिमालय लाद कर ला सकते हो।' अध्यापक वह जो कक्षा में पढ़ाए तो न, केवल आपके लिए नंबरों का जुगाड़ करे। जुगाड़ क्यों, आजकल तो मौसम गारंटी देने का है। बस, अपनी धरती छोड़ पराई धरती पर जा बसने की इच्छा रखने वालों को परीक्षा में उचित बैंड दिलवा देने की गारंटी दे दो, फिर तुम्हारी पौ-बारह है। जिसे आपने वैध या अवैध रूप से पराये देश भिजवा दिया, वह तो आपकी चरणरज्ज को स्वर्ण रज्ज बना ही देगा। जिन्होंने 'अधिक गलत काम सही तरीके से' आपको विदेश भिजवाने का काम जमा लिया है, उन्होंने तो अपने देश में ही अमरीका, कनाडा बना लिया। देखते नहीं हो, रुपए का मूल्य डालर के मुकाबले रिकार्ड स्तर पर गिर गया है। लोग विनिमय दर के बदल जाने से बैठे बिठाए करोड़पति हो गए। उनके पास न हींग था न फिटकरी, लेकिन देखो रंग कितना चोखा आ गया। इसी को तो ठेले पर हिमालय लाद कर लाना कहते हैं। आजकल न जाने कितने चतुर सुजान अपने-अपने ठेले पर हिमालय लाद कर ला रहे हैं, और तुम उसी प्रकार पूरी निष्ठा के साथ रोजगार दफ्तरों के बाहर अपने प्रमाणपत्रों का पुलिंदा उठाए खड़े हो। काश! इस पुलिंदे की जगह तेरे पास नोटों का पुलिंदा होता तो तुझे किसी कतार में खड़े होने की जरूरत न पड़ती। अपना हांका देकर नौकरी लेता, और फिर नेता जी की जय का नारा बुलंद करके कह देता, देखो इनके आते ही नौकरियों का चाहवानों में चोरी-छिपे बिकना बंद हो गया। अब तो खुली बोली लगती है। जो मोल चुका सके, नौकरी बेगम उसी की हुई।

देश दुनिया से

जीवत मरिए, भवजल तरिए

हमारे जीवन में कशमकश का एक ही कारण है, और वह कारण है हमारा अल्हड़ मन। हमारा मन एक तालाब की तरह है। इसमें उठने वाली तरंगें ही हमसे अपना मनचाहा करवा लेती हैं। मन में उठने वाली तरंगों का स्रोत हमारी बाह्य इंद्रियां हैं। हमने कुछ देखा, पढ़ा, सुना और मन में एक विचार बना, हमने उस पर ध्यान फोकस किया, जैसे ही हमने उस पर ध्यान फोकस किया वह मानो ऐसा हुआ जैसे किसी तालाब में किसी ने पत्थर फेंक दिया और उसके प्रतिक्रिया स्वरूप उस तालाब में कई-कई तरंगें उठने लगीं, और उन तरंगों का विस्तार होता चला गया। हमारे विचारों का भी यही हाल है। यदि हम किसी विचार पर ध्यान फोकस करते हैं तो वह तरंगों की तरह विस्तार पा लेता है। सिर्फ एक विचार मन में आया और जैसे ही हमने उस पर फोकस किया, उससे जुड़े कई और विचार, कई और कल्पनाएं उमड़-उमड़ कर आने लग गईं और विचारों का एक पूरा जाल बन गया। वह विचार एक इच्छा बन गया, एक चाह बन गया और अगर चाह पूरी हो गई, सपना साकार हो गया, तो हम खुश हो गए, पर कुछ ही दिनों में जब हम उसके आदी हो गए तो किसी अगली इच्छा, अगली चाह पर ध्यान फोकस हो गया, इच्छाओं का यह चक्र असीमित है, चलता ही रहता है, और हर एक इच्छा के बाद एक नई इच्छा का जन्म हो जाता है। हर नई इच्छा की पूर्ति के लिए हम कोशिशें करते हैं और जीवन भर एक अनंत चूहा दौड़ के चक्रव्यूह में फंसे रहते हैं। जब तक इच्छा पूरी नहीं होती, हम खुश नहीं होते, क्योंकि इच्छा का, चाह का मतलब ही यह है कि हम कुछ ऐसा चाहते हैं जो अभी हमारे पास नहीं है। इच्छा का मतलब ही यह है कि हम में कोई कमी है, और इस कमी को दूर किए बिना हम संतुष्ट नहीं रह सकते, खुश नहीं रह सकते। इसके विपरीत अगर कोई इच्छा पूरी नहीं हो पा रही तब तो असंतुष्टि का, बेचैनी का, दुख का हिसाब ही मुश्किल है। इच्छा या चाह ही वह कारण है जो हमें जीवन भर दुखी बनाए रखता है। हम यह भी जानते हैं कि जन्म हुआ है तो मृत्यु निश्चित है। जो भी जन्मा है, वह नष्ट होगा ही। कुछ और निश्चित हो न हो, मृत्यु तो निश्चित है ही। हमारे जान-पहचान में अगर किसी व्यक्ति का स्वर्गवास हो जाए और हम उनकी शव यात्रा में शामिल हों, शमशान तक जाएं तो वहां अक्सर हमें जीवन की निस्सारता का भान होता है, तब यह भाव मन में आता है कि जीवन क्षणभंगुर है और हम में अध्यात्म का जागरण होता है, लेकिन जैसे ही हम वापस घर आते हैं तो दुनियादारी के अपने कामों में मशगूल होकर वे सारे भाव भूल जाते हैं। फिर वही रुटीन, वही झूठ, वही फरेब, वही दिखावा, वही गुस्सा, वही जलन, वही शिकायतें, सब की सब हमारे जीवन में वैसे ही लौट आती हैं, जैसे पहले थीं। शमशान में पहुंच कर जो भाव आए थे, वे बहुत कमजोर थे और जल्दी ही हमने उन्हें भुला दिया। इच्छाओं का जाल और जीवन की निस्सारता को जानते-समझते हुए भी हम गाफिल बने रहते हैं और यह मान कर चलते हैं कि वह क्षण कभी आएगा ही नहीं, जब हम इस दुनिया में नहीं रहेंगे। हम उस क्षण को देखना ही नहीं चाहते। मृत्यु का केवल विचार ही एक ऐसा अनुभव है जो अत्यंत कष्टदायी है, दुखदायी है और हम इसका सामना करने को जरा भी तैयार नहीं हैं। मृत्यु एक अटल सत्य है, लेकिन इसके जरा से स्मरण और आहट मात्र से ही हम भयभीत हो जाते हैं, ऊहापोह की स्थिति में आ जाते हैं, विचलित हो जाते हैं, जबकि सिद्ध पुरुषों, योगियों और संतों ने कहा है कि जो मृत्यु को जान लेता है, उसके लिए मृत्यु नृत्य है, उत्सव है, आनंद है और काल उसका दास हो जाता है। ध्यान, धारणा और समाधि के प्रति सजग होकर योगीजन मृत्यु की अनुभूति कर लेते हैं। यही मुक्ति का मार्ग है। सहज समाधि की स्थिति को पाने के लिए जिन शुरुआती साधनों का सहारा लिया जाता है उनमें शामिल हैं श्वास पर ध्यान, मौन की साधना, सजग आत्मचिंतन, व्रत और सत्संग। सांसों पर ध्यान देकर, मौन की साधना करके, एकांतवास में आत्मचिंतन द्वारा, व्रत-उपवास व ज्ञानी जनों की संगत में रहकर निरंतर प्रयत्न करते हुए हम सहज समाधि की स्थिति में जाने का अभ्यास कर सकते हैं। सहज संन्यास मिशन के तत्वावधान में जब हम इन साधनों का उपयोग करते हुए आगे बढना सीखते हैं तो हमें बार-बार समझाया जाता है कि यह एक दिन या कुछ दिन का काम नहीं है। शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जैसे हमें हर रोज पौष्टिक भोजन और व्यायाम की आवश्यकता होती है, वैसे ही मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए भी निरंतर प्रयत्न और अभ्यास आवश्यक हैं। धीरे-धीरे वह स्थिति आ जाती है जब मृत्यु हमें डराती नहीं, जब हम समाधि में जाकर शरीर से अलग होकर प्रकाशपुंज बन जाते हैं और अपनी इच्छा से शरीर में फिर वापस आ जाने के काबिल हो जाते हैं तो हम जीवन, मृत्यु, संसार और अध्यात्म का सार जान लेते हैं और फिर मृत्यु एक डरावना सच न होकर हमारे लिए बस एक आनंददायक घटना बनकर रह जाती है। तब मृत्यु एक अनुपम, अलौकिक और रोमांचकारी अनुभव बन जाती है। मुक्ति, मोक्ष, निर्वाण अथवा कैवल्य कही जाने वाली यही वह स्थिति है जब हम जिंदा होते हुए भी मृत्यु के पार का सच जान लेते हैं और जन्म-मरण के चक्र से मुक्त होकर मोक्ष पा लेते हैं। इस मामले में एक सामान्य व्यक्ति और किसी सिद्ध योगी के अनुभव के अंतर को समझना हो तो हम कह सकते हैं कि जब हम गहरी नींद में आराम कर रहे होते हैं तो उस स्थिति में भी हमारा मन और चित्त जागृत रहकर सजग रहते हैं तथा जीवात्मा शरीर से निकल कर मन के साथ भ्रमण करती है। सामान्य भाषा में तब हम स्वप्न की स्थिति में होते हैं, सपना देख रहे होते हैं, पर स्वप्न में जो कुछ होता है, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते, बदलना चाहें तो भी बदल नहीं सकते। सपने में जो चल रहा है, हम सिर्फ उसके साक्षी हो सकते हैं और अधिकांश स्वप्न तो हमें याद भी नहीं रह पाते। इसके विपरीत समाधि की अवस्था में रहते हुए कोई योगी पूर्णतः जाग्रत होता है। समाधि का हर अनुभव उसे ज्ञात होता है, यह बात अलग है कि बहुत से दिव्य अनुभव ऐसे होते हैं जिन्हें शब्दों में बयान कर पाना संभव ही नहीं है। अपने विचारों के प्रति जागृत रहकर, अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण करके हम यह जीवन में भी मृत्यु के पार के अनुभव का लक्ष्य पा सकते हैं। इसी स्थिति को गुरुओं ने 'जीवत मरिए, भवजल तरिए' की उपमा दी है। इसे ही पाना हमारा परम लक्ष्य है।

आप का नजरिया

व्यापार बदलती सौगंध

एक व्यापार वो है जो हट्टी से शोरूम तक पहुंच गया। दूसरा व्यापार वो है जो पूरे बाजार को दोपहिया वाहन पर ले आया। तीसरा व्यापार वो है जो मानवीय व्यवहार के परिवर्तन और व्यवस्था के मायनों से लड़ रहा। व्यापार अब सीधे स्वरोजगार है और स्टार्ट अप के जरिए उपभोक्ता जरूरतों को सेवा की श्रेणी और श्रृंखला में पूरा कर रहा है। इसके विपरीत हिमाचल के पारंपरिक बाजार भविष्य की व्यापारिक क्षमता से लड़ रहे हैं। अब बाजार न तो एकाधिकार है और न ही सीमित प्रतिस्पर्धा का आंगन। यहां इस बार जिक्र इसलिए क्योंकि मेलों के प्रारूप में आ रहे परिवर्तन से बाजार की पारंपरिक सोच सीधे आमने सामने है। यहां जिक्र धर्मशाला नगर निगम के तहत दाड़ी मेले में करीब सवा करोड़ में बिके डोम का है, जिसे स्थानीय बाजार कबूल नहीं कर रहा। यह व्यापार की प्रतिस्पर्धा, नवाचार की उत्कंठा, उपभोक्ता के सामने बदलती प्रस्तुति व खरीददारी में मनोरंजन की खुराक है, जिसे पारंपरिक बाजार अपने एकाधिकार से रोकना चाह रहा है। एक दूसरा परिदृश्य इसी शहर के कोतवाली बाजार का है, जहां का व्यापार मंडल ट्रैफिक सिस्टम को सुधार कर आगमन में सुकून लाना चाहता है। बाजार के नौ एंट्री प्वाइंट को वन वे ट्रैफिक सिस्टम में बांट कर व्यापार मंडल उपभोक्ताओं को सुकून का वादा करता है। ऐसे में सरकार और प्रशासन को पारंपरिक बाजारों को नए परिदृश्य में प्रासंगिक बनाने की चुनौती है। अब उपभोक्ता ऐसे बाजार का रुख नहीं कर रहा, जहां हट्टी पर चढ़ा व्यापार एकमात्र उपाय है। कुछ वर्ष पहले हमीरपुर बाजार को नो ट्रैफिक जोन बना कर माल रोड में परिवर्तित करने की मांग हुई, लेकिन हट्टी अड़ गई, नतीजतन बाजार अब हर कदम पर ट्रैफिक अव्यवस्था है। व्यापारी वर्ग अब मुख्य बाजारों से दूर हट कर साथ लगते हाई-वे की ओर अपने प्रतिष्ठान ले जा रहे हैं। पार्किंग सुविधा से सुसज्जित बाजार अब बदलते व्यापार की खुशखबर हैं, तो आने वाले समय में फोरलेन परियोजनाएं खरीददारी के रोमांच को सप्ताहांत सैर सपाटे से जोड़ देंगी। हिमाचल में सेहत के प्रति जागरूकता और नए मेडिकल कालेजों की स्थापना ने मेडिकल सिटी की अवधारणा में एक नया बाजार खोल दिया है। बच्चे जलेबी-पकौड़े से पिज्जा की ओर गए, तो बाजार डिलिवरी मैन के जरिए घर तक पहुंच गया। आने वाले समय में टायरों पर बाजार उगे होंगे और व्यापार 24 घंटे घर द्वार आपूर्ति कर रहे होंगे। ग्रॉसरी की खरीद-फरोख्त में ब्लिंकिट, बिग बास्केट, जेप्टो, सुपर डेली व ग्रोफर्स के आगमन से बाजार बेखबर नहीं रह सकता। ऐसे में बाजार, व्यापार और व्यापार मंडलों को अपनी भूमिका तथा प्रदर्शन में बदलाव करना पड़ेगा। पुराने और परंपरागत बाजारों को बचाने के लिए इन्हें मॉल की शक्ल में बदलाव करना होगा, जबकि ग्राहक को निजी वाहन में आने के लिए एक निश्चित स्थान में पार्किंग सुविधा का इंतजाम करते हुए बाजारों में इलेक्ट्रिक कार्ट चलाने होंगे। अगर शहर बड़े, नगर निकाय क्षेत्र बड़ा और इनका प्रबंधन नगर निगम के स्तर तक पहुंच गया है, तो बाजारों को भी बदलना और आगे बढना होगा। पड़ोसी राज्यों में शॉपिंग के लिए जाते प्रदेशवासियों को रोकने के लिए नवाचार पैदा करना होगा। राज्य सरकार को शहरी योजनाओं के जरिए पारंपरिक बाजारों के उत्थान और नए बाजारों की स्थापना के लिए धन उपलब्ध कराना होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें , सुहागन स्त्रियों को फल और मिष्ठान देवें । आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा । परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों–मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। छात्रों के लिए समय कठिन परिश्रम वाला रहेगा परन्तु सफलता मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सुबह कर दर्शन करें सूर्य नमस्कार करें आरोग्यता और शुभता मिलेगी । बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज थोडी मुश्किलें आ सकती हैं परन्तु चिंता करने की आवश्यकता नही हैं ईष्टदेव का ध्यान करें और ब्राह्मण को शक्कर का दान करें । अनावश्यक खर्च बढने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार मे सन्तोष का माहौल रहेगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक लाभ बनता हुआ दिख रहा हैं कारोबार में स्थिति अनुकूल रहेगी । आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय बनाने के लिए संयम की आवश्यकता हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज शरीर मे थकान ज्यादा रहेगी ध्यान और योग दिनचर्या मे शामिल करें । व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहेगी। किसी से विवाद होने की परिस्थिति मे अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक हैं ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कारोबार के लिए तो दिन अच्छा हैं घरेलू उलझनें रहेगी , बडे बुजुर्गो से मध्यस्था कराने से बाते सुलझ जांएगी आप को परिश्रम करना पडेगा तभी काम मनोकुल होगा , लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन–देन में सावधानी बरतें। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। दोस्तों से व्यवहार अच्छा रहेगा । नंदी महाराज को दलीया और गुड खिलाए , तुलसी का पौधा सींचे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन और माहौल दोनों बढीया हैं कामकाज में कमी रहेगी दूसरे स्त्रोत से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। बेरोजगारी दूर होगी । चहलकदमी करें शरीर तंदरुस्त रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिश्रम ज्यादा करना कार्यक्षेत्र में मुश्किलें पैदा होंगी छोटी–छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं दूध का दान करके यात्रा आरंभ करें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा । प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख–समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते है शापिंग पर खर्चा होगा सुख सुविधाओं पर व्यय अधिक होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन बहतर सुविधाओं वाला रहेगा । किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। शाम को दूध का सेवन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सुबह मंदिर दर्शन करें कार्यसिद्धि होगी विरोधी शान्त रहेंगे व्यापार में धन प्राप्ति के योग हैं। कारोबार में काम की अधिकता रहेगी लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। शिवपार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखमय रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज समय उलझनों मे बितेगा अनजान व्यक्ति पर भरोसा नही करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन–जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों के साथ यात्रा का समय बन रहा हैं संबंध मे मधुरता रहेगी स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 अप्रैल 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 03:24 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी दोपहर 03:10 तक
योग : ध्रुव रात्रि 07:44 तक
करण : गर दोपहर 02:12 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : शिवदमनक चतुर्दशी, भद्रा रात्रि 03:44 से, खरमास चालू है ।

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गर्मी में पेयजलापूर्ति सुनिश्चित की जाए : भजनलाल शर्मा

जयपुर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी के बाद पेयजल की मांग और उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा के लिए गुरुवार दोपहर मुख्यमंत्री निवास पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्मी में जनता को अगर पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदार अफसरों की खैर नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ी है, ऐसे में आमजन को बढ़ी हुई मांग के अनुसार पर्याप्त पेयजल मुहैया करवाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिला कलक्टर्स कंटीन्जेंसी प्लान के अनुसार पेयजल प्रबंधन स्वयं की देखरेख में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शहरी के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की किसी तरह की किल्लत नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि अंतिम छोर के उपभोक्ताओं को भी पेयजल की कोई दिक्कत नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पीएचईडी के फील्ड अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्यालय पर उपस्थित रहें और बिना सक्षम अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गर्मी को देखते हुए नए हैण्डपम्प, नलकूप लगाने, पुराने हैण्डपम्प, नलकूपों की मरम्मत, पाइपलाइनों को दुरस्त करने सहित पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ीकरण के सभी कार्य के 15 मई से पहले हर हाल में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या के समाधान के लिए जिला कलक्टरों को एक–एक करोड़ रुपए का अनटाइड फंड उपलब्ध करवाया गया है। अधिकांश जिलों में इस फंड का उपयोग करते हुए स्वीकृतियां जारी कर कार्य शुरू कर दिये गए हैं। उन्होंने शेष जिलों के जिला कलक्टरों को भी स्वीकृतियां शीघ्र जारी कर कार्य दी गई समयसीमा में पूरा करवाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 मई से पहले गत वर्ष बजट में स्वीकृत सभी हैंडपम्प और नलकूपों को चालू कर दिया जाए तथा इस बजट में स्वीकृत किए गए 1000 नए नलकूप और 2500 नए हैण्डपम्प की वित्तीय स्वीकृति भी जल्द जारी कर कार्य शीघ्र शुरू किया जाए। बैठक में बताया गया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए अप्रैल माह में 2 लाख 35 हजार से अधिक हैण्डपम्पों की मरम्मत की गई है। गत वर्ष बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 5 नलकूप और 10 हैण्डपम्प स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 800 से अधिक नलकूप और 1400 हैण्डपम्प इस माह के अंत तक क्रियाशील हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में गर्मी के दौरान पेयजल आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 142 करोड़ रुपए के 1244 कार्य और शहरी क्षेत्रों में 68 करोड़ रुपए के 153 कार्य स्वीकृत कर जरूरत के अनुसार नलकूपों की गहराई बढ़ाने, पाइप लाइन डालने और बदलने तथा पम्पसेट आदि की मरम्मत के काम करवाए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जो कार्य अभी तक भी प्रारम्भ नहीं हुए हैं, वे 10 दिन के भीतर शुरू कर आगामी 15 मई से पहले पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जुलाई तक गर्मी के पीक सीजन में टैंकरों से पेयजल की मांग पूरी करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में 82 करोड़ और शहरी क्षेत्र में 25 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी कर दी गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएचईडी अधिकारी बिजली विभाग के अधिकारियों से समन्वय बना कर रखें ताकि पीक लोड के कारण बिजली ट्रिपिंग, फॉल्ट आदि की स्थिति में भी नलकूपों की विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं हो। उन्होंने कहा कि पेयजल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए राज्य स्तर एवं जिला स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम्स के नम्बरों का व्यापक प्रचार–प्रसार कर इन पर आने वाली शिकायतों का त्वरित और समयबद्ध निस्तारण किया जाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के जिलों में नहरबंदी के दौरान भी पेयजल की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी, इसके लिए उन्होंने स्वयं हनुमानगढ़ और गंगानगर के दौरे के दौरान अधिकारियों से चर्चा कर स्थिति की समीक्षा की है। पेयजल की व्यवस्था सुचारू रखने के लिए नहरबंदी के दौरान पहले माह में आंशिक क्लोजर ही रखा गया है और पेयजल के लिए पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। पूर्ण नहरबंदी के समय पेयजल आपूर्ति के लिए पीएचईडी अधिकारियों को जल भंडारण की पूरी व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने हमारे आग्रह पर जल जीवन मिशन की अवधि वर्ष 2028 तक बढ़ा दी है। उन्होंने जल जीवन मिशन में शेष वर्क आर्डर शीघ्र जारी करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अप्रेल माह में 5 हजार करोड़ के कार्यादेश जारी कर जेजेएम के कार्यों को गति प्रदान की जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन योजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए संचालन एवं संधारण नीति शीघ्र जारी किये जाने के निर्देश प्रदान किये।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (पीएचईडी) भास्कर ए. सावंत ने बताया कि विभाग की वृहद परियोजनाओं में कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध तरीके से इनके कार्य करवाए जा रहे हैं। अक्टूबर 2025 तक 59 परियोजनाओं के लिए 44 हजार 889 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने ली जयपुर मेट्रो–फेज 2 की अहम बैठक

जयपुर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मेट्रो कॉरिडोर (फेज–2) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के संबंध में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेट्रो फेज–2 की डीपीआर में प्रस्तावित सीतापुरा से अंबाबाड़ी तथा विद्याधर नगर तक भविष्य की आवश्यकता तथा आमजन की सुगमता को देखते हुए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएं।

उन्होंने कहा कि जयपुर एक ऐतिहासिक और तेजी से बढ़ता शहर है और मेट्रो का विस्तार यहां की बढ़ती आबादी और यातायात दबाव को संतुलित करने में अहम भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार की मंशा है कि जयपुरवासियों के लिए सुगम एवं अत्याधुनिक परिवहन तंत्र विकसित किया जाए जिससे जयपुर स्मार्ट सिटी की दिशा में देशभर में मॉडल शहर बने।

शर्मा ने कहा कि मेट्रो फेज–2 के तहत प्रोजेक्ट में खर्चे व लागत का समुचित आकलन किया जाये ताकि वित्तीय संसाधनों का सदुपयोग होने के साथ ही आमजन के लिए भी बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मेट्रो की डीपीआर में प्रस्तावित रूट, अनुमानित लागत, परियोजना की व्यवहार्यता तथा वित्तीय मॉडल की जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना में आमजन की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए रूट का निर्धारण किया जाए।

दिव्यांग प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या

अजमेर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

मेरठ में हुए नीले ड्रम वाले कांड से पूरे देश में लोग सहम गए थे। अभी मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि राजस्थान से एक और हैरान करने वाला मामला सामने आया। अजमेर जिले के नसीराबाद में पत्नी ने अपने प्यार के बीच अड़चन बन रहे पति को दिव्यांग प्रेमी के साथ मिलकर मौत के घाट उतार दिया। मृतक की पत्नी और दिव्यांग प्रेमी बशीर के बीच काफी लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों ने षड्यंत्र रच कर मस्तान को अपने रास्ते से हटाने की साजिश रची। पुलिस ने आरोपी पत्नी और दिव्यांग प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

मामले का खुलासा करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि लगभग 1 साल से बशीर और महिला के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोपी पत्नी को प्रेमी बसीर से मिलने और उसके साथ रहने के बीच मृतक मस्तान बाधा बन रहा था। जिसके चलते पत्नी ने अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए प्रेमी के साथ मिलकर हत्या करने की योजना तैयार की। एसपी ने बताया कि मृतक मस्तान जब मजदूरी कर घर लौटा तो पत्नी ने बशीर के साथ शराब पार्टी करने और पैसों की जरूरत होने पर बशीर द्वारा देने की बात कही और उसके साथ जाने को तैयार कर दिया। घर से निकलने के बाद पत्नी ने इसकी सूचना बशीर को दी। मृतक मस्तान और बशीर दोनों मिलने के बाद हाउसिंग बोर्ड के सामने खंडहर पड़े क्वार्टर्स में पहुंचे, जहां आदि बियर खुद पीकर मस्तान को फुल नशे में कर दिया। इसके बाद धारदार छुरी निकाल कर उसका गला रेत कर हत्या कर दी और मौके से चार पहियों की स्कूटी लेकर फरार हो गया।

अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ राज्यभर में कार्रवाई जारी

भरतपुर में एक दर्जन से अधिक कार्रवाई के दौरान 180 करोड़ का जुर्माना

जयपुर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

राज्य के माइन्स विभाग द्वारा राज्यभर में कार्रवाई जारी है। उदयपुर, जोधपुर, जयपुर, भीलवाड़ा सहित अन्य स्थानों के साथ ही भरतपुर जिलें में पहाड़ी तहसील के खनन क्षेत्रों में एक दर्जन से अधिक स्थानों/खानों पर औचक कार्रवाई कर खननकर्ताओं पर 180 करोड़ रुपए का जुर्माना लगया है। माइन्स विभाग की टीम द्वारा कार्रवाई के दौरान खननकर्ताओं द्वारा रवन्नाओं के दुरुपयोग, बिना रवन्ना के खनिजों का अवैध निगर्मन, अवैध खनन व गैप एरिया में अवैध खनन करना पाया गया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा समय समय पर विभागीय समीक्षा बैठकों के दौरान और गत 2 अप्रेल को आयोजित खान विभाग की समीक्षा बैठक में अवैध खनन गतिविधियों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करने के निर्देश देते रहे हैं।

विभाग द्वारा 2 अप्रेल से 9 अप्रेल के दौरान में अवैध खनन, खनिज परिवहन और खनिज भण्डारण के विरुद्ध 339 कार्रवाई करते हुए 168 वाहन मशीनरी जब्त की है। इस दौरान समूचे प्रदेश में 24 हजार 950 टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया है वहीं अलग अलग पुलिस थानों में 43 एफआईआर दर्ज कराई गई है और 26 गिरफ्तारी हुई है। एक करोड़ 97 लाख रुपए का जुर्माना वसूल कर राजकोष में जमा कराया गया है।निदेशक माइन्स दीपक तंवर ने बताया कि विभाग की विशेष टीम ने भरतपुर जिले की पहाड़ी तहसील के छपरा, घौलेट और नांगल आदि गांवों की एक दर्जन से अधिक खानों के मुआयना के दौरान व्यापक स्तर पर अनियमितता पाये जाने पर अवैध खनन का आकलन कर 180 करोड़ रुपए से अधिक की शास्ति लगाई गई है। इनमें पहाड़ी के छपरा गांव में 3 स्थानों, ग्राम धौलेट में 5 स्थानों और नांगल ग्राम के 6 स्थानों पर खानधारकों द्वारा रवन्नाओं के दुरुपयोग, बिना रवन्ना के खनिज निगर्मन और गेप एरिया में अवैध खनन के मामलें सामने आये हैं। विभाग द्वारा अवैध खनन का अलग अलग आकलन कर सब पर अलग अलग कुल मिलाकर 180 करोड़ रु. की शास्ति लगाई है।

ग्राहकों की तलाश में खड़ी 23 लड़कियों को पुलिस ने हिरासत में लिया

गुरुग्राम,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली से सटे गुरुग्राम में पुलिस ने मंगलवार रात को विशेष चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस ने बस स्टैंड और एमजी रोड एरिया पर खड़ी लड़कियों और महिलाओं को डिटेन किया। करीब 23 महिलाओं को पुलिस ने डिटेन किया। यह अभियान डीसीपी वेस्ट करण गोयल के नेतृत्व में चलाया गया। इस दौरान कई थाना एरिया की पुलिस टीम और दुर्गा शक्ति टीम मौजूद रही। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस अभियान में एसीपी सिटी, थाना शहर प्रभारी, महिला थाना वेस्ट, सेक्टर 51 महिला थाना प्रबंधक, दुर्गा शक्ति टीम ने इस अभियान में हिस्सा लिया। इन टीमों ने बस स्टैंड और एमजी रोड से युवतियों और महिलाओं को डिटेन किया। आरोप है कि महिलाएं देह व्यापार के लिए खड़ी थीं। 23 महिलाओं को दोनों जगह से डिटेन किया गया। डीसीपी वेस्ट करण गोयल ने बताया कि इस तरह की युवतियों और महिलाओं को शरण देने वाले होटल, रेस्टोरेंट और गेस्ट हाउस संचालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। इनको सीज भी किया जा सकता है।

मामले की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि महिला थाना पश्चिम, एसएचओ डीएलएफ फेज–1, एसएचओ थाना फेज–2, दुर्गा शक्ति टीम, डखड और एसएचओ महिला थाना सेक्टर–51 की पुलिस टीमों ने विशेष अभियान चलाया।

आरती सिंह ने 200 बेड अस्पताल के लिए स्थानों का किया निरीक्षण

चंडीगढ़,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने जिला रेवाड़ी में प्रस्तावित 200 बेड के अस्पताल के निर्माण के लिए चिन्हित की जा रही जमीन का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने गांव सहबाजपुर खालसा और बेरियावास में प्रस्तावित स्थानों का दौरा करते हुए संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की और विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार नागरिकों को बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रदेश भर में स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं एक ही छत के नीचे प्राप्त हो सकें।उन्होंने बताया कि 200 बेड के इस अस्पताल के लिए ऐसी जगह का चयन किया जा रहा है, जिससे अधिकतम लोगों को लाभ मिल सके। जैसे ही उपयुक्त जमीन का अंतिम चयन कर लिया जाएगा, उसकी रिपोर्ट सरकार को भेज दी जाएगी और निर्धारित समय सीमा के भीतर अस्पताल का निर्माण कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह अस्पताल न केवल जिला रेवाड़ी बल्कि आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और यह क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

अभिभावकों से अवैध वसूली करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई करे सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने निजी स्कूलों की मनमानी के लिए प्रदेश सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर से अभिभावकों की कई शिकायतें सामने आ रही हैं। उनका कहना है कि स्कूल प्रबंधन उनसे विभिन्न प्रकार के अवैध शुल्क वसूल कर रहा है। इतना ही नहीं, किताबों के नाम पर भी उनसे कई गुना ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा अभिभावकों पर कुछ चयनित दुकानों से ही किताबें लेने के लिए दबाव डाला जाता है। वह दुकानदार अभिभावकों से 6 गुना तक ज्यादा रेट चार्ज कर रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि एनसीईआरटी की किताबें आमतौर पर 650 रुपये में आ जाती हैं। लेकिन इन्हीं किताबों के उनसे लगभग 4000 वसूले जा रहे हैं। इसके अलावा भी 2500 से लेकर 3000 तक की अतिरिक्त किताबें खरीदनी पड़ रही हैं।

हरियाणा की स्टेट स्पोर्टस पॉलिसी के तहत

विनेश फोगाट ने 4 करोड़ लेने का किया फैसला

चंडीगढ़,10 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा की सदस्य और पूर्व ओलंपिक रेसलर विनेश फोगाट ने सैनी सरकार की ओर से ऑफर किए गए चार करोड़ लेने का फैसला किया है। हरियाणा की स्टेट स्पोर्टस पॉलिसी के तहत विनेश को तीन विकल्प दिए गए थे, जिसमें से उन्होंने कैश लेने पर रजामंदी दी। उन्होंने मंगलवार को स्पोर्टस डिपार्टमेंट को पत्र लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी।

जुलाना की विधायक विनेश फोगाट को पिछले साल ओलंपिक में 50 किलोग्राम रेसलिंग कैटिगरी के फाइनल से 100 ग्राम बढ़े वजन के कारण डिस्क्वॉलिफाई किया गया था। इसके बाद पूरे देश में उनके लिए सहानुभूति की लहर उठी थी। तब नायब सिंह सैनी ने विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ी जितना सम्मान देने का ऐलान किया था। सीएम ने कहा था कि वह विनेश का सम्मान कम नहीं होने देंगे। ओलंपिक से लौटने के बाद विनेश फोगाट कांग्रेस में शामिल हो गई और विधानसभा चुनाव में जुलाना क्षेत्र से जीत गईं। विनेश कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भी काफी चर्चित रहीं थीं।

विधानसभा चुनाव के बाद यह कयास लगने लगे थे कि बीजेपी सरकार अपने वादे को पूरा करने में रुचि नहीं दिखाएगी। 25 मार्च को हरियाणा कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें सैनी सरकार ने वादे के मुताबिक विनेश फोगाट को ओलंपिक के सिल्वर मेडल विजेता की तरह सुविधा देने का फैसला किया। स्टेट स्पोर्टस पॉलिसी के तहत विनेश फोगाट को तीन विकल्प दिए गए। पहला, चार करोड़ नकद राशि, दूसरा ग्रुप ए की सरकारी नौकरी और तीसरा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के तहत एक प्लॉट।

हरियाणा सरकार अपनी पॉलिसी के तहत ओलंपिक मेडलिस्ट को खेल विभाग में डिप्टी डायरेक्टर–लेवल का पद देती है। कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम सैनी ने कहा था कि चूंकि विनेश फोगाट अब एक विधायक हैं, इसलिए सरकार ने उनसे यह पूछने का फैसला किया है कि वह कौन सा लाभ लेना चाहेंगी। फोगाट फैमिली के एक सदस्य ने बताया कि उन्होंने मंगलवार को खेल विभाग को पत्र लिखकर अपने फैसले के बारे में बता दिया है। उन्होंने पहले विकल्प चार करोड़ की धनराशि को चुना है। बताया गया है कि विनेश फोगाट अभी एमएलए हैं, इसलिए वह सरकारी नौकरी नहीं कर सकती हैं। नकद पुरस्कार से उन्हें अपनी जरूरत के अनुसार प्लॉट खरीदने की आजादी मिलेगी।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दें

बुंदेलखंड में सौर ऊर्जा पर यूपी सरकार का फोकस

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे बनेगा देश का पहला सोलर एक्सप्रेस-वे

लखनऊ, 10 अप्रैलस (एजेंसियां)। योगी सरकार बूंद-बूंद पानी सहेजने के लिए खेत तालाब योजना पर काम कर रही है। इसके तहत तालाब की खुदाई पर पर सरकार 50 से 75 फीसद तक अनुदान देती है। सामान्य वर्ग के लघु सीमांत किसानों को लागत का 50 फीसद या 80 हजार रुपए और इसी वर्ग के अनुसूचित एवं अनुसूचित जनजाति के किसानों को 75 फीसद या एक लाख रुपए तक का अनुदान देय है। योजना के तहत अब तक करीब 5000 तालाबों की खुदाई हो चुकी है। इन तालाबों में संचित बारिश का पानी सूखे के समय में सिंचाई और मवेशियों के पीने के काम आता है।

शौर्य एवं संस्कार के साथ अब सौर ऊर्जा भी होगी बुंदेलखंड की पहचान। क्योंकि, बिजली की खेती के लिए योगी सरकार का बुंदेलखंड में सौर ऊर्जा पर खास फोकस है। इसके एक साथ कई लाभ हैं। उत्पादन में किसी तरह का प्रदूषण न होने के कारण यह इकोफ्रेंडली है। इसीलिए इसे हरित ऊर्जा भी कहते हैं। ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीन हाउस गैसों और अन्य वजहों से मौसम में आया अप्रत्याशित बदलाव पूरी दुनिया के लिए बेहद गंभीर चुनौती है। इससे निपटने के लिए सभी देश ग्रीन एनर्जी की प्रोत्साहन दे रहे हैं। बुंदेलखंड के जरिए उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में मिसाल बन सकता है।

एक अनुमान के अनुसार प्रदेश में बिजली की खपत सालाना 16 फीसद की दर से बढ़ रही है। बढ़ते तापमान की वजह से आने वाले वर्षों में यह और बढ़ेगी। अगले दो तीन साल में यह खपत 53 हजार मेगावाट या इससे अधिक की हो जाएगी। ऐसे में योगी सरकार पारंपरिक ऊर्जा प्रणाली, थर्मल और हाइड्रो पावर पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसकी मुख्य वजह थर्मल और हाइड्रो पावर के जरिए बिजली उत्पादन में आने वाले भारी भरकम खर्च से बचना और पॉल्यूशन के बढ़ते स्तर को कम करना है।

मालूम हो कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने में सबसे अहम भूमिका बिजली की होगी। दरअसल, योगी सरकार की नीतियों को देखते हुए विदेश के साथ देश के विभिन्न राज्यों के निवेशक यहां पर बड़े पैमाने पर निवेश करने के लिए आ रहे हैं। ऐसे में औद्योगिक गतिविधियों को चलाने के लिए बिजली की डिमांड काफी बढ़ जाएगी। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को इस खपत को पूरा करने के लिए सोलर एनर्जी पर फोकस करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए योगी सरकार नई उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति-2022 भी लेकर आई है, जिसके तहत सौर ऊर्जा को बढ़ाने के लिए कई तरह की रियाततें दी गईं हैं।

बुंदेलखंड सोलर एनर्जी के लिहाज से सबसे मुफीद जगह है। चित्रकूट और झांसी के दो डिफेंस नोड यहीं हैं। सरकार झांसी और कानपुर के बीच बुंदेलखंड विकास प्राधिकरण (बीडा) के नाम से नया औद्योगिक शहर बना रही है। ललितपुर में फार्मा पार्क पर भी काम चल रहा है। चित्रकूट धाम विकास कॉरिडोर के जरिए जिस तरह चित्रकूट के विकास और एडवेंचर टूरिज्म के जरिये बुंदेलखंड के किलों, गढ़ और गढ़ियों के विकास का काम चल रहा है, उससे आने वाले दिनों में यहां पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी। नए होटल रेस्टोरेंट भी खुलेंगे। इस वजह से भी बिजली की खपत बढ़ेगी।

इन सब वजहों और संभावनाओं के नाते योगी सरकार बुंदेलखंड को सोलर एनर्जी के हब के रूप में विकसित करना चाहती है। इसके तहत चित्रकूट में 3400 एकड़ पर 800 मेगावाट की क्षमता वाला सोलर प्लांट बनेगा। इससे सालाना 1900 मिलियन यूनिट बिजली मिलेगी। इसी क्रम में झांसी में सालाना 600 मेगावाट की वार्षिक क्षमता वाला सोलर प्लांट स्थापित किया जा रहा है। ललितपुर में 1400 मिलियन यूनिट की वार्षिक उत्पादन की क्षमता वाला प्लांट लगेगा। बुंदेलखंड से लगे कानपुर शहर और देहात को भी अगर इसमें शामिल कर लें तो यहां भी सौर मंडल से 110 मेगावाट सालाना बिजली पैदा होगी।

सरकार की मंशा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को देश के पहले सोलर एक्सप्रेस-वे में बदलने की है। इसके तहत करीब 296 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर सोलर पार्क विकसित करने की तैयारी है। इस क्रम में एक्सप्रेस-वे के 14 नोड्स पर सोलर पार्क स्थापित किए जाने हैं। इनका कुल क्षेत्रफल करीब 2447 एकड़ होगा। सालाना बिजली उत्पादन क्षमता करीब 450 मेगावाट की होगी। पार्कों के निर्माण में करीब 2000 करोड़ रुपए की लागत आएगी। पिछले साल के अंत तक करीब 17 कंपनियों ने इनके निर्माण में रुचि दिखाई थी। इसमें टाटा पावर जैसी देश की नामचीन कंपनियां भी थीं। भूमि की उपलब्धता और लगभग साल भर सूर्य की रोशनी की उपलब्धता के कारण सोलर एनर्जी को लेकर योगी सरकार का फोकस भले बुंदेलखंड पर हो लेकिन आसन्न संकट के मद्देनजर वह इसका विस्तार पूरे प्रदेश में कर रही है। मसलन सूर्यवंशी श्रीराम की अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने का संभव प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा सोलर एनर्जी के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रदेश के अन्य शहरों को भी क्रम से सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें नोएडा सहित प्रदेश के 16 नगर निगम शामिल हैं।

मुख्यमंत्री की मंशा है कि सोलर सिटी से प्रदेश में कुल बिजली उत्पादन का 10 प्रतिशत बिजली उत्पादन सोलर से किया जाएगा। साथ ही इसे साल दर साल बढ़ाया जाए ताकि निवेशकों के साथ प्रदेशवासियों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा सके। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक किलोवाट से 5 किलोवाट पर रुफ टॉप सोलर संयंत्र लगवाने के लिए देय भारी भरकम अनुदान और मात्र 7 फीसद की दर से लोन उपलब्ध कराना और किसानों को सोलर पंप लगाने के लिए अनुदान भी ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन देने की ही कड़ी है। पीएम कुसुम योजना के तहत अब तक 76 हजार से अधिक किसानों को सोलर पंप आवंटित किए जा चुके हैं।सरकार की योजना भविष्य में सारे सरकारी नलकूपों को सोलर से जोड़ने की भी है। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों में सोलर एनर्जी की सप्लाई के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाएगा।सोलर पार्क से पहले चरण में खेती और गांव में बिजली सप्लाई के लिए बनाए गए बिजली फीडर से सोलर एनर्जी को सप्लाई किया जाएगा। यानी प्रदेश में सबसे पहले गांव सोलर एनर्जी से रौशन होंगे। इसके साथ ही खेतों की सिंचाई के लिए लगने वाले पंपों को पूरी तरह से सोलर एनर्जी से संचालित किया जाएगा।

औद्योगिक विकास में उत्तर प्रदेश की बड़ी उपलब्धि

2024-25 में 3318 नई फैक्ट्रियां पंजीकृत हुईं

लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास की दिशा में नए इतिहास रच रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इन्वेस्ट यूपी 2.0 के तहत राज्य ने जिस तरह से उद्योग जगत को नीति, सुरक्षा और सुविधाओं का मजबूत आधार प्रदान किया है, उसका परिणाम अब ठोस रूप में सामने आ रहा है। भारत सरकार द्वारा संचालित वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एएसआई) के ताज़ा आंकड़े इस परिवर्तन की सशक्त तस्वीर पेश कर रहे हैं। साथ ही इस वर्ष प्रदेश में सबसे अधिक फैक्ट्रियों का पंजीकरण हुआ है,जो कि वर्ष 2020-21 के मुकाबले लगभग दोगुना है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश में कुल 3318 नई फैक्ट्रियों का पंजीकरण हुआ है। जो कि अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि में से एक है। खास बात यह है कि इन पंजीकृत इकाइयों में से 460 फैक्ट्रियां ऐसी हैं, जहां सौ से अधिक कर्मचारी कार्यरत होंगे। यह स्पष्ट संकेत है कि यूपी अब न केवल छोटे और मझोले उद्योगों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि बड़े औद्योगिक निवेश के लिए भी अब एक प्रमुख गंतव्य बन चुका है। वर्तमान की यह उपलब्धि वर्ष 2020-21 के मुकाबले लगभग दुगुनी वृद्धि को दर्शाती है। 2020-21 में 1484 नई फैक्ट्रियों का पंजीकरण हुआ था।जिसमें बाद के वर्षों में लगातार वृद्धि हो रही है। जो कि प्रमाणित करता है कि राज्य में ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस में बड़ा सुधार हुआ है।

उत्तर प्रदेश ने औद्योगिक पंजीकरण के मामले में निरंतर प्रगति करते हुए भारत सरकार के एएसआई फ्रेम में भी उल्लेखनीय बढ़त पाई है। वर्ष 2022-23 में एएसआई फ्रेम में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी बढ़कर 7.6 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो कि प्रदेश की अब तक की सबसे ऊंची स्थिति है। औद्योगिक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) के स्तर पर भी उत्तर प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। वर्ष 2022-23 में राज्य का जीवीए बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो देश के कुल औद्योगिक जीवीए में 6.1 प्रतिशत की भागीदारी सुनिश्चित करता है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उत्तर प्रदेश अब सिर्फ पंजीकरण के आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उत्पादन, मूल्य संवर्धन और रोजगार निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतिगत प्रतिबद्धता, जिसमें उद्योगों के लिए बेहतर लॉ एंड ऑर्डर, तेज़गति से स्वीकृति प्रक्रियाएं, सिंगल विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम, गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा और क्रियान्वयन में पारदर्शिता ने निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है। देश के बड़े औद्योगिक घराने ही नहीं बल्कि विदेश के निवेशक भी उत्तर प्रदेश को अब एक स्थायी और लाभकारी औद्योगिक डेस्टीनेशन के रूप में देख रहे हैं।औद्योगिक क्षेत्र की यह उपलब्धि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

अपने संसदीय क्षेत्र के 50वें दौरे पर काशी आएंगे पीएम मोदी

3884.18 करोड़ की 44 विकास योजनाओं की देंगे सौगात

वाराणसी, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र के 50वें दौरे पर शुक्रवार को काशी पहुंचेंगे। वहीं यूपी की योगी सरकार के आठ साल पूरे होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पहला वाराणसी दौरा होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री काशी से जनहित की 3884.18 करोड़ रुपए की 44 विकास योजनाओं की सौगात पूर्वांचल को देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में लगभग ढाई घंटे का प्रवास करेंगे। पीएम राजातालाब के मेहदीगंज में जनसभा को भी संबोधित करेंगे।भाजपा का दावा है कि

जनसभा में 50 हज़ार से ज्यादा जनमानस उमड़ेगा। पीएम की अगवानी राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे। दोनों डिप्टी सीएम भी सभास्थल पर मौजूद रहेंगे। बनास डेयरी के चेयरमैन और गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी भी मंच पर रहेंगे।

काशी और उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों के लिए विकास और कानून व्यवस्था का पैमाना बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निगरानी में काशी विकास के नए आयाम छू रहा है। सरकार के विकास कार्यों को जनता को समर्पित करने के लिए प्रधानमंत्री शुक्रवार को वाराणसी पहुंच रहे है। प्रधानमंत्री अपने निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी सुबह तक़रीबन 10:30 बजे पहुंचेंगे। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से ही हेलीकाप्टर द्वारा मेहंदीगंज के लिए उड़ान भरेंगे। प्रधानमंत्री 1629.13 करोड़ की 19 योजनाओं का उद्घाटन और 2255.05 करोड़ की 25 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही पीएम मोदी बनास (अमूल) से जुड़े प्रदेश के लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों को 106 करोड़ रुपए का बोनस भी ट्रांसफर कर सकते हैं। साथ ही तीन जीआई को सर्टिफिकेट और 70 वर्ष से अधिक आयु के तीन बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड देने का कार्यक्रम प्रस्तावित है ।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सीएम योगी के साथ की समीक्षा

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लिया जायजा

लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारत सरकार के उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के मंत्री प्रहलाद जोशी ने गुरुवार को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं पीएम कुसुम योजना और रबी विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत गेहूं खरीद को लेकर संयुक्त समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को प्रदेश में सोलर एनर्जी और गेहूं खरीद की प्रगति की जानकारी दीष सीएम योगी ने केंद्रीय मंत्री को भरोसा दिया कि उत्तर प्रदेश बेहतर परिणाम देने का प्रयास करेगा। संयुक्त समीक्षा के दौरान केंद्रीय मंत्री ने राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आज तीन महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश इन योजनाओं में अच्छा कार्य कर रहा है और प्रदेश सरकार की ओर से मैं आश्वस्त करता हूं कि उत्तर प्रदेश अपनी ओर से बेस्ट रिजल्ट देगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022 प्रख्यापित की गई है। इसके अंतर्गत राज्य में कम लागत की विश्वसनीय सौर ऊर्जा तक आम लोगों की पहुंच को सुनिश्चित किया गया है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश जैव ऊर्जा नीति 2022 और उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2024 भी प्रख्यापित की जा चुकी है।

पूरे प्रदेश में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं को नुकसान

लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। गुरुवार को पूरे प्रदेश में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का प्रकोप रहा। गेहूं की पकी हुई फसल को काफी नुकसान पहुंचा। सीएम योगी ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि वर्तमान में गतिमान गेहूं की सरकारी खरीद के दृष्टिगत मंडियों सहित सभी खरीद केंद्रों पर गेहूं के सुरक्षित भंडारण का पूरा ध्यान रखा जाए।

अधिकारीगण सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस संबंध में अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जलजमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने भी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे स्थलीय निरीक्षण कर फसलों को हुए नुकसान का तुरंत जायजा लें। उन्होंने कहा कि वर्षा तथा आंधी-तूफान के कारण फसलों को जो भी नुकसान हुआ है उसकी भरपाई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत की जाएगी। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार उन्हें फसल नुकसान पर पूरी राहत उपलब्ध कराएगी।

उधर, सीतापुर जिले में खेत में काम कर रहे एक किसान पर बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। वहीं, एक महिला की भी दीवार गिरने से मौत हो गई। बिसवां के ग्राम पंचायत जनुवा के मजरा मोचखुर्द मे आकाशीय बिजली गिरने से किसान हरिश चंद्र भार्गव (23) की मौत हो गई। हरिश्चंद्र कुल तीन भाई थे। मृतक के बड़े भाई की शादी हो चुकी है। हरिश्चंद भार्गव की अभी शादी नही हुई थी। वह बृहस्पतिवार सुबह खेत में गन्ना छीलने गए थे तभी आकाशीय बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई।

जिले के सकरन में खेत से वापस आ रही महिला पर पक्की दीवार गिर गई जिसके नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। रसूलपुर हरद-ोपट्टी गांव निवासी कुसुमा देवी (55) पत्नी जुगराज बृहस्पतिवार सुबह खेत में गेहूं की फसल की कटाई करने गई थी। सुबह 9.30 बजे तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। कुसुमा देवी खेत से अपने घर जाने लगी। गांव में नागेन्द्र के घर के पास पहुंचते ही नागेन्द्र की पक्की दीवार भरभरा कर कुसुमा देवी के ऊपर गिर गई जिसके नीचे कुसुमा देवी दब गई।

आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मलबा हटाकर कुसुमा देवी को किसी तरह बाहर निकाला तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस व राजस्व विभाग को दे दी गई है।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से लखनऊ में पूर्वा और पछुआ हवाओं के समागम होने की वजह से यह आंधी और बरसात देखने को मिली है। लखनऊ में सुबह 8:30 बजे तक 7 मिमी. बारिश दर्ज की गई। जबकि एयरपोर्ट के इलाके में यह 2 मिमी. रिकॉर्ड की गई। लखनऊ व आसपास के जिलों बाराबंकी, रायबरेली, सीतापुर आदि में भी अच्छी बारिश देखने को मिली।

मुरादाबाद में भी अटल आवासीय स्कूल बनकर तैयार

लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। निर्माण श्रमिकों के बच्चों और कोरोनाकाल में निराश्रित हुए बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में अटल आवासीय विद्यालयों की शुरुआत की थी। उत्तर प्रदेश के 18 मंडलों में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण और आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है।

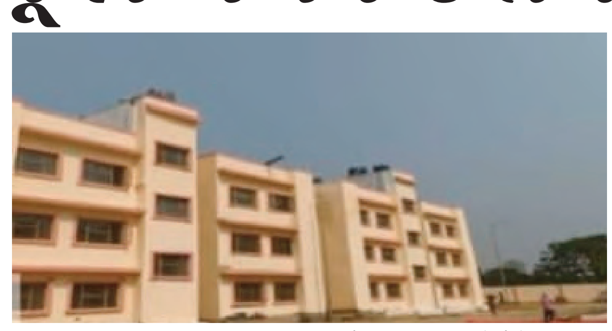

इसी क्रम में बरेली के बाद अब मुरादाबाद में भी अटल आवासीय विद्यालय की शानदार इमारत बनकर तैयार हो चुकी है। एक मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस इमारत का शुभारंभ कर सकते हैं। इसके साथ ही सभी 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय अपनी-अपनी बिल्डिंग से संचालित हो सकेंगे।

बरेली और मुरादाबाद के बच्चे जो पहले लखनऊ और बुलंदशहर जैसे अन्य जिलों में पढ़ाई कर रहे थे, अब उन्हें अपने ही मंडल में सुविधायुक्त अटल आवासीय विद्यालय में पढ़ने का अवसर मिलेगा।

इससे न सिर्फ उन्हें बेहतर शिक्षा बल्कि सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल भी प्राप्त होगा। अटल आवासीय विद्यालयों में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के साथ-साथ मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के पात्र अनाथ बच्चों और कोविड काल में माता-पिता को खो चुके बच्चों को भी प्राथमिकता से प्रवेश दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 23 सितंबर 2023 को वाराणसी में इन विद्यालयों का औपचारिक उद्घाटन किया गया था, जबकि आधारशिला स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 24 जनवरी 2020 को रखी थी। अब यह सपना साकार हो रहा है।

मुरादाबाद में तैयार यह विद्यालय 13.5 एकड़ में फैला है और इसमें एकेडमिक ब्लॉक, रेसीडेंस ब्लॉक और छात्रावास की अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध है। कुल 1000 छात्रों के बैठने की क्षमता वाले इस विद्यालय में फिलहाल 640 छात्र-छात्राएं नए सत्र से अपनी पढ़ाई शुरू करेंगे। इस बिल्डिंग में 28 क्लासरूम, 11 आधुनिक प्रयोगशालाएं और लाइब्रेरी, 6 ट्यूटोरियल रूम 300-300 सीनियर गर्ल्स और बॉयज डॉरमेट्री, 200-200 जूनियर गर्ल्स और बॉयज डॉरमेट्री, 6 टाइप-1, 6 टाइप-2 और 30 टाइप-3 रेजिडेंशियल फ्लैट्स, प्रिंसिपल आवास, सेपरेट मेस, एसटीपी, 1000 किलोवाट की ईएसएस (इलेक्ट्रिक सब स्टेशन) है। इस बिल्डिंग की निर्माण लागत लगभग 70 करोड़ रुपए है।

एलए ओलंपिक 2028 : टेबल टेनिस में शामिल होगा नया मिक्स्ड टीम इवेंट

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।

लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक 2028 के लिए इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने बुधवार को टेबल टेनिस में एक नए मिक्स्ड टीम इवेंट को शामिल करने की घोषणा की। यह पहली बार होगा जब ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में यह इवेंट आयोजित किया जाएगा।

टेबल टेनिस में अब कुल होंगे 6 इवेंट्स

इस नए फैसले के बाद ओलंपिक टेबल टेनिस कार्यक्रम में अब पुरुष और महिला सिंगल्स, पुरुष और महिला डबल्स की वापसी, मिक्स्ड डबल्स और नया मिक्स्ड टीम इवेंट शामिल होंगे। टेबल टेनिस प्रेमियों के लिए यह एक रोमांचक अपडेट है।

आईटीटीएफ अध्यक्ष ने जताई खुशी

इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन (आईटीटीएफ) की अध्यक्ष पेट्रा सॉर्लिंग ने बुधवार को इस फैसले पर खुशी जताते हुए कहा, आईओसी कार्यकारी बोर्ड का यह ऐतिहासिक निर्णय टेबल टेनिस की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है और इसकी वैश्विक अपील का प्रमाण है।

उन्होंने आगे कहा, पेरिस 2024 में टेबल टेनिस की सफलता के बाद, एलए 2028 में मिक्स्ड टीम इवेंट का आना एक और ऐतिहासिक कदम है, जो हमारे खेल के समावेशी और गतिशील भविष्य की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

चेंगदू में हुई थी मिक्स्ड टीम इवेंट की सफल शुरुआत

गौरतलब है कि मिक्स्ड टीम इवेंट की शुरुआत दिसंबर 2023 में चीन के चेंगदू में आईटीटीएफ मिक्स्ड टीम वर्ल्ड कप के दौरान की गई थी। इस टूर्नामेंट में मुकाबले की शुरुआत मिक्स्ड डबल्स से होती थी, इसके बाद महिला और पुरुष सिंगल्स खेले जाते थे। जरूरत पड़ने पर महिला और पुरुष डबल्स मुकाबले भी आयोजित किए जाते थे, जिनका क्रम रैंकिंग के अनुसार तय होता था।

1988 से ओलंपिक का हिस्सा है टेबल टेनिस

टेबल टेनिस पहली बार 1988 सियोल ओलंपिक में शामिल हुआ था, जब पुरुष और महिला सिंगल्स और डबल्स खेले गए थे। 2008 बीजिंग ओलंपिक से डबल्स की जगह टीम इवेंट्स ने ली और 2016 रियो तक यही फॉर्मेट चला। टोक्यो 2020 में मिक्स्ड डबल्स की शुरुआत हुई और अब 2028 में मिक्स्ड टीम इवेंट ओलंपिक में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी की पूजा पटेल बनीं प्रथम वर्ल्ड कप किक बॉक्सिंग की उपविजेता

वाराणसी। थाईलैंड में 7 से 12 अप्रैल तक आयोजित प्रथम थाईलैंड किक बॉक्सिंग वर्ल्ड कप प्रतियोगिता में बनारस की बेटी पूजा पटेल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 50 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में रजत पदक प्राप्त किया। फाइनल मुकाबले में पूजा का सामना उज़्बेकिस्तान की प्रतिभाशाली किक बॉक्सर दिलडोरा से हुआ। कड़ी टक्कर के बीच पूजा ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उपविजेता बनकर देश के साथ ही वाराणसी का भी नाम रोशन किया। इस उपलब्धि की सूचना मिलते ही खेल प्रेमियों और बनारसवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। पूजा के परिजनों को बधाइयों का तांता लग गया। उनके कोच गोपाल बहादुर शाही ने इस मौके पर कहा, पूजा की कड़ी मेहनत रंग लाई है। उसने न केवल देश बल्कि बनारस का भी गौरव बढ़ाया है। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। रजत पदक की सफलता से जूनियर खिलाड़ियों में भी उत्साह है। शहर में पूजा के भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है। आशा बॉक्सिंग अकादमी के उपाध्यक्ष हिमांशु राज ने भी पूजा को बधाई देते हुए कहा कि पूजा ने इसी अकादमी में प्रशिक्षण लिया है, जो हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

पराग को आउट दिये जाने पर हुआ विवाद

अहमदाबाद। यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज रियान पराग को आउट दिये जाने पर विवाद हो गया। इस मैच में गुजरात को 58 रनों से जीत मिली। इस मैच में जब पराग 26 रनों पर खेल रहे थे तो उन्हें थर्ड अंपायर ने आउट दिया पर वह इस फैसले से संतुष्ट नहीं दिखे और उन्होंने अंपायरों से इस मामले की शिकायत की लेकिन अंपायर अपने फैसले पर कायम रहे जिससे पराग ने वापस लौटते समय गुस्से में अपना बल्ला पटक दिया। ये वाकया रॉयल्स की पारी के 7वें ओवर का है। इस मैच में कुलवंत खेजरोलिया की चौथी गेंद पर पराग ने शॉट लगाने का प्रयास किया पर गेंद उनके बल्ले पर नहीं आया। ऐसे में जोस बटलर ने कैच की अपील की जिसपर अंपायरों नपे पराग को आउट करार दिया। पराग इससे अहमत नहीं दिखे और उन्होंने डीआरएस की मांग करते हुए अंपायर के फैसले को चुनौती दी। वहीं थर्ड अंपायर ने रिप्ले में देखा कि गेंद लगने से पहले पराग का बैट जमीन पर लगा पर इसके बाद भी उन्होंने पराग को आउट दे दिया। बल्ला जमीन पर लगने पर स्नीको मीटर में स्पाइट दिखी, मगर यह स्पाइक तब तक रही जब तक गेंद बल्ले से दूर नहीं चली गई। ऐसे में थर्ड अंपायर ने मैदानी अंपायर के फैसले को बरकारार रखा और पराग को आउट दे दिया। पराग थर्ड अंपायर के इस फैसले से काफी नाराज दिखे और आए और इसी कारण पेवेलिन जाते समय उन्होंने बल्ला भी पटक दिया।

अगले तीन साल में हम स्टेडियमों पिचों और अपने क्रिकेट ढ़ांचे को बेहतर बनाएंगे : स्मिथ

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि उनकी टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीत सकती है। इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'अगले तीन साल में हम स्टेडियमों, पिचों और अपने क्रिकेट ढ़ांचे को बेहतर करने के प्रयास जारी रखेंगे जिससे 2027 एकदिवसीय विश्व कप को जीता जा सके। दक्षिण अफ्रीका का सामना डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से होगा। ये पहली बार है जब दक्षिण अफ्रीकी टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची है। स्मिथ ने उन बातों को अधारहीन बताया है जिसमें कहा गया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल का दक्षिण अफ्रीका का सफर आसान रहा है। उन्होंने कहा, 'आजकल क्रिकेट में कोई सफर आसान नहीं होता। शुरू ही से सभी टीमों को पता था कि किसे किससे खेलना है। दक्षिण अफ्रीका ने लगातार सात टेस्ट जीतकर क्वालीफाई किया है।

दिल्ली ने बेंगलुरु को छह विकेट से पीटा

केएल राहुल ने खेली 93 रन की नाबाद पारी

बेंगलुरु, 10 अप्रैल (एजेंसियां)। केएल राहुल की दमदार फिफ्टी से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में जीत का चौका लगा दिया है। आईपीएल के 18वें सीजन के 24वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हरा दिया। मैच में टॉस हारने के बाद आरसीबी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में जैसे-तैसे 7 विकेट के नुकसान पर 163 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में खराब शुरुआत के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने 13 गेंद रहते ही मैच को अपने नाम कर लिया।

दिल्ली कैपिटल्स की इस सीजन में यह लगातार चौथी जीत है। आरसीबी के खिलाफ इस मैच में लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। आरसीबी ने दिल्ली के तीन बल्लेबाजों को सिर्फ 30 रन के स्कोर 3 ती खिलाड़ियों को आउट कर दिया था। टीम ने चौथा विकेट सिर्फ 58 रन के स्कोर पर गंवा दिया, लेकिन इसके बाद केएल राहुल ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ मिलकर आरसीबी के मुंह से जीत को छीन लिया।

शुरुआती विकेट गिरने के बाद केएल राहुल शुरुआत थोड़ी धीमी जरूर रही, लेकिन इसके बाद राहुल ने अपनी गति को बढ़ाया और मैच को अकेले दिल्ली की तरफ मोड़ किया। केएल राहुल दिल्ली कैपिटल्स के लिए नाबाद 93 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी में राहुल 53 गेंद का सामना करते हुए ने 7 चौके और 6 छक्के भी लगाए। दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल की ये पार टीम के लिए किसी शतक से कम नहीं है।

श्रीवल्ली, अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे ने भारत को बिली जीन किंग कप में दिलाई पहली जीत

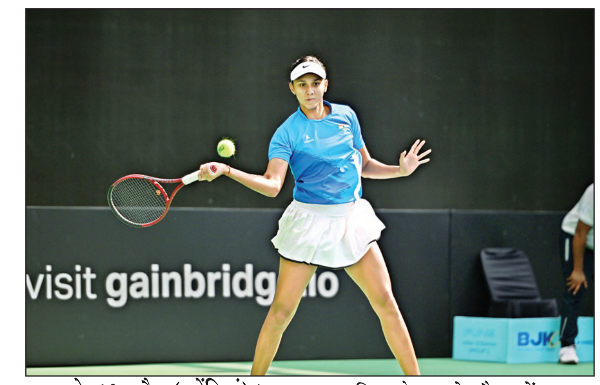

पुणे, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय टीम ने पुणे के महालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में चल रहे बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 में बुधवार को थाईलैंड के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की।

श्रीवल्ली भामिदीपती ने शानदार जीत के साथ मेजबान टीम के लिए लय स्थापित की। इससे पहले अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की अनुभवी जोड़ी ने टूर्नामेंट में भारत को आगे बढ़ने में मदद की थी।

श्रीवल्ली भामिदीपती ने पहले दिन की तरह ही वापसी की और थाईलैंड की लैनलाना तरारुडी के खिलाफ एक और शानदार प्रदर्शन किया। अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे की अनुभवी जोड़ी ने एक घंटे और 15 मिनट में अपने प्रतिद्वंद्वी को धूल चटा दी और कई स्ट्रोक दिखाते हुए 6-2, 6-4 से जीत हासिल की, जिससे भारत को थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले में 1-0 की बढ़त मिल गई।

दिन के दूसरे मैच में सहजा यामालापल्ली का सामना मननचाया सवांगकाव से हुआ, जो एक रोमांचक मुकाबला साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे के खिलाफ बेहतरीन टेनिस का प्रदर्शन किया। मननचाया ने वापसी करते हुए पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। इससे पहले सहजा ने जबरदस्त धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाते हुए वापसी करते हुए दूसरा सेट 7-6 [7-3] से अपने नाम किया। अंतिम सेट में 0-1 से पिछड़ने के बाद, दुर्भाग्यवश युवा भारतीय स्टार को चोट के कारण मैच से हटना पड़ा, जिससे 2 घंटे और 23 मिनट के बाद रोमांचक मुकाबले का अंत हो गया और दोनों देशों के बीच मुकाबला 1-1 से बराबर हो गया।

डबल्स मुकाबले में सभी को कड़ी टक्कर देने के बाद, अनुभवी भारतीय जोड़ी अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे ने थाईलैंड की पींगटार्न प्लिप्यूच और पैचरिन चीपचंदेज को हराया। भारतीयों ने पहला सेट जीता, लेकिन दूसरे सेट में वे पिछड़ गईं। हालांकि, उन्होंने टाई-ब्रेक में शानदार प्रदर्शन किया और एक घंटे और 55 मिनट में 7-6, 3-6, 10-3 के स्कोर के साथ सुपर टाई-ब्रेक में जीत हासिल की।

अगस्ता में मास्टर्स गोल्फ

अगस्ता में मास्टर्स गोल्फ क्लब में अमेरिका के जॉर्डन स्पीथ शॉट खेलते हुए।

आईपीएल 2025 : राजस्थान रॉयल्स को 58 रन से हरा अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंची गुजरात टाइटंस

अहमदाबाद, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 23वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 58 रन से मात दी। इस जीत के साथ गुजरात की टीम ने पांच में से चार मैच जीतकर अंकतालिका में आठ अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

बुधवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 217 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जवाब में राजस्थान की पूरी टीम 19.2 ओवर में 159 रन पर ढेर हो गई।

गुजरात की टीम के लिए सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 82 रनों की जबरदस्त पारी खेली। उन्होंने इस सीजन का चौथा अर्धशतक लगाया और टीम को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा शाहरुख खान ने 36, राहुल तेवतिया ने ताबड़तोड़ 24 रन (12 गेंद) और राशिद खान ने 12 रनों का योगदान दिया। कप्तान शुभमन गिल हालांकि सिर्फ 2 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए। राजस्थान के लिए तुषार देशपांडे और महीश तीक्षणा ने दो-दो विकेट झटके, जबकि जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल 6 रन बनाकर आउट हो गए। नीतीश राणा भी सिर्फ 1 रन ही बना सके। हालांकि, संजू सैमसन (41) और रियान पराग (26) ने कुछ संघर्ष जरूर दिखाया। अंत में शिमरन हेटमायर ने 32 गेंदों में 52 रन बनाकर मुकाबले को रोचक बनाने की कोशिश की, लेकिन अन्य बल्लेबाजों का साथ न मिलने से टीम लक्ष्य से 58 रन पीछा रह गई।

गुजरात के गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी की। प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि राशिद खान और साई किशोर ने 2-2 विकेट लिए। कुलवंत खेजरोलिया, मोहम्मद सिराज और अरशद खान को भी एक-एक सफलता मिली।

ओलंपिक 2028: आईएसएसएफ ने शूटिंग स्पर्धाओं के प्रारूप में किए अहम बदलाव, जानिए नई व्यवस्था

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने गुरुवार को 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए ओलंपिक शूटिंग प्रतियोगिताओं के प्रारूप में कुछ महत्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की है। ये बदलाव 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होंगे, ताकि खिलाड़ी ओलंपिक चयन चक्र के दौरान नए प्रारूप के अनुसार तैयारी कर सकें।

अब फाइनल में उतरेंगे आठ खिलाड़ी बड़ा बदलाव यह है कि अब पुरुषों की 25 मीटर त्वरित अग्नि पिस्तौल (रैपिड फायर पिस्टल) और शॉटगन स्पर्धाओं के फाइनल में छह की जगह आठ खिलाड़ी भाग लेंगे। इससे मुकाबले और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक तथा रोमांचक हो जाएंगे। 50 मीटर राइफल तीन मुद्रा स्पर्धा के फाइनल में केवल खड़े होकर शूटिंग 2028 ओलंपिक में 50 मीटर राइफल तीन मुद्रा स्पर्धा के फाइनल में केवल स्टैंडिंग (खड़े होकर) स्थिति में ही शूटिंग की जाएगी। यह बदलाव उन खिलाड़ियों के लिए लाभदायक हो सकता है जो वायुराइफल स्पर्धा में भी हिस्सा लेते हैं।

मिक्स्ड टीम स्पर्धाओं में नहीं होंगे स्वर्ण और कांस्य पदक मुकाबले

मिक्स्ड टीम स्पर्धाओं में अब स्वर्ण और कांस्य पदक के लिए अलग-अलग मुकाबले नहीं होंगे। इनकी जगह एक सामान्य विलोपन (एलिमिनेशन) प्रक्रिया से ही विजेता टीमों का निर्धारण किया जाएगा। 2025 में होंगे परीक्षण, 2026 से होंगे लागू आईएसएसएफ की तकनीकी समिति की फरवरी में हुई बैठक में इन प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक में खिलाड़ियों की समिति और विभिन्न अनुशासन प्रमुखों की भी भागीदारी रही। इन बदलावों से न तो अतिरिक्त तकनीकी संसाधनों की आवश्यकता होगी और न ही अतिरिक्त स्थान की। वर्ष 2025 में इन प्रारूपों का परीक्षण किया जाएगा, ताकि 2026 से पहले खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए अनुभव बेहतर बनाया जा सके।

आईएसएसएफ अध्यक्ष का बयान

आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रोसी ने कहा, हम लॉस एंजेलिस 2028 के लिए अपनी 15 शूटिंग स्पर्धाओं के ओलंपिक कार्यक्रम में बने रहने को लेकर बेहद प्रसन्न हैं। हम अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हम पर अपना विश्वास बनाए रखा है। हम ओलंपिक भावना के अनुरूप शूटिंग को और अधिक लोकप्रिय और आकर्षक बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं और 2028 में एक शानदार आयोजन की उम्मीद करते हैं।

भारत–अमेरिका ट्रेड में लंबी अवधि का नजरिया रखें निर्यातक : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।

नए व्यापार क्षेत्रों में उभरते हुए चुनौतियों के बीच केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल ने निर्यातकों को भारत-अमेरिका ट्रेड में नजरिया बनाए रखने का सुझाव दिया है।

उन्होंने एक बैठक में एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और उद्योग बॉडीज के साथ चर्चा की जिसमें आधुनिक व्यापार परिदृश्य और विपरीत समय के अवसरों पर विचार–विमर्श किया गया। गोयल ने उद्यमिता और संभावित रूप से दूरदराज निर्यातकों को बताया कि सरकार उभरती व्यापार वातावरण में सकारात्मक योजनाओं का समर्थन करेगी। उन्होंने वित्त वर्ष 2024–25 में अधिकतम निर्यात का लक्ष्य विशेष ध्यान देने के साथ बताया और मान्यता दी कि यह उपलब्धि कई संदेश और संधियों के बावजूद संभव हो सकी है। बैठक के माध्यम से, निर्यातकों को व्यापारिक समझौतों के महत्व और भारत–अमेरिका के बीच चल रहे मुद्दों पर गहराई से चर्चा करने का भी मौका मिला। इस समय में व्यापारिक वातावरण में उभरती चुनौतियों का मुकाबला किया जाएगा, सरकार ने निर्यात उद्योग की समर्थन के प्रति अपनी पहल की पुष्टि की है। बैठक के दौरान गोयल ने निर्यातकों को पारस्परिक रूप से लाभकारी बहु–क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए अमेरिका के साथ चर्चा के बारे में भी जानकारी दी। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली अलग–अलग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ने वैश्विक व्यापार में उभरती चुनौतियों के मद्देनजर अपने विचार और दृष्टिकोण प्रस्तुत किए और सरकार से इन चुनौतीपूर्ण समय में निर्यात उद्योग को समर्थन देने के लिए सक्रिय कदम उठाने का अनुरोध किया।

न्यूज ब्रीफ

किआ मोटर्स के पेनकोंडा प्लांट में 900 इंजनों की चोरी का खुलासा

मुंबई। किआ मोटर्स इंडिया के पेनकोंडा स्थित प्लांट से हाल ही में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बीते पांच वर्षों में लगभग 900 कार इंजन चोरी हो गए हैं जिसका खुलासा कंपनी के ऑडिट में हुआ। पुलिस ने मामले में तुरंत जांच शुरू की है और शक्तिशाली दोषियों की तलाश में है। किआ मोटर्स ने किसी भी दोषी कर्मचारी और अंदरूनी संगठन को बचाने के लिए पुलिस से सहायता मांगी है। इस मामले में प्रमुख संदेह है कि इंजनों की चोरी किसी भी अन्य संगठन से नहीं हुई है, बल्कि कंपनी के अंदरी कर्मचारियों के साथ साझेदारी में किया गया है। इस बीच किआ मोटर्स ने इस मामले में सार्वजनिक रूप से कोई बयान देने से इनकार किया है, हालांकि कंपनी ने यह जरूर स्पष्ट किया कि चोरी की इस घटना से उनके उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ा है। किआ मोटर्स हर साल तीन से चार लाख कारों का निर्माण करती है, इसलिए 900 इंजन की चोरी से उनके प्रोडक्शन में कोई रुकावट नहीं आई। फिर भी यह घटना कंपनी की आंतरिक सुरक्षा और निगरानी पर सवाल खड़े करती है। पुलिस की जांच फिलहाल जारी है।

लोकप्रिय बाइक एफझेड-एस एफ आई का एमवाय 25 वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में यामाहा ने अपनी लोकप्रिय बाइक एफझेड–एस एफ आई का एमवाय25 वर्जन लॉन्च कर दिया है। बाइक की कीमत में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस अपडेट के साथ बाइक के डिजाइन में हल्के बदलाव किए गए हैं और कुछ नए कलर ऑप्शन भी जोड़े गए हैं। एमवाय25 यामाहा एफझेड–एस एफ द्व की एक्स–शोरूम कीमत 1,34,800 रुपये रखी गई है, जो इसके पिछले वर्जन वीईआर 4.0 से 3,600 रुपये ज्यादा है। नए मॉडल में अब चार नए रंग मैट ब्लैक, आइस फ्लुओ–वर्मिलियन, मेटालिक ग्रे और साइबर ग्रीन शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, डिजाइन में भी कुछ छोटे बदलाव हुए हैं। फ्रंट टर्न इंडिकेटर्स को अब हेडलाइट असेंबली से हटाकर टैंक श्राउड्स पर लगाया गया है। साथ ही, टैंक के चारों ओर पहले जो क्रोम फिनिश था, अब वह ग्लॉस ब्लैक में दिया गया है। पावरट्रेन की बात करें तो इस बाइक में 149सीसी का सिंगल–सिलिंडर एयर–कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 12बीएचपी की पावर और 13.3 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसे 5–स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 140–सेक्शन का चौड़ा रियर टायर, सिंगल–चैनल एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, वाय–कनेक्ट तकनीक के साथ डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और एलईडी हेडलाइट्स जैसे एडवांस फीचर्स शामिल हैं।

टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर नए अपडेट्स के साथ पेश

नई दिल्ली। नए अपडेट्स और फीचर्स के साथ टोयोटा ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी अर्बन क्रूजर

हाइराइडर को 2025 मॉडल के रूप में बाजार में उतारा है। 2025 हाइराइडर की एक्स–शोरूम कीमत 11.34 लाख रुपए से शुरू होती है, जो पुराने मॉडल से लगभग 20,000 रुपए अधिक है। इस बार कार में कई अहम बदलाव किए गए हैं, जिनमें सबसे खास है एडब्ल्यूडी वैरिएंट में 6–स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की पेशकश। यह नया गियरबॉक्स पहले के 5–स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन की जगह लेता है।इस अपडेट के साथ टोयोटा ने एसयूवी की प्रीमियम पोजिशनिंग को और मजबूत किया है। हालांकि मारुति ग्रैंड विटारा, जो इसी प्लेटफॉर्म पर आधारित है, उससे बिक्री में आगे है, लेकिन नए फीचर्स के चलते हाइराइडर की मांग बढ़ सकती है। हाई–स्पेक वैरिएंट्स में वेंटिलेटेड फ्रंट सीट, एम्बिएंट लाइटिंग, 8–वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, रियर सनशेड और एक्यूआई मॉनिटर जैसे एडवांस फीचर्स मिलते हैं। इंजन ऑप्शंस पहले जैसे ही हैं 1.5एल माइल्ड हाइब्रिड (103 पीएस) और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड (115.56 पीएस) वैरिएंट। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वैरिएंट 27.97 किमी/द्व का माइलेज देता है, जबकि सीएनजी पर यह 26.6 किमी/किग्रा तक जाता है। इन सभी अपग्रेड्स के साथ, टोयोटा ने 2025 हाइराइडर को और आकर्षक बना दिया है। वहीं, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम अब ई वैरिएंट को छोड़ सभी में स्टैंडर्ड है। 2025 हाइराइडर के सभी ट्रिम्स में अब 6–एयरबैग स्टैंडर्ड किए गए हैं।

अमेरिकी टैरिफ में राहत के ऐलान से ग्लोबल मार्केट में जबरदस्त तेजी, गिफ्ट निफ्टी भी 3.7 प्रतिशत तक उछला

11 अप्रैल को सेंसेक्स और निफ्टी में भी दिख सकती है जबरदस्त मजबूती

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के तमाम देशों को रेसिप्रोकल टैरिफ के मामले में 90 दिनों के लिए राहत का ऐलान किया है। ट्रंप द्वारा टैरिफ में राहत दिए जाने का ऐलान करने के कारण दुनिया भर के तमाम बाजारों में जबरदस्त मजबूती नजर आ रही है। इस तेजी का असर कल के ट्रेडिंग सेशन में भारतीय बाजार में भी नजर आ सकता है। हालांकि, चीन पर अमेरिकी टैरिफ को 104 प्रतिशत से बढ़ा कर 125 प्रतिशत कर दिया गया है। चीन पर ये नया टैरिफ तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के इस टैरिफ गिफ्ट का असर गिफ्ट निफ्टी पर भी काफी हुआ है। महावीर जयंती के कारण भारतीय शेयर बाजार में छुट्टी है लेकिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के इंटरनेशनल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म गिफ्ट निफ्टी पर जबरदस्त मजबूती के साथ कारोबार हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान से उत्साहित गिफ्ट निफ्टी दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद 832.50 अंक यानी 3.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,319.50 अंक के स्तर पर पहुंच कर कारोबार कर रहा था। गिफ्ट निफ्टी की इस मजबूती से घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई के सेंसेक्स और एनएसई के निफ्टी में भी जोरदार रैली आने का संकेत मिल रहा है। की छुट्टी के बाद घरेलू शेयर बाजार कल 11 अप्रैल को कारोबार के लिए खुलेगा।

गिफ्ट निफ्टी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई के निफ्टी 50 इंडेक्स पर आधारित फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट है। इसका कारोबार गुजरात के गिफ्ट सिटी में स्थित एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज के जरिए होता है। गिफ्ट निफ्टी को पहले एसजीएक्स निफ्टी कहा जाता था। उस समय इसकी ट्रेडिंग सिंगापुर एक्सचेंज (एसजीएक्स) पर होती थी। गिफ्ट निफ्टी में दो सत्रों में ट्रेडिंग होती है। भारतीय समय के हिसाब से पहले सत्र में इसकी ट्रेडिंग सुबह 6:30 बजे से शाम 3:40 बजे तक होती है। इसी तरह दूसरे सत्र में इसकी ट्रेडिंग शाम 4:35 बजे से लेकर आधी रात के बाद 2:45 (एएम) बजे तक होती है। गिफ्ट निफ्टी की चाल के आधार पर घरेलू शेयर बाजार में होने वाले कारोबार का भी अनुमान लगाया जाता है। हालांकि कई बार ये अनुमान वास्तविकता से अलग भी होता है। घरेलू शेयर बाजार में छुट्टी होने के बावजूद गिफ्ट निफ्टी में कारोबार हो रहा है और फिलहाल यह सूचकांक जबरदस्त मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

ग्लोबल मार्केट में गिफ्ट निफ्टी के अलावा दूसरे सूचकांकों पर अगर नजर डालें तो अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान जबरदस्त मजबूती का माहौल बना हुआ था, जिसके कारण एसएंडपी 500 इंडेक्स 474.13 अंक यानी 9.52 प्रतिशत उछल कर 5,456.90 के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह नैस्डेक ने 1,857.06 अंक यानी 12.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,124.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था।

एशियाई बाजारों में भी जोरदार मजबूती नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से गिफ्ट निफ्टी समेत सभी 9 बाजारों के सूचकांक बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। अभी तक के कारोबार में ताइवान वेटेड इंडेक्स 9 प्रतिशत से अधिक उछल गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 8 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स फिलहाल 1,608.27 अंक यानी 9.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,000.03 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,743.70 अंक यानी 8.65 प्रतिशत की छलांग लगा कर 34,457.73 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

कोस्पी इंडेक्स भी फिलहाल 139.67 अंक यानी 6.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,433.37 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 170 अंक यानी 5.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,563.69 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 299.87 अंक यानी 4.78 प्रतिशत उछल कर 6,267.86 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 4.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,136.58 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 608.40 अंक यानी 3 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,872.89 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,228.81 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

द पार्क इन्दौर के एक्का रेस्टोरेंट ने लॉन्च किया नया समर मेनू

इन्दौर, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।

इन्दौर की तेज़ी से बढ़ती फूड कल्चर को एक नया आयाम देते हुए, द पार्क इन्दौर के रूफटोप रेस्टोरेंट एक्का ने अपना बिल्कुल नया समर मेनू लॉन्च किया है। इस मेनू की खासियत सिर्फ उसका जायका नहीं, बल्कि हर डिश में समाई वो अंतरराष्ट्रीय कहानी है जो स्वाद के साथ – साथ अनुभव को भी खास बनाती है। मेडिटेरेनियन, एशियन, इंडियन और इटैलियन फ्लेवर्स से सजी इस पेशकश में कटाईफी प्रॉन, स्टिकी लैम्ब चॉप्स, टोफू सोबा नूडल्स, 'अवोकाडो गलौती, रसमलाई ट्रेस लीचेस, 'साग बुरट्टा' जैसे अनोखे और इनोवेटिव डिशेज़ को शामिल किया गया है। एक्का का यह नया मेनू न सिर्फ शहर में बल्कि पूरे मध्य भारत में कैजुअल डाइनिंग के स्टैंडर्ड को एक नई ऊंचाई पर ले जाने की क्षमता रखता है।

द पार्क इन्दौर के एक्जीक्यूटिव शेफ संतोष यादव ने कहा, हमारे इस नए मेनू को हमनें केवल रेसिपीज़ का कलेक्शन नहीं बनाया, बल्कि यह एक अनुभव है, जिसे हर मेहमान महसूस कर सके, हमने हर डिश में टेक्सचर, टेम्परेचर और प्रेज़ेंटेशन पर गहराई से काम किया है ताकि मेहमानों को सिर्फ स्वाद नहीं, बल्कि एक विजुअल और सेंसेरी ट्रिप मिले। हमारा पूरा फोकस टेक्सचर, टेस्ट और फ्लेवर पर होता है, इन डिशेस की साइज़ एवं पोर्शन इन्दौर के हिसाब से रखा गया है जहाँ लोग मिल–बांटकर एक साथ खाना पसंद करते है7 हमारा उद्देश्य था कि पारंपरिक भारतीय जायकों को अंतरराष्ट्रीय शेफिंग तकनीकों के साथ मिलाकर कुछ ऐसा तैयार किया जाए जो नयापन भी दे और अपनापन भी। पिज़्ज़ा वर्डे, ठेचा पनीर टिक्का, टैको सुशी – ये कुछ ऐसे फ्यूज़न आइटम हैं जो हर वर्ग के फूड लवर्स को आकर्षित करेंगे। द पार्क इन्दौर के फूड एंड बेवरेज डायरेक्टर सुदीप कांजीलाल ने बताया, एक्का का नया समर मेनू हमारे मेहमानों की अपेक्षाओं से कहीं आगे जाने की एक कोशिश है। इन्दौर ने हमेशा से स्वाद के लिए एक अगल नजरिया दिखाया है, और एक्का में हम उस नजरिए को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। इस मेनू के ज़रिए हम न सिर्फ नए फ्लेवर्स पेश कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसी फूड जर्नी दे रहे हैं जिसमें हर व्यंजन के साथ एक नई संस्कृति की झलक मिलती है। एक्का अब सिर्फ एक डाइनिंग डेस्टिनेशन नहीं, बल्कि एक क्यूलिनरी ट्रैवल एक्सपीरियंस है – और हमें गर्व है कि यह इन्दौर जैसे स्वाद–प्रेमी शहर में लॉन्च हो रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दिल्ली पहुंचने पर...

भारत सरकार द्वारा गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत लश्कर ए तैयबा और एचयूजेआई दोनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है।बता दें कि राणा राणा पर कई धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं, जिनमें आपराधिक साजिश, भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना, हत्या, जालसाजी और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम शामिल हैं। हालांकि, मुंबई पुलिस को अभी तक उसके शहर में स्थानांतरण के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है।इस बीच, केंद्र सरकार ने 26/11 मुंबई हमले से जुड़े महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई के लिए अधिवक्ता नरेंद्र मान को विशेष लोक अभियोजक (स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर) नियुक्त किया है।यह नियुक्ति राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के मामले आरसी–04/2009/एनआईए/डीएलआई और इससे संबंधित अन्य मुकदमों के संचालन के लिए की गई है। नरेंद्र मान दिल्ली में एनआईए की विशेष अदालतों और अपीलीय अदालतों में एनआईए की ओर से पैरवी करेंगे। इसकी जानकारी सरकार ने एक आधिकारिक गजट नोटिफिकेशन के जरिए दी।नरेंद्र मान की नियुक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख यानी 10 अप्रैल, 2025 से शुरू होगी। यह नियुक्ति 3 साल की अवधि के लिए होगी। मान को यह जिम्मेदारी तीन साल के लिए दी गई है, जो इस नियुक्ति की अधिसूचना प्रकाशित होने की तारीख से लागू मानी जाएगी। यदि ट्रायल इससे पहले पूरा हो जाता है, तो जिम्मेदारी वहीं खत्म हो जाएगी।

तहव्वुर राणा को ...

श्री पूनावाला ने कहा कि पूरे भारतवर्ष का जैन समुदाय भगवान महावीर के जन्मकल्याणक, जिसे हम महावीर जयंती कहते हैं, मना रहा है। भगवान महावीर ने हमेशा अहिंसा, सत्य, शांति और न्याय का संदेश दिया और इन्हीं सिद्धांतों को अपनाने का मार्ग दिखाया। आज उन्हीं सिद्धांतों पर चलते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में काम कर रही सुरक्षा एजेंसियों, आतंकवाद विरोधी एजेंसियों, अभियोजन और खुफिया एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता और 160 से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या का दोषी, 26/11 का आतंकी तहव्वुर राणा, जिसे सात समंदर पार से भारत लाकर न्याय के कटघरे में खड़ा किया जा रहा है, यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण केवल एक सामान्य कानूनी प्रक्रिया नहीं है, यह उस नए भारत के संकल्प का प्रतीक है, जिसे 2019 में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्पष्ट किया था कि अगर कोई भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा या किसी भी निर्दोष नागरिक पर हमला करेगा, तो भारत उसे पाताल से भी खोजकर न्याय के दरवाजे तक लाएगा। यह नए भारत की सोच और उसके साहस का प्रतीक है जो अब आतंकी हमलों के सामने चुप और मूकदर्शक नहीं रहेगा, बल्कि आतंकियों को घर में घुसकर जवाब देगा। यह नए भारत का वह स्वरूप है जो पाकिस्तान प्रायोजित इस्लामिक आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता रखता है और वोट बैंक की राजनीति को राष्ट्रनीति के ऊपर हावी नहीं होने देता। यह संकल्प है कि देशहित का और राष्ट्रहित ही सर्वोपरि रहेगा। यह वही नया भारत है, जिसकी ध्वनि 26/11 की हर बरसी पर गूंजती है कि इंडिया विल नेवर फॉरगिव, इंडिया विल नेवर फॉरगेट। भारत आतंकियों को न भूलेगा, न माफ करेगा। चाहे वह पाताल में ही क्यों न हो, भारत आतंकियों की गर्दन पकड़ कर उन्हें न्याय के मार्ग पर लाने की ताकत रखता है।भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह सिर्फ 138 भारतीय पीड़ितों के लिए ही नहीं, बल्कि 26/11 हमले में मारे गए अमेरिका, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी, इटली, मलेशिया सहित 17 से 18 देशों के नागरिकों के लिए भी न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। आज श्री तुकाराम ओंबले से लेकर मेजर संदीप उन्नीकृष्णन, हवलदार श्री गजेंद्र सिंह से लेकर मुंबई पुलिस के वीर अधिकारी विजय सालस्कर तक, हर शहीद सुरक्षाकर्मी, हर एनएसजी कमांडो के प्रति यह भारत की भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। यह एक स्पष्ट संदेश भी है कि भारत अपने सुरक्षा कर्मियों की शहादत और बलिदान को कभी नहीं भूलेगा।भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कुछ सवाल उन लोगों से भी बनते हैं, जो आज भी राष्ट्रनीति पर वोट बैंक की राजनीति करते हैं। 26/11 के आतंकी हमले के बाद जब भारत को एक बड़ी सफलता मिली है, तो क्या आज वे लोग माफी माँगेंगे जिन्होंने यह कहा था कि 26/11 आरएसएस या हिंदुओं की साजिश है? क्या वे लोग जो इस तरह की किताबें लिखते हैं और फैलाते हैं, आज अपनी गलती स्वीकार करेंगे? जिन लोगों ने यह कहा था कि इस आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान नहीं, बल्कि भारत की ही एजेंसियाँ जिम्मेदार हैं, क्या वे अब माफ़ी माँगेंगे? जिन्होंने 2004 से 2014 के बीच पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद पर केवल रिपोर्ट तैयार की, पर कोई कड़ा कदम नहीं उठाया, और हमारे नागरिकों तथा शहीद सुरक्षा बलों की शहादत के प्रति कोई सम्मान नहीं दिखाया – क्या अब उस समय की सत्ताधारी पार्टी इसके लिए माफ़ी माँगेगी?

श्री पूनावाला ने कहा कि आज भी जब आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया जाता है, तब कुछ लोग वोट बैंक की राजनीति के तहत उसका विरोध करते हैं। चाहे बात यूएपीए कानून को सख्त करने की हो, पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की हो, या नए बीएनएस कानून में आतंकवाद की परिभाषा जोड़ने की, वे हर बार उसका विरोध करते हैं।

जब पीएमएलए और एनआईए एक्ट को मज़बूत किया जाता है, तब भी विरोध होता है, जब अफजल गुरु और याकूब मेमन जैसे आतंकवादियों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा फांसी दी जाती है, तो ऐसे आतंकियों के प्रति कभी किसी विश्वविद्यालय परिसर में या मर्सी पेटिशन के माध्यम से सहानुभूति व्यक्त की जाती है। क्या अब ऐसे लोग उन सभी पीड़ितों से माफी माँगेंगे जो वर्षों से आतंकवाद का दंश झेल रहे हैं? और अंत में, क्या कांग्रेस पार्टी यह बताएगी कि क्या अब वह आतंकवाद पर वोट बैंक की राजनीति बंद करेगी? क्या वह नक्सलवाद, अनुच्छेद 370, और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के प्रति अपनाए गए सॉफ्ट रुख को अब छोड़ेगी? क्या कांग्रेस पार्टी और उसका शीर्ष नेतृत्व अब इसे रोकने का काम करेगा? आज उन्हें इसका जवाब देना चाहिए।

यूक्रेन–रूस संघर्ष में ...

अपने लाभ के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सकें और अभिनव समाधान निकाल सकें। आपको अपने संबंधित सशस्त्र बलों का दूत बनना चाहिए। परिवर्तन के दूत बनें और बड़े पैमाने पर समाज के बीच आदर्श रोल मॉडल बनें।हाल ही में म्यांमार और थाईलैंड में आए भीषण भूकंप और यहां भारत के समर्थन पर उन्होंने कहा, भारत संकट के समय हमेशा सबसे पहले अपने मित्रों के साथ खड़ा रहा है। हम म्यांमार के लोगों को समय पर राहत पहुंचाने को अपना कर्तव्य समझते हैं।10 अप्रैल को वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेस स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) के 80वें स्टाफ कोर्स का दीक्षांत समारोह था। 80वें स्टाफ कोर्स में 479 अधिकारी शामिल हैं, जिनमें 26 मित्र देशों के 38 अधिकारी भी सम्मिलित हैं। इस कोर्स में तीन महिला अधिकारी भी भाग ले रही हैं। राजनाथ सिंह ने समारोह से पहले, मद्रास रेजिमेंट युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और वीरों को श्रद्धांजलि दी।उन्होंने देश के लिए उनके अमूल्य योगदान को स्वीकार करते हुए दिग्गजों से बातचीत भी की। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

वक्फ कानून की ...

उस समय की कांग्रेस सरकार ने बिना किसी सबूत के उनके दावों का समर्थन किया था।उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह, वक्फ ने दिल्ली में 123 सरकारी संपत्तियों पर दावा किया था और तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने उनके दावों का समर्थन किया था तथा एफिडेविट तक दिया था। वक्फ कानून में 2013 के संशोधनों के आधार पर संपूर्ण देश में वक्फ के दावों की झड़ी लग गई और ऐसा लग रहा था मानो ये पूरे देश को ही वक्फ की संपत्ति घोषित करके कुछ मौलवियों की निजी मलकीयत बना दी जाएगी।उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज का एक बड़ा वर्ग ओवैसी जैसे नेताओं की असलियत को समझता है। देश की जनता राहुल और अखिलेश जैसे सेक्युलर माफियाओं को बखूबी जान चुकी है। इन लोगों को मालूम है कि कानून की असलियत क्या है और इन लोगों की क्या है? यह पूरे देश को मालूम चल गया है। अब इस गठजोड़ को विरोध के नाम पर दंगों और दंगाइयों से दूर रहकर अपनी इन हरकतों से बाज आना चाहिए।आज जिस प्रकार की विरोध के नाम पर संपूर्ण देश में हिंसा भड़काने की कोशिश की जा रही है, वह किसी हालत में स्वीकार्य नहीं हो सकती। विरोध करने का अधिकार है, देश को दंगों की आग में झोंकने का अधिकार किसी को नहीं है।

हम चुपचाप नहीं...

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, अमेरिका का उद्देश्य लोगों का समर्थन नहीं जीत पाया और विफल हो जाएगा। चीन चुपचाप नहीं बैठेगा और अपने लोगों के वैध अधिकारों और हितों को वंचित नहीं होने देगा।

लाल किला और ...

सूचना सुबह 9.03 बजे मिली और टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं।दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि बम निरोधक दल और सीआईएसएफ ने कॉल मिलने पर पूरे परिसर की गहन जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। वहीं, एक अन्य खबर में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मंगलवार को बिहार में गया जिले के एक जंगल में पुलिस और सीआरपीएफ के साथ मिलकर भाकपा (माओवादी) कार्यकर्ताओं द्वारा छिपाकर रखे गए दो आईईडी बरामद किए। एनआईए को सोमवार को खुफिया जानकारी मिली थी कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) आतंकवादी संगठन ने गया में लुटुवा क्षेत्र के भुसिया वन क्षेत्र में दो आईईडी छिपाकर रखे हैं। इस आतंकवाद निरोधक एजेंसी ने इस खुफिया सूचना का विश्लेषण करने के बाद एक दल इलाके में भेजा। एनआईए ने एक बयान में कहा कि टीम ने राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ दुर्गम वन क्षेत्र में आईईडी का पता लगाने के लिए सावधानीपूर्वक और सुरक्षित अभियान की योजना बनाई। बयान में कहा गया है कि तलाशी अभियान के दौरान तीन–तीन किलोग्राम के दो आईईडी बरामद किए गए, जिन्हें कारी पहाड़ी की दो चट्टानों के नीचे नीचे छिपाया गया था।

युवाओं, उद्योगपतियों...

उन्होंने कहा कि एमएसएमई सबसे बड़ी पूंजी है और अगर देखें तो किसी भी उद्योग ने सालों पहले एक लघु उद्योग के रूप में ही शुरूआत की होगी।

उन्होंने कहा कि गुजरात के लघु उद्योगों ने देश के औद्योगिक विकास में अच्छा योगदान दिया है। चैम्बर को लघु उद्योगों की परंपरा को स्टार्टअप के साथ जोड़कर और उसे आधुनिक बनाकर युवाओं के लिए एक संपूर्ण तंत्र उपलब्ध कराना चाहिए। साथ ही उसे सरकार, लघु उद्योग और साहसिक युवा के बीच सेतु का काम भी करना चाहिए।

श्री शाह ने कहा कि आने वाले समय में अगर चैम्बर को प्रासंगिक रहना है तो कार्यक्रमों के आयोजन मात्र से बाहर निकलकर उद्योगों, औद्योगिक क्षेत्र में कदम रखने वाले साहसी युवाओं और उद्योगपतियों – तीनों को मदद करने के लिए चैम्बर में एक स्थायी तंत्र बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चैम्बर के पदाधिकारी अगर पेशेवर लोगों के साथ एक तंत्र बनाएं तो अगले 25 वर्ष तक चैम्बर की प्रासंगिकता बनी रहेगी। इसके साथ ही सरकार और नए उद्योगपति, सरकार और युवाओं और सरकार और विकास करने की इच्छा रखनेवाले उद्योगपतियों के बीच सेतु बनने का काम चैम्बर सरलता से कर सकता है।

एसबीआई ने बदले...

वहीं, अगर आप बैलेंस चेक या मिनी स्टेटमेंट के लिए एसबीआई एटीएम का इस्तेमाल करते हैं तो कोई चार्ज नहीं लगेगा। लेकिन अगर आप दूसरे बैंक के एटीएम पर ऐसा करते हैं तो आपको 10 रुपए + जीएसटी देना होगा।अगर आपके खाते में कम पैसे हैं और ट्रांजेक्शन फेल हो जाता है तो एसबीआई 20 रुपये + जीएसटी का जुर्माना लगाएगा। यह नियम पहले से ही लागू है और इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 11 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री अग्रसेन एवं महालक्ष्मी रथ यात्रा का निजामाबाद में भव्य स्वागत

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में आयोजित अग्रसेनजी महाराज एवं महालक्ष्मी जी की अखंड दिव्य ज्योत की रथ यात्रा कल निजमाबाद पहुंचने पर अग्रवाल समाज के महिला, पुरुष और बच्चों ने भव्य स्वागत किया।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि रथ यात्रा निर्मल से बालकाण्ड होते हुए निजामाबाद दोपहर में पहुंची। हाईवे पर स्थित होटल अंगीठी से बाइक रैली के साथ सभी अग्र बंधुओं ने रथ यात्रा को शहर भ्रमण के बाद मारवाड़ी भवन पहुंचाया और बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने आरती और भजन किया। साय आरती के समय अग्र बंधुओं के अतिरिक्त सभी समाज बंधुओं ने भव्य आरती की और प्रसाद पाया। निजामाबाद अग्रवाल समाज के अध्यक्ष वेदप्रकाश बंसल के साथ मंत्री वेदप्रकाश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, सुशील केडिया और उनके साथी पदाधिकारियों ने रथ यात्रा के आयोजन में भरपूर व्यवस्था की।

रथयात्रा के प्रधान संयोजक महावीरप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कई डिस्ट्रिक्ट्स के 22 दिन की यात्रा के बाद अग्र महालक्ष्मी ज्योत आज हैदराबाद कोमपली पहुंची। हैदराबाद शहर में रथ यात्रा पांच दिनों तक रहकर शहर के पांचों दिशाओं में फैले सभी अग्रबन्धुओ तक पहुंच कर दिव्य जोत के दर्शन करवाएगी।

अध्यक्ष योगेश जैन ने बताया कि प्रथम दिन 11 अप्रैल को रथ यात्रा कोमपल्ली से बोइनपल्ली, सिकंदराबाद, मलकाजगिरी सफीलगुडा, हब्शीगुंडा, मलकपेट आदि प्रांतों का भ्रमण करेगी। दूसरे दिन 12 अप्रैल को ज्ञानबाग कॉलोनी, अगपुरा, गोशामहल, आबिद रोड, अशोक नगर, रामनगर, काचीगुड़ा, दोमलगुड़ा, हिमायतनगर, हैदरगुड़ा आदि प्रांतों में भ्रमण करेगी।

तीसरे दिन रविवार होने की वजह से 13 अप्रैल को चारमीनार भाग्यलक्ष्मी मंदिर पर प्रातः एक मंचीय कार्यक्रम होगा जिसमें अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग एवं महा मंत्री गोपाल गोयल सभा को संबोधित करेंगे। और हैदराबाद के गणमान्य व्यक्ति अतिथि होंगे। अग्रोहा में निर्माणाधीन आद्यलक्ष्मी मंदिर के सहयोगियों और अतिथियों का सम्मान किया जाएगा। तत् पश्चात चारमीनार से भव्य शोभा यात्रा प्रारंभ होगी जिसमें तीनसौ से भी अधिक महिलाएं अपने साथ सभी तीर्थ स्थलों से प्राप्त महालक्ष्मी जल का कलश लेकर यात्रा करेंगे। पुरुष ध्वज के साथ होंगे। रथ यात्रा घोड़ा बग्गी, बैंड, बजा, भजन आदि के साथ गुलज़ार हाउस, चार कमान, मामा जुमला फाटक, बड़ का झाड़, पुराना महिला पुलिस थाना, हाइकोर्ट, रोड से होते हुए पी सत्यनारायण भवन पहुंचेगी। कई सामाजिक संस्थाएं मार्ग में स्वागत मंच लगा कर पुष्प वर्षा करेगी। शाम को मुरली नगर, बहादुरपुरा का भ्रमण करेगी।

पांचवें दिन 14 अप्रैल को रथ यात्रा आदर्श नगर, लकड़ी का पुल, अमीरपेट, कुकटपल्ली, लिंगमपली, गच्चीबोली, दूरगमचेरुवु आदि प्रांतों का भ्रमण करेगी।

पांचवें दिन 15 अप्रैल को रथ यात्रा बंजारा हिल्स, महनदीपटनाम, शिवरामपल्ली, अत्तापुर, सनराइज अतापुर आदी प्रांतों का भ्रमण करेगी।

दि. 16 अप्रैल को प्रातः हैदराबाद से रथ यात्रा बीदार (कर्नाटक) के लिए रवाना हो जाएगी। मंत्री विनय जैन ने सभी अग्र बंधुओं से निवेदन किया कि वे अपने अपने प्रांत में महालक्ष्मीजी की दिव्यजोत आने पर अद्भुत दर्शन अवश्य करी। यह दिव्य जोत महाराज अग्रसेनजी को महा लक्ष्मीजी के दर्शन के समय से चली आ रही जोत है। रथ यात्रा की अधिक जानकारी प्रतिदिन समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त होगी।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर –सतीश गुप्ता–सतीश गुप्ता,आशा अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोपाल गोयल, भगतराम गोयल, ई. जगन, संजय गोयल, श्याम सुंदर अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल एवं अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

भगवान महावीर द्वारा बताए गए सिद्धांत अनुसरण योग्य : तलसानी

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व मंत्री एवं सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि भगवान महावीर द्वारा बताए गए पांच सिद्धांत अनुसरण योग्य हैं। उन्होंने गुरुवार को महावीर जयंती के अवसर पर नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में जैन सेवा संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सर्वप्रथम भगवान महावीर के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इसके बाद उन्होंने जैन गुरुओं का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि महावीर की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए जैन समाज के तत्वावधान में अनेक सेवा कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महावीर अस्पताल बहुत गरीब लोगों को बहुत कम कीमत पर इलाज उपलब्ध कराकर उनकी मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार के

10 वर्षों के दौरान राज्य के सभी वर्गों के लोग बहुत खुश थे, लेकिन उन्होंने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि कांग्रेस के सत्ता में आने के मात्र 15 महीने बाद ही राज्य में स्थिति असामान्य हो गई। उन्होंने कहा कि जैन समाज भवन के निर्माण के लिए बीआरएस सरकार द्वारा दी गई जमीन पर भव्य भवन का निर्माण किया जाना चाहिए। इस अवसर पर तलसानी का अभिनंदन किया गया(क कार्यक्रम में जैन समाज अध्यक्ष योगेश जैन, सुभाष जैन, हिमांशु बापना, विनोद संचेती, अशोक, विमल मुता, अमित जैन, प्रवीण पांड्या, मोहनलाल जैन सहित अन्य शामिल हुए।

हास्य, श्रृंगार एवं वीर रस का अ. भा. कवि सम्मेलन 13 को

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगर की राजस्थानी एवं हरियाणा समाज की सशक्त संस्था आप और हम संस्था द्वारा विभिन्न सेवा योजनाओं के सहायतार्थ, हास्य, श्रृंगार एवं वीर रस प्रधान का अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का आयोजन, आगामी रविवार 13 अप्रैल को 6:30 बजे से लकड़ी का पुल स्थित एफटीसीसीआई हॉल रेड हिल्स लकड़ी का पुल में आयोजित किया जाएगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि एक लंबे अरसे के बाद देश के ख्याति प्राप्त कवियों को देश के कोने-कोने से कविता पाठ हेतु हैदराबाद में आमंत्रित किया जा रहा है।

इस कवि सम्मेलन का संचालन देवास मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध कवि शशिकांत यादव करेंगे। साथ ही दी ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज के विजेता कोटा राजस्थान के कवि सुरेश अलबेला अपने अंदाज में हास्य व्यंग्य की कविताएं प्रस्तुत करेंगे। इसी कडी में नगर में पहली बार पधारने वाले मंदसौर मध्य प्रदेश के कवि मुन्ना बैटरी, दिल्ली के चेतन चर्चित, जोधपुर की कवयित्री आयुषी राखेचा, गुड़गांव हरियाणा के सुंदर कटारिया इस कवि सम्मेलन में अपनी श्रेष्ठतम हास्य श्रृंगार और वीर रस की कविताएं प्रस्तुत करेंगे। संस्था के अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत ने विज्ञप्ति में बताया कि कवि सम्मेलन को सफल बनाने हेतु कार्यवाहक कोषाध्यक्ष रामकिशोर भडलीवाल, सह-संयोजक मंडल के जितेन्द्र विजयवर्गीय, दीपकदयाल दादू, नारायणलाल घोड़ावड़, सुरेशकुमार बोड़ावड़, रिंकु गर्ग, संयोजक मंडल के सदस्य उत्तमचन्द सेठिया, सीए निर्मल सिंघवी, विजय सुराणा, हरिकिशन ओझा, दिलीप डागा, विनोद संचेती, मीना कासलीवाल, सीए चन्द्रप्रकाश रांका, सविता राजेश रायसोनी, इन्दिरा बजाज, हर्षलता दुधोदिया, परसराम बर्फा सिरवी, पंकज वर्मा, प्रवीण पाण्ड्या, राजगोपाल व्यास, रामरख जांगिड़, नारायणलाल पीपादर्जी, सपना गुप्ता, नीलम गुप्ता, शोभा डागा, नारायण कड़ेल, अनिता शर्मा, रिंकल गुप्ता, मिटू शर्मा, पारसमल चाणोदिया, संगीता लड्डा, श्रीलाल पारीक, रामदेव नागला, सुरेन्द्र सुथार, थानाराम बिश्नोई, हिमांशु बाफणा, रामलाल विश्नोई, गिरीराज पोद्दार, सुमन बजाज, अल्का साँखला आदि का सहयोग प्राप्त हो रहा है।मंत्री सोहनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि हाल में बैठने की व्यवस्था सीमित होने के कारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सहयोग प्रवेश पत्र वितरित किए जा रहे हैं, जिसे पदाधिकारियों से संपर्क कर प्राप्त किए जा सकते हैं।

हनुमान उत्सव समिति की शोभा यात्रा कल

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हनुमान उत्सव समिति बंजारा हिल्स भाग्यनगर के तत्वावधान में हनुमान जी की शोभायात्रा शनिवार दि. 12 अप्रैल 2025 को प्रातः 9:00 बजे से हनुमान जी की शोभायात्रा रोड नंबर 13 बंजारा हिल्स से आरंभ होकर रोड नंबर 12 कमान, एनबीटी नगर, एमएलए कॉलोनी, ओमेगा हॉस्पिटल, अग्रसेन चौक, पुलिस कमिश्नर ऑफिस से रोड नंबर 12 कमान पर समाप्त होगी।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में समिति के महासचिव सतीश कुमार जाजू ने बताया कि कमान रोड नंबर 12 पर महाप्रसादी का आयोजन हनुमान उत्सव समिति द्वारा किया जाएगा।

सभी सनातनियों एवं हनुमान भक्तों से बंड़ी संख्या में पधार कर यात्रा को सफल बनासने एवं महाप्रसादी का लाभ लेने का अनुरोध किया गया।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आज दि. 10.04.2025 को हिंदी कार्यशालाओं की श्रृंखला का उद्घाटन किया गया। यह हिंदी कार्यशाला की श्रृंखला मिधानि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में आरंभ की गई। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उद्यम के मानव संसाधन विभाग के प्रभारी अपर महाप्रबंधक हरिकृष्ण वी. ने प्रतिभागियों का हिंदी कार्यशाला में स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि कार्यालय के दैनिक काम-काज में हिंदी के प्रयोग में आने वाली कठिनाइयों को हल करने, इसके प्रयोग के सरल तरीकों पर चर्चा करके उपयोगकर्ताओं की झिझक दूर करने के लिए किया जाता है। यह विशेष ध्यान रखा जाता है कि कार्यक्रम में मानक हिंदी लिपि, व्यावहारिक व्याकरण, प्रशासनिक एवं तकनीकी शब्दावली का दैनिक काम-काज में प्रयोग, व्यावहारिक अनुवाद,

आलेखन एवं टिप्पण, राजभाषा नीति आदि विषयों को शामिल किया जाए। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि कार्यशाला के सत्रों का लाभ उठाएँ और राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी प्रबंधन की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करें।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में आरसीआई के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. काजिम अहमद ने राजभाषा के कार्यान्वयन में कर्मचारियों की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने राजभाषा नीति के संवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 की जानकारी दी। राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार के कार्यालय में किए जा रहे प्रयासों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने प्रतिभागियों को हिंदी में कामकाज करने के लिए प्रेरित किया।

द्वितीय सत्र में हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के सहायक निदेशक (से.नि.) मु. कमालुद्दीन ने कार्यालयीन कामकाज में प्रयुक्त प्रशासनिक शब्दावली व संक्षिप्त नेमी टिप्पणियों पर व्याख्यान दिया। प्रशासनिक शब्दावली के निर्माण पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके अनुप्रोयग के विभिन्न संदर्भों से प्रतिभागियों का परिचय कराया। साथ ही, उन्होंने कार्यालयीन भाषा की शब्दावली के प्रयोग का अभ्यास भी कराया।

तृतीय सत्र में इस्कॉन हैदराबाद के गीता संदेश प्रबंधक श्री ऋषिकेश दास ने एक बेहतर व्यक्तित्व विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान स्वयं के सबसे बुरे और बेहतर संस्करण के गुणों से प्रतिभागियों को परिचित कराया। उन्होंने बुरे और बेहतर संस्करण के गुणों की उदाहरण के साथ व्याख्या की और बेहतर संस्करण के गुण जैसे कि – सत्यनिष्ठता, कृतज्ञता, क्षमाशीलता, वफादार/निष्ठावान, जिम्मेदरी और सक्रियता, स्थिर मन/ध्यान पूर्ण, संसाधन संपन्नता, देशभक्त, अनुशासित, दृढ़ निश्चयी, दूरदर्शीता, तकनीकी रूप से कुशलता, दयालु व दूसरों को शिक्षित करना, दूसरों की मदद करना, संतुष्टता तथा आध्यात्मिकता को अपने जीवन में अपनाने के लाभों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने स्वयं का बेहतर संस्करण बनाने के लिए दृष्टिकोण बदलने और जीवन में सत्संगती, अच्छी पुस्तकों का पठन, ध्यान, आहार और सद्भावपूर्ण क्रियाकलापों से जुड़ने का सुझाव दिया। श्री ऋषिकेश दास ने प्रतिभागियों को कार्यालय का काम राजभाषा में करने के लिए राजभाषा शपथ भी दिलाई।

कार्यशाला का संचालन उद्यम के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्रीमती डी.वी. रत्नकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालक और डाक अनुभाग के जयपाल का सक्रिय योगदान रहा।

बालवीर हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव कल

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री बालवीर हनुमान मंदिर नामपल्ली रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नं.1 पर श्री श्री प्रभुदयाल महाराज के सान्निध्य में शनिवार दि. 12 अप्रैल को प्रातः 7.21 से हनुमान जी का जन्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

प्रातः 7.40 से श्री रामदरबार का अभिषेक व हनुमान जी का चोला श्रृंगार होगा। दोपहर 2.31 बज से सिखवाल महिला मंडल व अन्य महिलाओं द्वारा भजनों का कार्यक्रम किया जाएगा। सायं 6.11 बजे से आरती के पश्चात प्रसादी का आयोजन होगा। महाराज जी ने सभी भक्तों को एवं धर्मप्रेमियों को सपरिवार उक्त कार्यक्रम में पधारकर हनुमान जी के आलौकिक श्रृंगार के दर्शन व प्रसादी का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा की कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल के निवास पर उनकी अध्यक्षता में आयोजित की गई । एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा आयोजित कुलदेवी महालक्ष्मी जी की रथ यात्रा विभिन्न शहरों

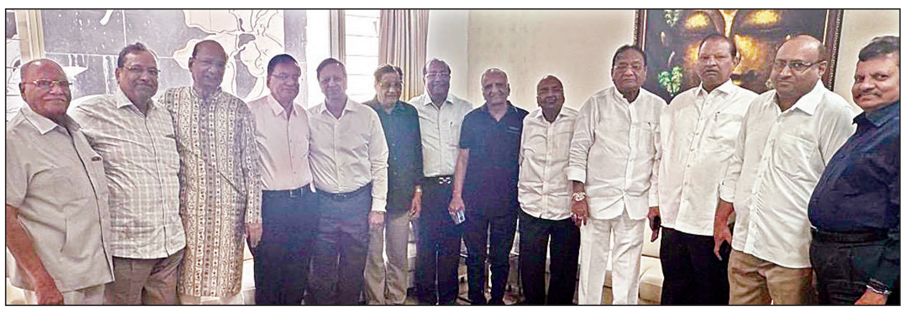

से होती हुई हैदराबाद पहुंच रही है अतः शाखा द्वारा महालक्ष्मी जी का पूजन एवं आरती का कार्यक्रम मंगलवार 15 अप्रैल को प्रातः 8-30 बजे से 9-30 बजे तक बंजारा हिल्स रोड नम्बर 12 पर स्थित फार्च्यून 1, श्री निवास बिल्डर्स में आयोजित किया जाएगा । तत्पश्चात् शोभा यात्रा के रूप में 10 बजे अग्रसेन चौक जाकर महाराजा अग्रसेन जी को माल्यार्पण किया जाएगा । शाखा के सभी सदस्यों से परिवार सहित उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफलता प्रदान करवाने हेतु विनम्र आग्रह है । शाखा की वार्षिक साधारण सभा रविवार 25 मई को आयोजित की जाएगी जिसमे शाखा के पाँच पदाधिकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मानद मंत्री, सह मंत्री, कोषाध्यक्ष एवं केंद्रीय समिति सदस्यों का चुनाव किया जाएगा । चुनाव हेतु सुरेश कुमार अग्रवाल, दिल्ली वालों को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में अजय दोचानिया को नियुक्त किया गया । कोषाध्यक्ष से साधारण सभा में लेखा जोखा प्रस्तुत करने हेतु तथा मानद मंत्री को शाखा की गति विधियों की जानकारी हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया । बैठक में अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष ताराचंद बंसल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल, सह मंत्री कैलाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, परामर्श दाता विठ्ठल दास अग्रवाल, मनसाराम अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य अजय कुमार दोचानिया, शंकर लाल अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे । मानद मंत्री के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

सिकंदराबाद में रुद्राभिषेक पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्य पुष्पेंद्र शुक्ला, सुनील कुमार पाण्डेय, प्रकाश गर्ग, राजू महराज, नितिन ऊर्मालिया, सरल मिश्रा, स्वाति मिश्रा, अथर्व मिश्रा एवं आदि उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(https://ireps.gov.in के माध्यम से) PUB/0370

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीई/सी/पीएलजी एंड एसवाई/एससी निर्माण संगठन, द.म.रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए क्रमशः ई-निविदा आमंत्रित है :
क्रम.सं.: 1 एनआईटी सं.: 07-सीएओ-सी-एससी-2025 दिनांक: 09/04/2025, **कार्य का नाम:** एससीआर निर्माण संगठन निजामाबाद स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन प्रदान करने और अतिरिक्त प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए यार्ड व्यवस्था के रीमॉडलिंग के लिए ट्रैक के निर्माण, बिछाने और जोड़ने, रेल की वेल्डिंग, प्लेटफॉर्म का निर्माण, मौजूदा पुलों, पहुंच सड़कों आदि का विस्तार। **विवरण: अनुमानित लागत:** रु. 34,19,43,602.41 **पूधरा** रु.: 18,59,700.00 **पूरा करने की अवधि:** 18 (अठारह) महीने। **खुलने की तिथि :** 01/05/2025 15:00 बजे) (i) बोली दस्तावेज और अन्य विवरण के लिए, कृपया वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर लॉग इन करें। ii) निविदाकर्ता निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के दौरान अपने प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं जो निविदा बंद होने से पहले पंद्रह दिन की अवधि है। iii) निविदाकर्ताओं को निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के प्रारंभ होने की तिथि तक किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) पर नजर रखनी चाहिए।
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/सिकंदराबाद

निविदा सं. 02-2025-26_Sr_Tr_HYB, दि.: 09-04-2025 PUB/0371

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **सीनियर डीईई/टीआर/एचवाईबी** द्वारा निविदा सं. 02/2025-26/Sr_Tr_HYB, दि. : 09-04-2025 के विरुद्ध ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। **अंतिम तिथि: 02-05-2025, 15:00 बजे।** बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा।

क्रम. सं. 1 कार्य का विवरण : निविदा सं. 02-2025-26/**Sr_DEE_Tr_HYB**: हैदराबाद डिवीजन: वाडियारम और मसाईपेट स्टेशनों, हैदराबाद, तेलंगाना के बीच किमी 0/04-06 पर पुल संख्या 636ए (आरओबी) का प्रस्तावित निर्माण **अनुमानित लागत:** रु. 25,26,785.97/- **पूधरा**: रु. 50,500/- **समापन अवधि** : 4 महीने **समापन की तिथि** : 02-05-2025 **वेबसाइट विवरण:** https://ireps.gov.in नोटिस बोर्ड स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है: Sr.DEE/Tr/HYB का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025.
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (ट्रैक्शन) हैदराबाद

निविदा सं. 06-2025-26/Sr_DEE_Tr_HYB दि. : 09-04-2025 PUB/0372

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **Sr_DEE_Tr_HYB**, द्वारा निविदा सं. 06-2025-26/**Sr_DEE_Tr_HYB** दि.: 09-04-2025, **समापन तिथि:** 02-05-2025, 15:00 **बजे तक** ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा।

क्रम. सं. 1 कार्य का विवरण निविदा सं.06-2025-26/**Sr_DEE_Tr_HYB**: हैदराबाद डिवीजन: 1. टीएमएक्स डीपीएमटी साइडिंग रोड -1 और 2 पर ओएचई टर्मिनेशन का संशोधन। 2. टीएमएक्स डीपीएमटी साइडिंग रोड पर ओएचई टर्मिनेशन का संशोधन 3. **अनुमानित लागत:** रु. 14,89,693.40/- **पूधरा:** रु.29,800/- **पूरा करने की अवधि** : 4 महीने. **समापन की तिथि** : 02-05-2025
वेबसाइट विवरण: www:ireps.gov.in नोटिस बोर्ड स्थान जहाँ निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है: Sr_DEE_Tr_HYB, का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025.
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (ट्रैक्शन) हैदराबाद

निविदा सं. 07-2025-26/Sr_DEE_Tr_HYB दि.:09-04-2025 PUB/0373

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **Sr_DEE_Tr_HYB** द्वारा निविदा सं. 07-2025-26_Sr_DEE_Tr_HYB, दि.: 09-04-2025 **समापन तिथि** 02-05-2025, 15:00 **बजे तक** ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा।

क्रम. सं. 1 कार्य का विवरण निविदा सं. 07-2025-26_**Sr_DEE_Tr_HYB** : हैदराबाद डिवीजन: 02 वर्ष की अवधि के लिए जनकमपेट (जेकेएम), मनोपाड़ (एमओए) और मक्तल (एमकेटीएल) ट्रैक्शन सब-स्टेशन (टीएसएस) पर टीएसएस के टीएसएस ऑपरेटरों (निगरानी और डेटा रिकॉर्डिंग) की आउटसोर्सिंग। **लगभग लागत:** रु. 64,00,143.36 **पूधरा :** रु. 1,28,000.00 **समापन अवधि** : 24 महीने **समापन की तिथि** 02-05-2025 **वेबसाइट विवरण www:ireps.gov.in** नोटिस बोर्ड स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है: Sr.DEE/Tr/HYB का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025.
वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता (ट्रैक्शन) हैदराबाद
A0467

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

अग्रवाल समाज आबिड्स शाखा की सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज एबीड्स शाखा की सभा द रेजिडेंस अजीज मंजिल किंग कोटी पर की गई पीडी गुप्ता अध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सभा में शाखा की वार्षिक साधारण सभा रविवार 27 अप्रैल को सुबह 11 : 00 बजे से आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया। विज्ञप्ति के अनुसार आवश्यकता अनुसार शाखा के वार्षिक चुनाव वार्षिक सभा के दौरान होंगे। इसके लिए श्र दिनेश रूंगटा को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा शाखा द्वारा वर्ष 2024 25 का लेखा-जोखा भी कोषाध्यक्ष के जरिए प्रस्तुत किया जाएगा तथा वर्ष 2025 के लिए सावन की सैर की भी चर्चा की जाएगी। सभी सदस्यों से निवेदन किया गया है कि वह समय पर होटल ब्लू बेसिल हिमायत नगर पर पहुंच कर प्रोग्राम को सफल बनाएं एवं सावन की सैर के लिए बढ़-चढ़कर हिस्सा ले । संजय अग्रवाल ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया सभा में उपस्थित पीडी गुप्ता, प्रमोद अग्रवाल, अनिकेत जालान, सूर्य कमल गुप्ता, संजय अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, दिनेश रूंगटा एवं अन्य उपस्थित थे ।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 143वां निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 13 को

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा यापराल स्थित जिला परिषद हाई स्कूल के सहयोग से 143 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार 13 अप्रैल को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक यपराल महाकाली मंदिर के पास स्थित जेडपी हाई स्कूल में एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल किम्स सनशाइन अस्पताल,श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद, रेनबो चिल्ड्रन्स हार्ट इंस्टीट्यूट के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की गई जाएगी एवं योग्य को चश्मों का वितरण एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा ईएनटी, आर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी, ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप आदि की जांच की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा कृत्रिम अंग वितरण का शिविर लगाया जाएगा और जरूरतमंदों को निशुल्क कृत्रिम अंग, कैलिपर्स आदि का वितरण किया जाएगा। साथ ही निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था की जाएगी। रेनबो चिल्ड्रन्स हार्ट इंस्टीट्यूट द्वारा शिशु रोग की जांच की जाएगी। शिविर में एसएनआर डेंटल क्लीनिक के डॉ. निखिल द्वारा दांतों की जांच तथा फिजियोथैरेपी की व्यवस्था, अवसर पर जनरल फिजीशियन के सेवा डॉ.अखिल्स क्लीनिक के डॉ.अखिल सुगंधी एवं डॉ.मीनल खारिया सुगंधी द्वारा दी जाएगी। शिविर 13 अप्रैल को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा जबकि रोगियों के नाम का पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक रहेगा सभी निवासियों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, डॉ.राजीव सिंह, जी.मनोहर (जीएचएम) एवं वेंकटेश से संपर्क किया जा सकता है।

सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा कि वार्षिक साधारण सभा और चुनाव 14 को

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा की कार्यकरिणी बैठक शाखा कोषाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अग्रवाल के निवास स्थान मलकपेट में संपन्न हुई।

सर्वप्रथम महाराज अग्रसेन जी को नमन करते हुए शाखा अध्यक्ष श्रीमती नीति अग्रवाल जी ने बैठक में उपस्थित सभी कार्यकरिणी सदस्यों का स्वागत किया। शाखा द्वारा 14 अप्रैल 2025 को मलकपेट स्थित होटल भाग्यलक्ष्मी ढाबा में शाखा की वार्षिक साधारण सभा और चुनाव आयोजित करने का निर्णय लिया गया। श्रीमती सुजाता अग्रवाल, शिवकुमार अग्रवाल जी और खेमचंद अग्रवाल जी को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। मलकपेट शाखा, कोत्तापेट शाखा, सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा और दिलसुखनगर शाखा 11 अप्रैल 2025 शुक्रवार को अग्रसेन महाराज और भाग्यलक्ष्मी जन आशीर्वाद रथ यात्रा का स्वागत भाग्यश्री फंक्शन हॉल में किया जाएगा। शाखा अध्यक्ष द्वारा इस अवसर पर ज्यादा से ज्यादा लोगों को उपस्थित रहने की अपील की गई।

इस बैठक में अध्यक्ष श्रीमती नीति अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुनीता तुलस्यान,मंत्री रानी मित्तल, कोषाध्यक्षा पुष्पा अग्रवाल, सह-मंत्री मीना अग्रवाल, परामर्शदात्री संतोष, निर्मला, कविता,जगदंबा, आशा, अलका, कमला उपस्थित थे।

अत्तापुर में रामलक्ष्मण जानकी झांकी का नगर भ्रमण सम्पन्न

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर स्थित ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर में रामनवमी के कल्याणम के पश्चात दशमी सोमवार की रात्रि को मंदिर प्रांगण में रावण दहन से किया गया। तत्पश्चात बुधवार को राम लक्ष्मण जानकी झांकी को राम भक्तों ने बड़े सुंदर ढंग से सजाकर गाजे बाजे के साथ क्षेत्र के विभिन्न मार्गो से होते हुए नगर भ्रमण करवाया। जिसका अनेक जगह पर विधिवत पूजा अर्चना कर भव्य रूप से स्वागत किया गया। इस मौके पर श्री रामचंद्र स्वामी भक्त मंडल के अनेक कार्यकर्ताओं ने भगवान रामचंद्र जी की झांकी (पालकी) को कंधे पर ले हजारों लोगों को झांकी के दर्शन करवाएं तथा जय श्रीराम के नारों से क्षेत्र को गुंजाईमान कर दिया। इस अवसर पर पत्रकार रघु, ठाकुर अर्जुन सिंह, समाज-सेवी वनम श्रीराम रेड्डी, महेश मुधीराज, बालू सुब्रमण्यम, श्रीकांत, पवन भारती, वीवीएसआर अंजनैयुलू शाहित अनेक लोग मोजूद थे। मंदिर पुजारी श्रीनिवास ने सभी राम भक्तों को विधिवत पूजा करवाई। श्री श्याम मित्र मंडल के श्याम भक्तों ने भी पालकी का भव्य रूप से स्वागत किया। पालकी भ्रमण में अत्तापुर पुलिस इंस्पेक्टर नागेश्वर राव अपनी टीम के साथ पुलिस बंदोबस्त किया।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 94,880/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 94,830/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,847.15
-379.93 -0.51% ↓
एनएसई :22,399.15
-136.70 (-0.61%) ↓

जनसामान्य पंचगव्य चिकित्सा पद्धति को अपनाए : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में गुरुवार को प्रदर्शनी मैदान में श्री जैन सेवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में तेलंगाना गोशाला फेडरेशन द्वारा निःशुल्क पंचगव्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक प्रेमचन्द मुनोत द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि शिविर में 143 रोगियों ने उपस्थित रहकर निःशुल्क औषधियां प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि शिविर का उद्घाटन अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष महेश अग्रवाल द्वारा किया गया एवं डॉक्टर मुरलीधर राव, डॉक्टर सुनीता एवं डॉक्टर येला वाणी ने अपनी सेवाएं प्रदान की।इस अवसर पर महेश अग्रवाल ने बताया कि पंचगव्य चिकित्सा, जिसे गोपैथी भी कहा जाता है, आयुर्वेद की एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली है जो गाय से प्राप्त पाँच उत्पादों दूध, दही, घी, मूत्र और गोबर का उपयोग चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए करती है। 'पंचगव्य' शब्द संस्कृत के दो शब्दों से बना है: पंच जिसका अर्थ है पाँच और गव्य जिसका अर्थ है गाय से संबंधित पदार्थ ।

उन्होंने आगे बताया कि पंचगव्य चिकित्सा का उद्देश्य शरीर में तीनों दोषों के संतुलन को बनाए रखना और समग्र कल्याण को बढ़ावा देना है। गाय व्युत्पन्न उत्पादों में अद्वितीय हीलिंग गुण होते हैं और यह विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों के इलाज में प्रभावी हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं पाचन विकार, त्वचा संबंधी समस्याएं, श्वसन संबंधी समस्याएं, प्रतिरक्षा संबंधी विकार एवं कुछ गंभीर स्थितियां जैसे कैंसर, एड्स और मधुमेह। महेश अग्रवाल ने बताया कि पंचगव्य का उपयोग आंतरिक रूप से सेवन करने के साथ-साथ बाहरी अनुप्रयोग के लिए भी किया जा सकता है। इसे सीधे लिया जा सकता है या अन्य आयुर्वेदिक दवाओं के साथ मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा महावीर जन्म कल्याणक पर करियर काउंसलिंग का आयोजन

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हैदराबाद द्वारा महावीर जन्म कल्याणक के शुभ अवसर पर युवाओं के करियर मार्गदर्शन हेतु नुमाइश मैदान में एक करियर काउंसलिंग स्टॉल का आयोजन किया गया। राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार स्टॉल सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें युवको व युवतियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को उनके करियर विकल्पों के प्रति मार्गदर्शन देना और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहायता करना था। इस स्टॉल में अनुभवी प्रोफेशनल्स ने छात्रों के साथ संवाद कर उन्हें विभिन्न करियर विकल्पों, आवश्यक स्किल्स और उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में जानकारी दी। टीपीएफ की टीम ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम मे टीपीएफ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नरेश कठोतिया, राष्ट्रीय सहमंत्री मोहित जी बैद, नेशनल फेमिना संयोजिका रक्षिता बोहरा, हैदराबाद शाखा अध्यक्ष विरेंद्र घोषल, पूर्व अध्यक्ष पंकज संचेती, उपाध्यक्ष सुनील पगारिया व अणुव्रत सुराना, मंत्री निखिल कोटेचा, रॉबिन बैद उपस्थित थे। इस अवसर पर तेयूप अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा की विशेष उपस्थिति रही। संयोजिका दीक्षा सुराना और नवीन सुराना के नेतृत्व में सभी स्वयंसेवकों ने विद्यार्थियों के लिए एक उत्साहपूर्ण, सहयोगात्मक और प्रेरणादायक माहौल सुनिश्चित किया। टीपीएफ ने इस अवसर पर सभी समिति सदस्यों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने अपनी उपस्थिति और योगदान से इस पहल को सफल बनाया।

हैदराबाद और सिकंदराबाद में कल शराब की दुकानें और बार बंद रहेंगे

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर की पुलिस ने 12 अप्रैल को हैदराबाद और सिकंदराबाद शहरों में सभी शराब और ताड़ी की दुकानों और रेस्तरां से जुड़ी बार को बंद करने का आदेश दिया है। यह आदेश हनुमान जयंती के मद्देनजर 13 अप्रैल को सुबह 6 बजे तक 24 घंटे के लिए लागू रहेगा।हैदराबाद पुलिस ने कहा, आदेश का उद्देश्य धार्मिक उत्सवों के दौरान सार्वजनिक शांति और सौहार्द बनाए रखना है। हालांकि, आदेश में स्टार होटलों और पंजीकृत क्लबों में स्थित बार को छूट दी गई है। यह निर्देश तेलंगाना आबकारी अधिनियम, 1968 की धारा 20 के तहत जारी किया गया है। अधिकारियों ने प्रतिष्ठानों से निर्देश का अनुपालन करने का आग्रह किया है तथा किसी भी उल्लंघन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, REKHA DEVI wife of No 14448982Y Hav (Chef Com) Shriniwas Singh resident of Vill-Bahuara, Post-Dildar Nagar, Teh-Zamania, Distt-Ghazipur, State-Uttar Pradesh, PIN-232326 have changed my name from REKHA DEVI to REKHA SINGH & change my Date of Birth from 05 Apr 1986 to 08 Jul 1988 respectively vide affidavit Date 09-04-2025 before Mohd MuzibullaBaig Advocate and Notary High Court of Telangana Tolichowki, Hyderabad (TS).

CHANGE OF NAME
I, SNEHA, Legally Wedded Spouse of 17005305H NK BAWACHE VIJAY KIRAN of UNIT/ REGT: 729, C/O: 56 APO, R/o. House No.172, Vithoba Galli, Soundalga, Saundalga, Chikodi, BELAGAVI, Karnataka-591241, have changed my name from SNEHA to SNEHA VIJAY BAVACHE, vide Affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL., on 09-04-2025.

CHANGE OF NAME
I, MAYADEVI KIRAN BAVACHE, Mother of 17005305H NK BAWACHE VIJAY KIRAN of Unit: UNIT 729, C/O: 56 APO, R/o. House No.172, Vithoba Galli, Soundalga, Saundalga, Chikodi, BELAGAVI, Karnataka-591241, have changed my name from MAYA DEVI to MAYADEVI KIRAN BAVACHE, DOB: 11-03-1971, vide Affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL., on 09-04-2025.

CHANGE OF NAME
I, KIRAN KRISHNA BAVACHE, Mother of 17005305H NK BAWACHE VIJAY KIRAN of Unit: UNIT 729, C/O: 56 APO, R/o. House No.172, Vithoba Galli, Soundalga, Saundalga, Chikodi, BELAGAVI, Karnataka-591241, have changed my name from SH KIRAN BAWACHE to KIRAN KRISHNA BAVACHE, DOB: 01-07-1963, vide Affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL., on 09-04-2025

CHANGE OF NAME
I. PRAKASHI BEI GUJAR is legally Wedded Wife of Service No. 15424420Y, Rank: HAV, Name: KANHIYA LAL GUJAR, Unit: MILITARY HOSPITAL, SECUNDERABAD, Residing at Vill: KISHANGANJ, Post: JAITPUR, Teh: NAINWA, Dist: BUNDI, State: RAJASHTAN, Pin: 323802, I have Changed my name from PRAKASHI BEI GUJAR to PRAKASHI BAI GUJAR my date of birth 20-05-1987, Vide Affidavit date 10/04/2025

CHANGE OF NAME
I, M PATHMAVATHI is legally Wedded Wife of Service No. 14674948A, Rank: HAV, Name: GOVINDARAJU V, Unit: 1 EME CENTER, 2 TRG BN, SECUNDERABAD, Residing at Vill: NEDUSALAI, Post: CHENNASANDIRAM, Teh: KRISHNAGIRI, Dist: KRISHNAGIRI, State: TAMIL NADU, Pin: 635121, I have Changed my name from M PATHMAVATHI to PATHMAVATHI M my date of birth 10-05-1992, Vide Affidavit date 10/04/2025

CHANGE OF NAME
I, P SUPRIYA Legally wedded wife of ARMY No16115822M Rank Naik Name PALUGULLA RANGA REDDY Resident of ANUMALAVEEDU (POST, Vill), Racharla (mandal) Prakasham (Dist), AP (State) 523368 do hereby declare that I have Changed my Name from P SUPRIYA to PALUGULLA SUPRIYA due to variation of my Name in army and Civil documents vide affidavit Swarn before public notary date 09/04/2025

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों को बड़ा मौका

सरकार ने लागू की आत्मसमर्पण नीति 2025 लागू, पीड़ितों को मिलेगी बड़ी राहत!

रायपुर, 10 अप्रैल (एजेंसियां) । छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश में नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों के लिए एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हुए नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 को औपचारिक रूप से लागू कर दिया है। गृह विभाग द्वारा 28 मार्च 2025 को जारी अधिसूचना के अनुसार, इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी जिलों में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में विशेष समितियों के गठन के निर्देश दिए गए हैं।

गृह विभाग ने गुरुवार को कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे इस नीति के अंतर्गत निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए राहत एवं पुनर्वास की कार्रवाई समय सीमा में प्रभावी रूप से पूरा करें।

उल्लेखनीय है कि यह नीति, नक्सल हिंसा में पीड़ित हुए व्यक्तियों एवं परिवारों जैसे कि मृत्यु, गंभीर घायल या स्थायी अपंगता के शिकार लोगों के साथ-साथ आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास और राहत के उद्देश्य से तैयार की गई है।अधिसूचना के अनुसार, प्रत्येक जिले में गठित होने वाली समिति में कलेक्टर अध्यक्ष होंगे, जबकि पुलिस अधीक्षक को सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त वनमंडलाधिकारी, जिला पंचायत के सीईओ, कलेक्टर द्वारा नामांकित दो अन्य अधिकारी तथा सशस्त्र बलों के प्रतिनिधियों को भी समिति में शामिल किया जाएगा।

प्रत्येक जिले एवं सब-डिविजनल स्तर पर एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी, जिनका मोबाइल नंबर व ई-मेल पता राज्य शासन को प्रेषित किया जाएगा। यह अधिकारी समस्त पुनर्वास कार्यों की निगरानी करेंगे। गृह विभाग ने निर्देशित किया है कि राज्य गठन के उपरांत से अब तक के सभी पीड़ित प्रकरणों को चिन्हित किया जाए और आत्मसमर्पित नक्सलियों का चयन कर राहत एवं पुनर्वास की कार्रवाई प्राथमिकता पर की जाए।इस नीति के अंतर्गत एक विशेष पोर्टल विकसित किया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक पीड़ित एवं आत्मसमर्पित व्यक्ति की जानकारी दर्ज की जाएगी और उन्हें एक यूनिक आईडी प्रदान की जाएगी। संबंधित अधिकारी इस पोर्टल के डैशबोर्ड का नियमित रूप से अवलोकन कर राहत एवं पुनर्वास के कार्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। गृह विभाग ने गुरुवार को कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे इस नीति के अंतर्गत निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए राहत एवं पुनर्वास की कार्रवाई समय सीमा में प्रभावी रूप से पूरा करेंगे।

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग का नेटवर्क अमेरिका से भी बेहतर होगा : नितिन गडकरी

धार (मध्य प्रदेश), 10 अप्रैल (एजेंसियां) । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि सड़क निर्माण से मध्य प्रदेश समृद्ध हो रहा है। आगामी दो साल में राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग का नेटवर्क अमेरिका से भी बेहतर होगा।मध्य प्रदेश के धार जिले में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव और राज्य सरकार के अन्य मंत्रियों की मौजूदगी में 5,800 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाली उज्जैन-बदनावर मार्ग का लोकार्पण किया। साथ ही 328 किमी कुल लंबाई की 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं विश्वास दिलाता हूं कि मध्य प्रदेश में आगामी दो साल में नेशनल हाईवे रोड नेटवर्क अमेरिका से अच्छा होगा। राज्य बहुत तेजी से विकास कर रहा है।उन्होंने कहा कि उज्जैन और आसपास के इलाकों के लिए आज ऐतिहासिक दिवस है। गुरुवार को लोकार्पित और

शिलान्यास हुई सड़क परियोजनाओं का उज्जैन, देवास, शाजापुर, इंदौर, धार, राजगढ़, अशोकनगर जैसे जिलों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इन परियोजनाओं के जरिए उज्जैन और आसपास के जिलों को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी के साथ विकास की नई रफ्तार मिली है। इन परियोजनाओं के विकास से दिल्ली, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र की उज्जैन से हाई स्पीड कनेक्टिविटी होगी। श्रद्धालुओं के लिए श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की यात्रा सुगम और सुविधाजनक होगी। दिल्ली एवं मुंबई का मालवा क्षेत्र से सुगम संपर्क स्थापित होगा। लॉजिस्टिक्स की लागत में कमी आएगी।उन्होंने कहा कि संदलपुर-नसरुल्लागंज चौड़ीकरण से जबलपुर-इंदौर की सीधी कनेक्टिविटी में सुधार होगा। कृषि उपज एवं स्थानीय उत्पादों की वैश्विक बाजारों तक पहुंच आसान होगी। साथ ही रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। बाकानेर घाट के रिअलाइनमेंट से सुगम एवं सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित होगी। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण निवेश में वृद्धि होगी और आर्थिक विकास को बल मिलेगा।उन्होंने कहा कि उज्जैन-बदनावर खंड के चौड़ीकरण से उज्जैन से बदनावर तक यात्रा का समय दो घंटे से कम होकर 45 मिनट रह गया है। इससे समय और ईंधन की बचत होगी। इंदौर-गुजरात एवं ब्यावरा-देवास खंड पर फ्लाईओवर निर्माण से ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलेगी। चंदेरी किला एवं पिछोर जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल तक पहुंचना आसान होगा। साथ ही क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।उन्होंने 12 हजार करोड़ रुपए की लागत से 400 किमी लंबाई की छह नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की घोषणा की।

रामागुंडम में भूकंप की अपुष्ट चेतावनी से दहशत फैल गई

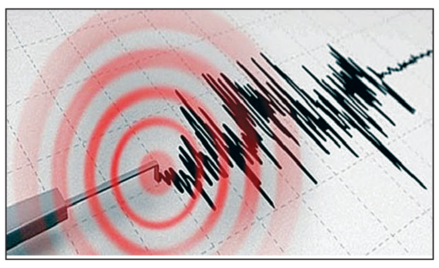

पेद्दापल्ली, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम में भूकंप की भविष्यवाणी करने वाला एक अपुष्ट, असत्यापित संदेश, जिसे 'एक्स' हैंडल से पोस्ट किया गया था, ने गुरुवार को कोयला बेल्ट शहर में दहशत फैला दी।स्वयं-घोषित भूकंप भविष्यवाणी हैंडल, एपिक (भूकंप अनुसंधान और विश्लेषण) द्वारा साझा की गई पोस्ट में, दक्षिण भारत में रामागुंडम के पास भूकंप की भविष्यवाणी की गई थी।पोस्ट में कहा गया है, हमारे शोध और विश्लेषण के अनुसार, दक्षिण भारत के तेलंगाना के रामागुंडम के पास आने वाला बड़ा भूकंप संभावित है। भूकंप के झटके आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के हैदराबाद, वारंगल, अमरावती तक पहुंच सकते हैं...अलग-अलग सोशल मीडिया प्लैटफ़ॉर्म पर लोगों द्वारा पोस्ट शेयर किए जाने के बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। कुछ लोगों ने एक्स पर पोस्ट का जवाब देते हुए सावधानियों के बारे में जानकारी मांगी, जबकि कई अन्य लोगों ने भविष्यवाणी की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए। कुछ लोगों ने ग्रोक एआई से जानकारी को सत्यापित करने और हैंडल की विश्वसनीयता को सत्यापित करने के लिए भी कहा। पोस्ट के नीचे टिप्पणियों पर हैंडल की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

हालांकि, हैंडल के बायो में उल्लेख किया गया है कि उनके अकाउंट पर पोस्ट उनके शोध और विश्लेषण पर आधारित थे, जो प्रारंभिक चरण में था और वे केवल शोध को रिकॉर्ड करने और टाइमस्टैम्प के लिए पोस्ट कर रहे थे।

हैदराबाद के कुछ हिस्सों में आंधी-तूफान और बारिश

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के कई हिस्सों में गुरुवार, 10 अप्रैल को आंधी और बारिश हुई, जिससे चिलचिलाती गर्मी से काफी राहत मिली।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद के शाम के पूर्वानुमान के अनुसार, शाम या रात के समय शहर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38 डिग्री सेल्सियस और 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।आईएमडी ने 13 अप्रैल तक हैदराबाद सहित तेलंगाना के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के पूर्वानुमान के साथ-साथ आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। निवासियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएं।

मौसम विशेषज्ञ टी. बालाजी, जो

अपनी सटीक भविष्यवाणियों के लिए जाने जाते हैं, ने कहा कि मेडक और संगारेड्डी से शक्तिशाली तूफान आ रहा है, और पहली शक्तिशाली प्रणाली के उत्तरी हैदराबाद, विशेष रूप से मियापुर-कुतुबुल्लापुर बेल्ट से टकराने की उम्मीद है, उसके बाद यह मध्य हैदराबाद में फैल जाएगा।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे के बीच तूफान के लिए परिस्थितियाँ बहुत अनुकूल होती जा रही हैं। निज़ामाबाद, कामारेड्डी, नलगोंडा, सिरसिला, मेडक, संगारेड्डी, सिद्दीपेट और विकाराबाद सहित मध्य तेलंगाना में भी तूफानी मौसम की संभावना है, और इन प्रणालियों के दिन में बाद में हैदराबाद की ओर बढ़ने की संभावना है।

हैदराबाद की ओर से शाम 4:20 बजे साझा किए गए मौसम रडार मानचित्र में तेलंगाना के पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्रों में कई गरज के साथ बारिश हो रही है। मेडक, संगारेड्डी, विकाराबाद और महबूबनगर के पास तीव्र गतिविधि दिखाई दे रही है, साथ ही हैदराबाद के बाहरी इलाकों के करीब बादल छाए हुए हैं।

आईएमडी के अनुसार, हैदराबाद में शनिवार और रविवार को बारिश होने की उम्मीद है।

तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के आंकड़ों से पता चलता है कि गुरुवार को राज्य में अधिकतम तापमान 41.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हैदराबाद में अधिकतम तापमान 38.1 डिग्री सेल्सियस रहा। तेलंगाना में अनुमानित बारिश के साथ तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

स्कूली छात्र ने शिक्षक पर धातु की छड़ से हमला किया

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के एक स्कूल के छात्र ने वार्षिक परीक्षा के दौरान नकल करते पकड़े जाने पर कथित तौर पर एक शिक्षक पर धातु की छड़ से हमला कर दिया।

रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना हैदराबाद के पट्टीगड्डा के बांदीमेट स्थित गवर्नमेंट बॉयज हाई स्कूल में घटी, जहां 45 वर्षीय बंडारा वेणुगोपाल, जो शारीरिक शिक्षा स्कूल सहायक हैं, 9 अप्रैल को निरीक्षण ड्यूटी पर थे।

सातवीं कक्षा के छात्र को नकल करते हुए पकड़ने के बाद वेणुगोपाल ने उत्तर पुस्तिका जब्त कर ली और अनुशासनात्मक कार्रवाई के तौर पर लड़के को गलियारे में बैठने के लिए भेज दिया।

हैदराबाद के छात्र ने कथित तौर पर स्कूल की घंटी बजाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली धातु की छड़ ली और परिसर के बाहर इंतजार करने लगा।

जैसे ही वेणुगोपाल बाहर निकला, छात्र ने कथित तौर पर उसके सिर के पीछे दो बार वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

यह घटना स्कूल स्टाफ की मौजूदगी में हुई। वेणुगोपाल की शिकायत के बाद बेगमपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

हाइड्रा ने रियल एस्टेट संबंधी प्रश्नों को स्पष्ट करने के लिए वेबसाइट लॉन्च की

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के आयुक्त एवी रंगनाथ ने गुरुवार 10 अप्रैल को एक नई वेबसाइट लॉन्च की, जिसका उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र में कानूनी स्पष्टता और पारदर्शिता लाना है।

एचआरसीएस इंडिया नामक यह प्लेटफॉर्म हैदराबाद में प्रॉपर्टी खरीदने वालों, बेचने वालों और हितधारकों को मुफ़्त, सत्यापित कानूनी और लोन संबंधी जानकारी प्रदान करता है। रेरा-प्रमाणित संगठन एचआरसीएस इंडिया द्वारा निर्मित यह वेबसाइट उपयोगकर्ताओं को यह निर्धारित करने में मदद करती है कि प्रॉपर्टी फुल टैंक लेवल या झील बफर ज़ोन में आती है या नहीं।

यह पहल ऐसे समय में की गई है जब रियल एस्टेट की मंजूरी को लेकर हैदराबाद के निवासियों में भ्रम और भय व्याप्त है। वेबसाइट का उद्देश्य इस सूचना अंतर को पाटना और नागरिकों को सुरक्षित संपत्ति निर्णय लेने के लिए सटीक डेटा के साथ सशक्त बनाना है।

एचआरसीएस इंडिया ने स्पष्ट किया है कि वह संपत्तियों का प्रचार या विक्रय नहीं करता है, बल्कि विशुद्ध रूप से सूचना-प्रधान मंच के रूप में कार्य करता है।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए, हाइड्रा के आयुक्त रंगनाथ ने कहा कि हैदराबाद के रियल एस्टेट बाजार में मौजूदा मंदी के लिए एजेंसी जिम्मेदार नहीं है, उन्होंने बताया कि एजेंसी के गठन से पहले भी कई बिना बिके फ्लैट मौजूद थे।

रंगनाथ ने हैदराबाद में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता के महत्व पर बल दिया, जो भूमि हड़पने और अनियमित निर्माण के कारण लंबे समय से सार्वजनिक छवि से प्रभावित है।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि हाइड्रा पुलिस स्टेशन दो सप्ताह में तैयार हो जाएगा और एजेंसी अतिक्रमणों की पहचान करने और एफ.टी.एल. का सीमांकन करने के लिए उपग्रह और सुदूर संवेदन प्रौद्योगिकी का उपयोग करने हेतु राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एन.आर.एस.सी.) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रही है।

साइबर क्राइम पुलिस ने आईटी जॉब धोखेबाज को पकड़ा

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने टेलीग्राम के माध्यम से बहुराष्ट्रीय कंपनियों में फर्जी आईटी नौकरी की पेशकश करके नौकरी के इच्छुक लोगों को ठगने के आरोप में बैंगलोर से 25 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान बांदी अजय कुमार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से आंध्र प्रदेश के कडप्पा का निवासी है। उसने कथित तौर पर नौकरी सलाहकार के रूप में कई व्यक्तियों को धोखा दिया, पीड़ितों को एक्सेंचर जैसी कंपनियों में उच्च वेतन वाली नौकरियों का वादा किया।

उसने टेलीग्राम ग्रुप पर फर्जी जॉब पोस्टिंग बनाई और विश्वसनीय दिखने के लिए पेशेवर भाषा और लहजे का इस्तेमाल करते हुए व्हाट्सएप के जरिए पीड़ितों से संपर्क किया। उसने लिंक्डइन और अन्य जॉब

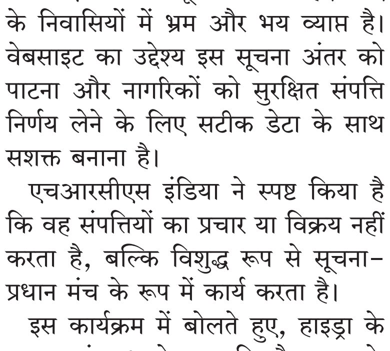

पोर्टल पर फर्जी कर्मचारी प्रोफाइल भी बनाई, साक्षात्कार आयोजित किए और संवाद करने के लिए इंटरनेट कॉल का इस्तेमाल किया।

धोखाधड़ी का मामला तब प्रकाश में आया जब डीडी कॉलोनी, अम्बरपेट के एक 25 वर्षीय व्यक्ति ने अजय कुमार के खाते में 2 लाख रुपए ट्रांसफर करने के बाद शिकायत दर्ज कराई, यह विश्वास करते हुए कि उसे 6 लाख रुपए वार्षिक पैकेज वाली नौकरी मिल गई है।

हालांकि, भुगतान के बाद आरोपी ने सभी संपर्क तोड़ दिए। आईटी एक्ट की धारा 66सी, 66डी और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

अभियुक्तों से जब्त सामान में शामिल हैं:
1 मोबाइल फ़ोन, 1 लैपटॉप, 4 बैंक पासबुक, 3 चेक बुक और
2 डेबिट कार्ड शामिल हैं।

अधिकारियों ने लोगों से अनचाहे जॉब ऑफर से सावधान रहने का आग्रह किया है, खास तौर पर उन ऑफर से जो पैसे मांगते हैं। पुलिस ने चेतावनी दी, असली कंपनियाँ जॉब प्लेसमेंट के लिए कभी पैसे नहीं मांगती हैं।

साइबर धोखाधड़ी के शिकार लोग 1930 पर डायल करके या उनकी वेबसाइट पर जाकर मदद मांग सकते हैं ।

यंग इंडिया ब्रांड के साथ मैंने अपनी पहचान स्थापित की : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने 'यंग इंडिया' पहल के माध्यम से अपने लिए एक अलग पहचान बनाई है, जिसका उद्देश्य तेलंगाना में युवाओं को सशक्त बनाना है।

हैदराबाद के बाहरी इलाके नरसिंगी के मंचिरेवुला में यंग इंडिया पुलिस स्कूल के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि ब्रांड की अवधारणा महात्मा गांधी से प्रेरित है। यह स्कूल युवाओं, शिक्षा और अनुशासन पर ध्यान केंद्रित करने के उनकी सरकार के प्रयासों का हिस्सा है।

हर मुख्यमंत्री ने अपनी विरासत बनाई है। एनटी रामा राव को गरीबों के लिए 2 रुपये प्रति किलो चावल योजना के लिए याद किया जाता है, चंद्रबाबू नायडू को हैदराबाद में आईटी क्रांति के लिए और वाईएस राजशेखर रेड्डी को किसानों के साथ खड़े होने के लिए याद किया जाता है। आज, मैंने 'यंग इंडिया' के माध्यम से अपनी खुद की पहचान स्थापित की है, रेवंत ने कहा।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा और रोजगार राष्ट्र निर्माण की कुंजी हैं। अग्रणी संस्थानों की स्थापना में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के योगदान को याद करते हुए रेवंत ने कहा कि केवल वही नेता याद किए जाते हैं जो प्रभावशाली निर्णय लेते हैं।अपनी सरकार की पहलों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने और रोजगार क्षमता में सुधार के लिए यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी की शुरुआत की गई है। उद्योगपति आनंद महिंद्रा को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि एक युवा भारत खेल विश्वविद्यालय और अकादमी की स्थापना की जाएगी, जिसका उद्देश्य भविष्य के ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के लिए एथलीटों को तैयार करना है।

रेवंत रेड्डी ने बताया कि यंग इंडिया पुलिस स्कूल के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का कोष बनाया जा रहा है । सरकार इस स्कूल को सैनिक स्कूलों के बराबर बनाने के लिए पूरा सहयोग देने को तैयार है।

इस मिशन में कॉरपोरेट घरानों से हाथ मिलाने का आग्रह करते हुए रेवंत ने कहा, इस पुलिस स्कूल को एक रोल मॉडल के रूप में विकसित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। मैं निजी कंपनियों से अपील करता हूं कि वे अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत इसमें योगदान दें ।

'यंग इंडिया' पहल को रेवंत रेड्डी के कार्यकाल की एक विशेषता के रूप में पेश किया जा रहा है – जिसका ध्यान शिक्षा, अनुशासन, रोजगार और राष्ट्रीय गौरव पर केंद्रित है।

तेलंगाना सरकार ने एआई राइजिंग ग्रैंड चैलेंज शुरू किया

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकार ने गुरुवार 10 अप्रैल को सार्वजनिक क्षेत्र के मुद्दों को हल करने के लिए एआई राइजिंग ग्रैंड चैलेंज का शुभारंभ किया।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा उद्घाटन की गई यह पहल एक एकीकृत डेटा एक्सचेंज के रूप में काम करेगी, जो विभिन्न सरकारी विभागों और साझेदार संगठनों से उच्च गुणवत्ता वाले डेटासेट को एक साथ लाएगी।

इन डेटासेट्स के साथ-साथ कई अन्य कार्यात्मकताओं तक सुरक्षित और संरचित पहुँच प्रदान करके, प्लेटफ़ॉर्म वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में एआई समाधानों के विकास, परीक्षण और स्केलिंग का समर्थन करेगा। यह सरकार, स्टार्टअप, उद्योग और शिक्षा जगत में सहयोग के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी काम करेगा, जिससे राज्य में नवाचार और एआई को अपनाने में तेज़ी आएगी।

टीजीडीईएक्स लॉन्च के अग्रदूत के रूप में, तेलंगाना सरकार के उभरते प्रौद्योगिकी विंग, आईटीईसी विभाग ने आज तेलंगाना एआई राइजिंग ग्रैंड चैलेंज के शुभारंभ की घोषणा की। यह चुनौती सरकार द्वारा देखरेख किए जाने वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए अत्याधुनिक एआई -प्रथम समाधानों की पहचान, समर्थन और कार्यान्वयन का प्रयास करती है।तेलंगाना एआई राइजिंग ग्रैंड चैलेंज शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक परिवहन और अन्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उच्च प्रभाव वाले उपयोग मामलों पर केंद्रित है। छात्रों के लिए इंटरैक्टिव लर्निंग टूल और भविष्यसूचक स्वास्थ्य सेवा मॉडल से लेकर एआई-संचालित चैटबॉट तक, इस चुनौती का उद्देश्य शासन में सुधार, नागरिक सेवा वितरण को बढ़ाने और सार्वजनिक क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी क्षमता का दोहन करना है।

प्रत्येक उपयोग मामले के लिए चुनौती के विजेता को तेलंगाना राज्य के भीतर पायलट परियोजनाओं को लागू करने के लिए 15 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा। तेलंगाना एआई राइजिंग ग्रैंड चैलेंज को जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) और अन्य प्रमुख पारिस्थितिकी तंत्र समर्थकों के सहयोग से तेलंगाना सरकार के आईटीई एंड सी विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है।

जबकि तेलंगाना एआई मिशन (टी-एआईएम) कार्यान्वयन साझेदार है, नैसकॉम, मैथ (टी-हब का एआई/एमएल सीओई), टी-हब, पीक 15वीं, एनवीआईडीआईए, गुवी, आईआईटी हैदराबाद और जीओमेगा भी विभिन्न क्षमताओं में इस पहल का समर्थन कर रहे हैं।

तेलंगाना ने खाड़ी प्रवासियों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एनआरआई सलाहकार समिति का गठन किया

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने खाड़ी देशों के प्रवासी कामगारों के कल्याण के लिए एक गैर-निवासी भारतीय (एनआरआई) सलाहकार समिति के गठन की घोषणा की है, ताकि एक व्यापक एनआरआई नीति विकसित की जा सके। यह कदम मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के राज्य के विदेशी कामगारों के लिए सहायता में सुधार करने के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है।

16 अप्रैल, 2024 को हैदराबाद के ताज डेक्कन में खाड़ी देशों के संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने खाड़ी क्षेत्र के कामगारों की भलाई के लिए ठोस कदम उठाने का वादा किया था। उस वादे को पूरा करते हुए सरकार ने अब औपचारिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद मुख्य सचिव शांति कुमारी ने गुरुवार 10 अप्रैल को आधिकारिक सरकारी आदेश जारी किया।

समिति, जो दो वर्षों तक कार्य करेगी, को वर्तमान कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करने, नीतिगत कमियों की पहचान करने तथा तेलंगाना के निम्न आय वाले प्रवासी श्रमिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक उपायों की सिफारिश करने का कार्य सौंपा गया है।

समिति नेतृत्व : अध्यक्ष: डॉ. बी.एम. विनोद कुमार (आईएफएस सेवानिवृत्त), उपाध्यक्ष : मंधा भीम रेड्डी

समिति में सरकारी अधिकारी भी शामिल : आदि श्रीनिवास – सरकारी सचेतक और विधायक, वेमुलावाड़ा, टी जीवन रेड्डी – पूर्व एमएलसी, जगतियाल, मेदिपल्ली सत्यम – विधायक, चोप्पाडांडी, डॉ आर भूपति रेड्डी – विधायक, निज़ामाबाद ग्रामीण, ई. अनिल कुमार – अध्यक्ष, टीजीएमडीसी।

समिति सदस्यगण : सिंगरेड्डी नरेश रेड्डी

लिजी जोसेफ, चेन्नामनेनी श्रीनिवास राव, कोट्टाला सत्यम नारा गौड़ (दुबई)

गुग्गिला रविंदर, नांगी देवेन्द्र, स्वदेश पार्कि पंडला

समिति गंतव्य देशों और केरल , पंजाब और आंध्र प्रदेश जैसे भारतीय राज्यों में खाड़ी श्रमिकों के लिए मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं का अध्ययन करेगी । यह प्रवासी मुद्दों की बेहतर समझ और व्यावहारिक समाधान सुझाने के लिए खाड़ी देशों का दौरा करने की भी योजना बना रही है।

इसके निष्कर्षों के आधार पर, तेलंगाना सरकार का लक्ष्य एक समर्पित तेलंगाना खाड़ी और विदेशी श्रमिक कल्याण बोर्ड की स्थापना करना तथा अपने वैश्विक कार्यबल को समर्थन देने के लिए एक मजबूत एनआरआई नीति तैयार करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस भर्ती पर तेलंगाना हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सर्वोच्च न्यायालय ने तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है, तथा 15,644 पुलिस कांस्टेबलों की भर्ती के संबंध में तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले को प्रभावी रूप से बरकरार रखा है।हाईकोर्ट ने विवादास्पद प्रश्नों की समीक्षा करने और दो महीने के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का आदेश दिया था। हालांकि, उसने कहा कि पहले से की गई नियुक्तियों में कोई बदलाव करने की जरूरत नहीं है।विवाद तब शुरू हुआ जब 30 अप्रैल 2023 को कांस्टेबलों की भर्ती के लिए आयोजित परीक्षा में अभ्यर्थियों ने गलत प्रश्नों पर आपत्ति जताई।पुलिस भर्ती बोर्ड ने शुरू में एक विशेषज्ञ समिति को प्रारंभिक कुंजी प्रस्तावित की और बाद में 30 मई, 2023 को अंतिम कुंजी जारी की।कुछ अभ्यर्थियों ने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी, जिसके बाद चार

प्रश्नों को हटाने का आदेश दिया गया। बोर्ड ने इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट की खंडपीठ में अपील की, जिसने एकल न्यायाधीश के आदेश को खारिज कर दिया और निर्देश दिया कि उस्मानिया विश्वविद्यालय और पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा गठित एक स्वतंत्र समिति द्वारा 12 प्रश्नों की समीक्षा की जाए।बुधवार, 9 अप्रैल को न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जेएम बागची की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने मामले की सुनवाई की और याचिका को खारिज करते हुए हस्तक्षेप न करने का निर्णय लिया।उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि मौजूदा नियुक्तियों में बाधा डाले बिना भर्ती प्रक्रिया दो महीने के भीतर पूरी की जाए।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि चूंकि मौजूदा नियुक्तियों को चुनौती नहीं दी जा रही है, इसलिए उनके संबंध में विशेष आदेश की कोई आवश्यकता नहीं है।सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा ने पहले से नियुक्त उम्मीदवारों की संख्या के बारे में पूछा, जिस पर बोर्ड के वकील ने जवाब दिया कि 15,474 उम्मीदवारों की भर्ती की गई है। हालांकि, विपक्षी वकील ने इस आंकड़े पर विवाद किया। बोर्ड ने यह भी माना कि 854 पद खाली रह गए।

फोन टैपिंग मामला: पूर्व एसआईबी प्रमुख का पासपोर्ट रद्द

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना फोन टैपिंग मामले में एक बड़े घटनाक्रम में, भारतीय पासपोर्ट प्राधिकरण ने बुधवार, 9 अप्रैल को पूर्व विशेष जांच ब्यूरो प्रमुख टी प्रभाकर राव का पासपोर्ट रद्द कर दिया।राव फोन-टैपिंग मामले में मुख्य आरोपी हैं, इंटरपोल द्वारा रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए जाने के बाद उनका पासपोर्ट रद्द किया गया है। राव वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे हैं और कथित तौर पर उन्होंने वहां ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन किया है। उनके भारतीय पासपोर्ट को रद्द किए जाने के बाद, प्रभाकर राव के ग्रीन कार्ड आवेदन को कथित तौर पर खारिज कर दिया गया है।फोन-टैपिंग मामले में पूर्व एसआईबी प्रमुख की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है, और भारत में अधिकारी उन्हें पूछताछ के लिए वापस लाने के लिए कदम उठा रहे हैं। तेलंगाना पुलिस इंटरपोल के साथ मिलकर राव की भारत वापसी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है।यह मामला राजनयिक हस्तक्षेप के लिए अमेरिकी वाणिज्य दूतावास और केंद्रीय विदेश मंत्रालय तक भी पहुंचाया गया है।तेलंगाना पुलिस इंटरपोल के साथ मिलकर राव की भारत वापसी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। इस मामले को राजनयिक हस्तक्षेप के लिए अमेरिकी वाणिज्य दूतावास और केंद्रीय विदेश मंत्रालय तक भी पहुंचाया गया है।फोन टैपिंग मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल ने 30 मार्च को पूछताछ की।

चंद्रायनगुट्टा में सिलेंडर विस्फोट से दहशत

हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बालापुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत साधात नगर में एक घर में सिलेंडर विस्फोट से गुरुवार सुबह दहशत फैल गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना सलमा बानू के घर पर हुई, जिन्होंने चंद्रायनगुट्टा से गैस सिलेंडर मंगवाया था। सिलेंडर डिलीवर होने के बाद उसे बाहर बरामदे में रख दिया गया, जहां कुछ ही देर में उसमें विस्फोट हो गया।

विस्फोट से आग लग गई और पड़ोस में दहशत फैल गई।

सौभाग्य से, कोई हताहत नहीं हुआ क्योंकि महिला सुरक्षित बच गई तथा विस्फोट के समय बच्चे स्कूल में थे।

घटना की सूचना मिलते ही बालापुर पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाया। हालांकि, जब तक फायर सर्विस पहुंची, तब तक स्थानीय लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो चुके थे और आग पर काबू पा लिया।

अधिकारी विस्फोट के कारण की जांच कर रहे हैं तथा यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या सिलेंडर की आपूर्ति या रखरखाव में कोई लापरवाही थी। आगे की जांच जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.